THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 193 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.3 2082 गुरुवार, 9 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अभिनेता प्रियांशु की हत्या

नागपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंदी फिल्म झुंड में अपने ऑनस्क्रीन किरदार बाबू छेत्री से मशहूर हुए अभिनेता प्रियांशु उर्फ बाबू रवि सिंह छेत्री की बुधवार तड़के नागपुर में उनके दोस्त ने हत्या कर दी। नागपुर पुलिस ने बताया कि वारदात शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान हुआ। आरोपी की पहचान ध्रुव लाल बहादुर साहू (20) के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साहू और छेत्री करीबी दोस्त थे और अक्सर साथ में शराब पीते थे। मंगलवार आधी रात के बाद, साहू और छेत्री साहू की मोटरसाइकिल से जरीपटका इलाके में सुनसान घर में शराब पीने गए। बुधवार सुबह छेत्री के घायल अवस्था में मिले थे।

सेना मुंबई हमले का जवाब देने वाली थी : मोदी

कांग्रेस ने किसके दबाव में हमला करने से रोका था

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। पीएम ने यहां नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। साथ ही 22 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत पर बात की। साथ ही कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि 2008 में आतंकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके।

हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृहमंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी। लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।

2008 में कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया: साथियों मुंबई भारत की आर्थिक राजनीति के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी। पूरा देश भी यही चाहता था। लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका। गरीबों का सशक्तिकरण आज देश की प्राथमिकता है: गरीब हो मीडिल क्लास हो इनका सशक्तिकरण आज देश की प्राथमिकता है। >14

आज सभी जिलों में 5जी कनेक्टिविटी, 1जीबी डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम, मीडिया और टेक्नोलॉजी इवेंट है। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा-जब मैंने 'मेक इन इंडिया' की बात कही थी तो कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते थे। उन्हें जवाब मिल गया है।

जो देश कभी 2जी को लेकर स्ट्रगल करता था, आज उसी देश के सभी जिले में 5जी पहुंच गया है। आज भारत में 1जीबी वायरलेस डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है। पीएम ने कहा-भारत ने मेड इन इंडिया 4जी स्टैक लॉन्च किया है। अब भारत उन 5 देशों की लिस्ट में आ गया है, जिनके पास यह क्षमता है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता को पहचान रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और 5जी मार्केट है। यह भारत में निवेश, नवाचार और निर्माण का सबसे सही समय है। भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है।

नई जेनरेशन बहुत बड़े लेवल पर स्कील्ड बनाई जा रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और दूसरा सबसे बड़ा 5जी मार्केट है। इसके साथ-साथ, हमारे पास मैनपॉवर, मोबिलिटी और माइंडसेट भी हैं। हम देश में साइबर सिक्योरिटी को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रहे हैं। साइबर फ्रॉड के खिलाफ कानून सख्त किए गए हैं। जवाबदेही तय की गई है। >14

तेलंगाना में दो सिरप का उपयोग बंद करने का नोटिस

> औषधि नियंत्रण निकाय की सार्वजनिक चेतावनी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने खांसी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दो सिरप के लिए 'स्टॉप यूज' नोटिस जारी किया है। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) ने बुधवार को इस संबंध में सार्वजनिक चेतावनी जारी करते हुए कहा, इन दवाओं में जहरीले रसायन 'डायथिलीन ग्लाइकोल' मिलावट की आशंका जताई गई है। इस कारण इसका इस्तेमाल घातक है।

औषधि नियंत्रण निकाय ने तेलंगाना में इस्तेमाल हो रही इस दवा को लेकर कहा, सार्वजनिक चेतावनी मध्य प्रदेश सरकार के भोपाल स्थित ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी से प्राप्त अलर्ट के आधार पर जारी की गई है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों सिरपों में डीईजी पाया गया है, जो अत्यधिक विषैला पदार्थ है और मानव शरीर के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है।

जनता से सहयोग भी मांगा

तेलंगाना डीसीए ने जनता से अपील की है कि वे इन दोनों सिरपों का तुरंत उपयोग बंद करें। नोटिस में कहा गया है कि अगर किसी के पास ये उत्पाद पहले से मौजूद हैं तो नजदीकी ड्रग्स कंट्रोल प्राधिकरण को तुरंत सूचित करें।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दवाएं गुजरात की फार्मा कंपनियों में बनी हैं। इससे पहले बीते 4 अक्तूबर को तेलंगाना प्रशासन ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर भी इसी तरह का 'स्टॉप यूज' नोटिस जारी किया था। यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की कथित मौतों के बाद उठाया गया था। कथित रूप से इस सिरप के सेवन के बाद अब तक करीब 20 बच्चों की मौत हो चुकी है।

पटाखा फैक्ट्री में आग, 6 की मौत-आठ घायल

अमरावती, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि आठ घायल बताए जा रहे हैं। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई घायलों की हालत नाजुक है।

एसपी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किए एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं।

नायडू ने X पर लिखा- इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद 25 लोगों का रेस्क्यू

जम्मू, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के ऊंचे इलाकों में पिछले 24 घंटों से बर्फबारी जारी है।

सेना ने डोडा जिले के ऊपरी इलाकों में अपने पालतू जानवरों के साथ बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों को बचाया है। वहीं, आज से जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू हुई है। खराब मौसम के कारण 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक यात्रा रोकी गई थी। 3 दिन के बाद यात्रा शुरू होने से श्रद्धालु खुश हैं। सुबह से ही सैकड़ों लोग दर्शन के लिए रवाना हुए। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन स्नोफॉल हुआ।

कोकरनाग के घने जंगलों में लापता हुए दो पैरा कमांडो

श्रीनगर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के घने गाडोल जंगल क्षेत्र में सेना के दो कमांडो जवान लापता हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, ये दोनों जवान भारतीय सेना की पैरा स्पेशल फोर्स यूनिट से हैं और सोमवार से उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, जवान किसी विशेष ऑपरेशन के तहत इलाके में भेजे गए थे, लेकिन इसके बाद उनका संपर्क बेस से टूट गया। घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भाजपा नेता की हत्या : बीच रास्ते में रोका वाहन और घोंप दिया चाकू, मामला दर्ज

बेंगलुरु, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस शासित कर्नाटक से बीजेपी युवा मोर्चा के एक पूर्व पदाधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक के कोप्पल में बीजेपी युवा मोर्चा के एक पूर्व स्थानीय पदाधिकारी की पुरानी रंजिश के एक संदिग्ध मामले में एक गिरोह ने हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार तड़के कोप्पल जिले के गंगावती तालुक में हुई जब पूर्व युवा मोर्चा नेता वेंकटेश अपने एक दोस्त से मिलने के बाद एक अन्य दोस्त के साथ दोपहिया वाहन पर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान पांच-छह हमलावरों का समूह एक कार में आया और उनके वाहन को रोक कर उनपर चाकू से हमला कर दिया। कर्नाटक पुलिस ने बताया कि जब हमलावर वेंकटेश को घेरकर मार रहे थे, तब उसका दोस्त वहां से भाग गया। वेंकटेश पर हमला करने के बाद हमलावर अपने वाहन से फरार हो गए।

एक ही परिवार के 7 लोग डैम के पानी में बहे

तुमकुरु, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में मंगलवार को मार्कोनहल्ली डैम के पास पिकनिक मनाने गए 15 लोगों में से सात लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। पुलिस ने बताया कि 2 शव बरामद किए गए हैं और चार अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए बुधवार को भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने एक व्यक्ति को बचा लिया था। पुलिस ने बताया कि एक ही परिवार की 6 महिलाएं-बच्चे और एक व्यक्ति डैम के नीचे वाले हिस्से में घूमने गए थे। तभी महिलाएं और बच्चे पानी में उतर गए। अचानक डैम का साइफन सिस्टम चालू हो गया और सभी पानी के तेज बहाव में बह गए।

> वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस

सीडीएस के साथ हिंडन एयरबेस पहुंचे तीनों सेनाओं के प्रमुख

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। वायुसेना आज अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर बुधवार सुबह ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर वायुसेना को बधाई दी।

मुर्मू ने लिखा, वायुसेना दिवस पर सभी वायु योद्धाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई दी। वहीं, पीएम मोदी ने कहा, भारतीय वायुसेना वीरता, अनुशासन और सटीकता की प्रतीक है। उन्होंने हमारे आकाश की सुरक्षा में, अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। उनकी प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता और अदम्य साहस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है। दूसरी तरफ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पहुंचे, जहां वायुसैनिकों की परेड का आयोजन हुआ। वायुसेना प्रमुख ने परेड का निरीक्षण किया और वायुसैनिकों से सलामी ली। इसके बाद उनका उद्बोधन होगा। गौरतलब है कि वायुसेना दिवस पर मुख्य आयोजन गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर किया जा रहा है। यह पहला अवसर है, जब वायुसेना इस आयोजन को दो हिस्सों में कर रही है। हिंडन एयरबेस पर वायुसैनिकों की परेड और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का उद्बोधन हो रहा है, जबकि लड़ाकू विमानों और हेलिकॉप्टरों के हवाई करतब का प्रदर्शन 9 नवंबर को गुवाहाटी में किया जाएगा। हिंडन पर इस बार मिग-21 भी खड़ा नजर आया। छह दशक की सेवा के बाद यह विमान पिछले ही दिनों वायुसेना से रिटायर हुआ है।

हालांकि, इस दौरान राफेल और सुखोई-30 जैसे मारक एयरक्राफ्ट भी लोगों के मुख्य आकर्षण का विषय होंगे, जिन्होंने पाकिस्तान को मजा चखाने में अहम भूमिका निभाई। इस साल वायुसेना दिवस पर हिंडन में फ्लाई पास्ट न होने की वजह राजधानी क्षेत्र का बढ़ता एयर ट्रैफिक है। फ्लाई पास्ट आयोजित करने की सूरत में अभ्यास के लिए भी कुछ दिन एयर ट्रैफिक बाधित करना पड़ता। इसके अलावा सघन आबादी क्षेत्र होने के कारण यहां बर्ड हिट का अंदेशा हमेशा बना रहता है।

चुनाव आयोग की दो टूक

बिहार पर नीतिगत फैसले के लिए केंद्र सरकार पर भी आचार संहिता लागू

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बुधवार को साफ कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान लागू आचार संहिता यानी मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (एमसीसी) केवल राज्य सरकार पर ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी। इसका मतलब है कि केंद्र सरकार भी इस दौरान बिहार से जुड़े किसी बड़े एलान या नई नीति की घोषणा नहीं कर सकेगी।

बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव

आचार संहिता सोमवार को चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही लागू हो गई थी। बिहार में दो चरणों में मतदान होगा, पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को। जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा, 'आचार संहिता केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, जहां तक बिहार से जुड़ी घोषणाओं और नीतिगत फैसलों की बात है।' इसका उद्देश्य चुनाव के दौरान सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बराबरी का मौका देना है।

स्थानीय प्रशासन को आयोग ने दिए सख्त निर्देश

निर्वाचन आयोग ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि नागरिकों की निजता यानी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए। किसी भी राजनीतिक गतिविधि के लिए लोगों के घरों के बाहर धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही आयोग ने कहा है कि बिना संपत्ति मालिक की अनुमति के किसी भी निजी या सरकारी इमारत, दीवार या जमीन पर झंडे, बैनर या पोस्टर नहीं लगाए जा सकते।

'ना पांडे हूं, ना तिवारी हूं-मैं दलित हूं'

सीजेआई गवई पर हमला करने वाले राकेश किशोर करेंगे खजुराहो विष्णु मंदिर में अनशन

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर 6 अक्टूबर 2025 को एक वकील राकेश किशोर ने जूता फेंकने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने वकील को हिरासत में ले लिया और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। सोशल मीडिया पर वकील की जाति को लेकर चर्चा हो रही है। इस बीच राकेश किशोर ने खुद अपनी जाति बताई है। उन्होंने कहा कि मैं खुद दलित हूं।

मैं दलित हूं-राकेश किशोर

मीडिया वेबसाइट ऑपइंडिया से बात करते हुए राकेश किशोर ने कहा कि लोग मुझे नहीं जानते, मैं ना पांडे हूं, ना मैं तिवारी हूं, ना मैं गुप्ता हूं, ना मैं जायसवाल हूं-मैं दलित हूं और मैं अपना जाति प्रमाण पत्र भी दिखाने को तैयार हूं। पत्रकार ने राकेश किशोर से पूछा कि भगवान विष्णु को लेकर चीफ जस्टिस ने जो टिप्पणी की क्या वह जानबूझकर की गई थी? इसके जवाब में राकेश किशोर ने कहा कि नहीं, वह टिप्पणी जानबूझकर नहीं की गई थी बल्कि सीजेआई के मन के अंदर जो बात है, वह बात बाहर आ गई। राकेश किशोर ने कहा कि मुझे दुख होता है कि एक वर्ग हिंदुओं से कटकर अलग तैयार हो रहा है और उन्होंने ही मेरे घर का घेराव किया था। राकेश किशोर ने यह भी कहा कि बौद्ध धर्म का ज्ञान जितना मुझे है, उतना किसी और को मिलना मुश्किल है। राकेश किशोर ने कहा कि मैंने गौतम बुद्ध को सबसे अधिक पढ़ा है। राकेश किशोर ने यह भी कहा कि मैं भगवान बुद्ध के विचारों से प्रभावित हूं। पत्रकार ने पूछा कि आपकी जान को खतरा है? इसके जवाब में राकेश किशोर ने कहा, आपको तो पता है कि यह कौन लोग है जो सर तन से जुदा करने में इंटरेस्टेड रहते हैं। कन्हैयालाल कुमार को मार कर उनका वीडियो बनाया और मारने वाले आज भी आजाद घूम रहे हैं। हमपर कभी भी अटैक हो सकता है, वे कुछ भी कर सकते हैं ताकि सनातन की आवाज हमेशा के लिए मर जाए। मेरा अगला कदम है कि मैं खजुराहो में भगवान विष्णु के मंदिर जाऊंगा। मेरा उद्देश्य है कि मैं उसको रिस्टोर कराऊं।

राकेश किशोर के खिलाफ शुरू होगी अवमानना की कार्रवाई

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हुई एक बड़ी सुरक्षा चूक के बाद अब इस पर कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। एक अधिवक्ता ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से अनुरोध किया है कि वकील राकेश किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दी जाए। दरअसल, 71 वर्षीय वकील ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की थी और नारे लगाए, 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे'। यह घटना खुली अदालत में हुई, जिससे वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। इस घटना के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने किशोर का बार लाइसेंस तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

ममता बोलीं-शाह एक दिन मोदी के मीर जाफर बनेंगे

* वो कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह बर्ताव कर रहे, पीएम उन पर भरोसा ना करें

कोलकाता, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी कि वे उन पर ज्यादा भरोसा न करें। ममता ने यह बयान दार्जलिंग के बागडोगरा और मिरिक में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के बाद कोलकाता लौटने पर दिया।

उन्होंने शाह की तुलना मीर जाफर से की। सीएम ने ये बयान ओडिशा के कटक में 5 अक्टूबर को दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा को लेकर दिया। मता ने कहा, 'कटक में हालात बहुत खराब हैं। भाजपा और बजरंग दल की वजह से वहां सांप्रदायिक हिंसा हुई है। ये लोग देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैंने कई सरकारें देखी हैं, लेकिन इतनी घमंडी और तानाशाह सरकार पहले कभी नहीं देखी। उन्हें याद रखना चाहिए कि आज वे सत्ता में हैं, लेकिन कल नहीं भी हो सकते। उन्होंने कहा कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता।

15 दिन में एसआईआर कैसे हो सकती हैं? यह सब अमित शाह का काम है। वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह काम करते हैं। प्रधानमंत्री सब जानते हैं। अमित शाह पर हमेशा भरोसा मत करो, वह एक दिन तुम्हारे मीर जाफर बनेंगे। मीर जाफर मुगल जनरल था, जिसे भारतीय इतिहास में विश्वासघात का प्रतीक माना जाता है। 1757 की प्लासी की लड़ाई में उसने अंग्रेजों से मिलकर बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला से गद्दारी की थी। मीर जाफर ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ गुप्त समझौता किया, जिससे सिराजुद्दौला की हार हुई।

सबरीमाला सोना चोरी विवाद पर विधानसभा में हंगामा

विपक्ष ने की मारपीट देवस्वम मंत्री का मांगा इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर में स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर केरल विधानसभा में हंगामा जारी है। सदन में बुधवार (8 अक्तूबर) को उस वक्त जमकर हंगामा देखने को मिला, जब विपक्षी यूडीएफ सदस्यों और सुरक्षाकर्मियों में तीखी नोंकझोंक हो गई। विपक्ष के विधायक देवस्वम मंत्री वी एन वासवन के इस्तीफे की मांग उठा रहे थे।

इस दौरान निगरानी कर्मियों के साथ हाथापाई हो गई। इतना ही नहीं विपक्षी विधायकों ने सदन के वेल में सत्तारूढ़ दल के सदस्यों के साथ तीखी बहस भी की। दरअसल, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ विधायक सोमवार से ही सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं और सबरीमाला मंदिर में 'द्वारपालक' मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने वाले आवरण के वजन में कमी से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर देवस्वम मंत्री वी एन वासवन के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं।

हंगामे के बाद प्रश्नकाल बीच में ही रद्द

इस बीच सदन में हंगामा जारी रहने पर विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर ने प्रश्नकाल बीच में ही रद्द कर दिया। बता दें कि विपक्षी विधायकों की हाथापाई उस वक्त शुरू हुई, जब सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी प्रश्नकाल के दौरान बोल रहे थे। अपने संबोधन में शिवनकुट्टी ने स्पीकर के आसन के सामने विपक्ष के प्रदर्शन और बैनर फहराने पर कड़ी नाराजगी जताई। इस बीच अचानक स्पीकर के आसन के चारों ओर खड़े निगरानी कर्मियों और सदन के आसन के पास धरना दे रहे यूडीएफ विधायकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। वहीं मंत्री शिवनकुट्टी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों ने निगरानी कर्मियों को मारा।

विधानसभा सत्र अस्थायी रूप से रद्द

हालांकि बाद में सत्ता पक्ष के सदस्य भी सदन के आसन के पास पहुंचे और विपक्षी विधायकों के साथ तीखी बहस शुरू कर दी, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र को अस्थायी रूप से रद्द करने की घोषणा की। बता दें कि सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामले में यूडीएफ पहले ही घोषणा कर चुका था कि जब तक मंदिर में कथित अनियमितताओं को लेकर देवस्वम मंत्री इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक वे सदन की कार्यवाही में सहयोग नहीं करेंगे।

लगातार तीसरे दिन से विपक्ष का हंगामा

विपक्ष ने लगातार तीसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान नारे लगाते हुए तख्तियों और बैनर के साथ सदन के आसन के सामने धरना भी दिया। सत्र शुरू होते ही विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने आरोप लगाया कि भगवान अयप्पा मंदिर की द्वारपालक मूर्तियों को ले जाकर बाहर बेच दिया गया है। उन्होंने कहा, हमारा निर्णय है कि जब तक देवस्वम मंत्री वी.एन वासवन इस्तीफा नहीं दे देते और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के सदस्यों को बाहर नहीं निकाल दिया जाता।

शिवसेना चुनाव चिन्ह विवाद

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान आज क्या-क्या हुआ?

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना चुनाव चिन्ह को लेकर 12 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। उद्धव ठाकरे की ओर से मामले की जल्द सुनवाई की मांग की गई। उद्धव ठाकरे की ओर से कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जनवरी में स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं। इससे पहले मामले की सुनवाई हो। पहले ही कई महीने बीत चुके हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि 12 नवंबर को सुनवाई करेंगे। जरूरत पड़ी तो 13 को भी सुनवाई जारी रखेंगे। उद्धव ठाकरे की शिवसेना बनाम एकनाथ शिंदे शिवसेना मामले में पार्टी और चुनाव निशान पर अधिकार को लेकर उद्धव ठाकरे की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने के चुनाव आयोग के फैसले को उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। चुनाव आयोग ने शिवसेना के नाम के साथ पार्टी का चुनाव चिह्न धनुष-बाण भी शिंदे गुट को आवंटित किया था। याचिका में दावा किया गया है कि निर्वाचन आयोग ने यह फैसला सुनाकर गलती की है। उद्धव ठाकरे की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शिंदे गुट को नोटिस जारी कर चुका है।

ईडी ने फैजल शेख और अल्फिया शेख के ड्रग नेटवर्क पर कसा शिकंजा

कई ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई में बुधवार सुबह ईडी ने एक बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की मुंबई ज़ोनल ऑफिस-आई टीम ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत शहर में 8 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी फैसल जावेद शेख और अल्फिया फैसल शेख के ड्रग नेटवर्क से जुड़ी है। ईडी को शक है कि दोनों ने नशे की बिक्री से भारी रकम कमाई और उसे मनी लॉन्ड्रिंग के ज़रिए सफेद करने की कोशिश की।

कुख्यात ड्रग सप्लायर सलीम डोला से खरीदता था मेफेड्रोन

जांच में सामने आया है कि फैसल शेख एमडी (मेफेड्रोन) नाम का खतरनाक नशा कुख्यात ड्रग सप्लायर सलीम डोला से खरीदता था। सलीम डोला ड्रग तस्करी की दुनिया का बड़ा नाम है और उस पर पहले से ही कई केस दर्ज हैं।

सलीम डोला लंबे समय से है फरार

एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने भी सलीम डोला की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया हुआ है, क्योंकि वह लंबे समय से फरार है और अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क को फंडिंग करने में शामिल रहा है। ईडी की टीमें फिलहाल उन ठिकानों पर जांच कर रही हैं, जहां ड्रग मनी और उससे जुड़ी संपत्तियों के सबूत मिलने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, इस नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपए की अवैध कमाई को वैध दिखाने की कोशिश की गई थी।

सलीम डोला दाऊद इब्राहिम का करीबी

यह कार्रवाई मुंबई में नशे और हवाला के गहरे रिश्ते को उजागर करने वाली एक बड़ी कड़ी मानी जा रही है। बता दें कि सलीम डोला दाऊद इब्राहिम का करीबी है। इसे जून में भारतीय जांच एजेंसियां दुबई से प्रत्यर्पण कर भारत लाया था।

ईडी ने अभिनेताओं एवं कई एजेंट से जुड़े परिसरों पर छापे मारे

वहीं, ईडी ने भूटान से भारत में लक्जरी वाहनों की कथित तस्करी से संबंधित हाल के एक सीमा शुल्क मामले की जांच के तहत केरल में अभिनेताओं पृथ्वीराज, दुलकर सलमान और अमित चक्कलकल तथा कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर बुधवार को छापेमारी की। ईडी ने इस दौरान एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझिकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम और कोयंबटूर के कुछ वाहन मालिकों, ऑटो वर्कशॉप और व्यापारियों के परिसरों पर भी छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि कुल 17 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। यह कार्रवाई सीमा शुल्क विभाग द्वारा हाल में उजागर किए गए एक मामले में विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है।

समीर वानखेड़े की याचिका पर दिल्ली एचसी में सुनवाई

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े की ओर से दायर मानहानि की याचिका पर बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने वेब सीरीज में कथित मानहानि के मामले में शाह रुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स को नोटिस जारी किया है। बता दें कि समीर वानखेड़े ने आरोप लगाया गया कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान द्वारा निर्देशित नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में कथित रूप से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया है।

7 दिनों के भीतर देना होगा जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स को सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने याचिकाकर्ता से सभी प्रतिवादियों को याचिका की एक प्रति उपलब्ध कराने को भी कहा है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

बैंक फ्रॉड केस में ईडी का 3 ठिकानों पर एक्शन

10.95 करोड़ की गड़बड़ी का खुलासा

अहमदाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बैंक फ्रॉड से जुड़े एक बड़े मामले में एक साथ तीन जगहों पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शिकायत पर सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। जांच एजेंसी को शक है कि कुछ फर्मों ने फर्जी दस्तावेज़ों का इस्तेमाल कर बैंक से मोटी रकम उधार ली और फिर उसे अन्य जगहों पर ट्रांसफर कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की टीम ने अहमदाबाद जोन में 3 कंपनियों एम/एस श्री ओम फैब, एम/एस श्री बाबा टेक्सटाइल और एम/एस श्री लक्ष्मी फैब के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। ये तीनों फर्में रंजीत कुमार जे. लूनिया की प्रोप्राइटरशिप बताई जा रही हैं। बताया जा रहा है कि ये फर्में ग्रे कपड़े के ट्रेडिंग बिजनेस में शामिल हैं, लेकिन बैंक से कैश क्रेडिट सुविधा लेने के लिए इन्होंने फर्जी दस्तावेजो का इस्तेमाल किया था।

कैसे हुआ फ्रॉड

ईडी के सूत्रों के अनुसार, इन फर्मों ने बैंक से कर्ज पाने के लिए गलत अकाउंट स्टेटमेंट, फर्जी इनवॉइस और अन्य झूठे दस्तावेज जमा कराए। बैंक से मिले पैसे को असली बिजनेस में लगाने के बजाय दूसरी कंपनियों और खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। अब तक की जांच में करीब 10.95 करोड़ रुपये की रकम को "अपराध की आय" यानी अपराध से कमाई गई रकम के तौर पर चिन्हित किया गया है।

ईडी को मिले अहम सबूत

छापेमारी के दौरान ईडी की टीम ने फर्मों के दफ्तरों और गोदामों से कई अहम दस्तावेज, कंप्यूटर डाटा और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि बैंक से ली गई रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई और उसे आगे कहां इस्तेमाल किया गया।

ईडी की टीमें फिलहाल इन कंपनियों के फाइनेंशियल ट्रेल और लेनदेन के रूट का बारीकी से विश्लेषण कर रही हैं। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने फर्मों पर कर्ज की रकम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। बैंक ने कहा कि कंपनियों ने कर्ज की रकम लौटाने के बजाय उसे निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की, जिसके बाद मामला ईडी के पास पहुंचा और बुधवार को एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की।

पुलिस की अहम कार्रवाई 10 अवैध बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की फॉरेन सेल की कार्रवाई में दिल्ली के शालीमार बाग और महेन्द्रा पार्क इलाके से 10 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी ट्रांसजेंडर हैं और उनके पास से सात स्मार्टफोन और 10 बांग्लादेशी नेशनल आईडी बरामद की गई हैं।

दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि हाइदरपुर मेट्रो स्टेशन और नई सब्जी मंडी इलाके में कुछ संदिग्ध लोग घूम रहे हैं। तुरंत ही विदेशी शाखा की टीम ने इलाके में कड़ी निगरानी और गश्त शुरू की। कार्रवाई के दौरान आठ लोगों को शालीमार बाग और दो को महेन्द्रा पार्क से पकड़ा गया। पहले तो उन्होंने भारतीय होने का दावा किया, लेकिन पुलिस जांच और डिजिटल सबूतों के सामने उनकी असली पहचान उजागर हो गई।

करूर भगदड़ मामले में कल होगी सुनवाई

स्वीकार हुई अभिनेता विजय की पार्टी की याचिका

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिल अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई पर सहमति जताई है। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 10 अक्तूबर की तारीख मुकर्रर की है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका पार्टी के महासचिव आधव अर्जुना ने दाखिल की। इसमें करूर भगदड़ हादसे की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले स्वतंत्र जांच पैनल से कराने की मांग की गई है। याचिका को अधिवक्ता दीक्षा गोहिल, प्रांजल अग्रवाल और यश एस विजय के माध्यम से दायर की गई है।

इसमें मद्रास हाईकोर्ट के तीन अक्तूबर के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें अदालत ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि हाईकोर्ट ने खुद अपने आदेश में पुलिस जांच की स्वतंत्रता पर संदेह व्यक्त किया था, फिर भी उसने केवल तमिलनाडु पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बनी एसआईटी को जांच की जिम्मेदारी दे दी, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।

पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा का निधन, 11 दिन पहले हुआ था एक्सीडेंट

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाबी गायक और एक्टर राजवीर जवंदा का बुधवार को मोहाली में निधन हो गया। 27 सितंबर को हिमाचल में उनका एक्सीडेंट हुआ था। कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद बुधवार को मोहाली के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

35 वर्षीय लोकप्रिय गायक राजवीर शिमला जा रहे थे, तभी आवारा मवेशियों के कारण उनकी मोटरसाइकिल पर से नियंत्रण खो गया और बद्दी के पास उनका एक्सीडेंट हो गया। इस दुर्घटना में जवंदा को गंभीर चोटें आईं। मोहाली ले जाने से पहले, जवंदा को सोलन के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें रविवार तड़के बेहद गंभीर हालत में मोहाली के एक निजी अस्पताल लाया गया था।

रात 3 बजे हैवान बन गई पत्नी

पहले खौलता तेल फिर तड़पते पति पर लाल मिर्च फेंका

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के आंबेडकर नगर इलाके में एक पत्नी ने बर्बरता की हदें पार कर दीं। महिला ने अपने पति पर खौलता हुआ तेल डालने के बाद उसके जख्मों पर लाल मिर्च पाउडर छिड़क दिया। पीड़ित की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है और वह इस समय सफदरजंग अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी की जंग लड़ रहा है।

पीड़ित युवक दिनेश कुमार (28) दक्षिणी दिल्ली के मदनगीर इलाके में किराए के मकान में पत्नी साधना और एक छोटी बेटी के साथ रहता है। वह एक फार्मा कंपनी में नौकरी करता है। पुलिस को दिए अपने बयान में दिनेश ने बताया कि 2 अक्टूबर की रात ड्यूटी से लौटने के बाद वे सामान्य रूप से खाना खाकर सो गया था। उसकी पत्नी और बेटी भी बगल में ही सो रही थी। युवक ने बताया कि रात करीब 3:15 बजे उसकी पत्नी ने उस पर खौलता हुआ तेल डाल दिया है। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, साधना ने उसके जख्मों पर लाल मिर्च पाउडर छिड़क दिया। दर्द से तड़पते दिनेश की चीखें सुनकर मकान मालिक ऊपर पहुंचे और तुरंत दिनेश के जीजा रामसागर को फोन कर घटना की जानकारी दी। रामसागर तुरंत मौके पर पहुंचे और दिनेश को मदन मोहन मालवीय अस्पताल लेकर गए, जहां से हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस ने तीन अक्टूबर को दिनेश के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि यह मामला गंभीर घरेलू हिंसा का प्रतीत होता है और हर एंगल से जांच की जा रही है। दिनेश ने बताया कि साधना से शादी आठ साल पहले हुई थी। दो साल पहले उसने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, हालांकि बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया था। वर्तमान में भी साधना ने सीएडब्ल्यू (महिलाओं के खिलाफ अपराध) सेल में शिकायत दी हुई है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 80 साल के बुजुर्ग से ठगी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने डिजिटल गिरफ्तारी फ्रॉड के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक 80 साल के रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी को धमकाकर करीब 42.49 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने आरोपियों के खातों से 8.49 लाख रुपये की रकम ट्रेस की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेंद्र कुमार वैष्णव, विशाल कुमार और श्याम दास, सभी निवासी पाली, राजस्थान, के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बुजुर्ग को अज्ञात व्हाट्सएप नंबरों से कॉल आई जिसमें कॉल करने वालों ने खुद को ईडी और सीबीआई अधिकारी बताया।

उन्होंने बुजुर्ग पर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का झूठा आरोप लगाकर घंटों तक फोन पर रोके रखा। डर के माहौल में पीड़ित से व्यक्तिगत जानकारी, बैंक डिटेल और पैसे ट्रांसफर करवा लिए गए। जांच में खुलासा हुआ हैं।

कोर्ट को डराने की साजिश

अरविंद केजरीवाल ने कहा- सीजेआई पर जूता फेंकने वाले को मिले सख्त सजा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस पर हमला करने वाला विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। देश भर के लोगों ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। इसी मामले को लेकर आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जस्टिस गवई ने इस मामले को छोड़ देने और उन पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का फैसला किया। यह वास्तव में उनकी महानता है। केजरीवाल ने कहा कि इस घटना ने पूरे कोर्ट को एक भयावह संदेश दिया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने वाला कोई भी बच सकता है, तो क्या फिर बाकी जज सुरक्षित हैं?

कोर्ट को करनी चाहिए कार्रवाई

आप प्रमुख ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि जिस तरह से चीफ जस्टिस गवई का सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों द्वारा बेखौफ मजाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि पूरी घटना कोर्ट को डराने-धमकाने और उसे अपने अधीन करने की एक पूर्व नियोजित और व्यवस्थित कोशिश लगती है। कोर्ट को इन गुंडों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोर्ट ऐसा नहीं करता है, तो इसका असर और स्वतंत्रता दोनों कम हो जाएंगे। केजरीवाल ने इसके आगे कहा कि चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाला व्यक्ति, धमकाने वाला व्यक्ति और उनका मज़ाक उड़ाने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी कोर्ट या जज के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके।

आप नेताओं ने जताई सहमति

आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने अरविंद केजरीवाल की पोस्ट पर सहमति जताई और चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा मनीष सिसोदिया ने भी केजरीवाल के ट्वीट को रिशेयर करते हुए लिखा कि अगर आज सीजेआई पर जूता फेंकने वाले और सोशल मीडिया पर उन्हें धमकाने वाले बच निकलेंगे, तो कल कोई भी जज सुरक्षित नहीं रहेगा। ऐसे हमलों पर कठोर और उदाहरण बनने वाली सजा जरूरी है, वरना न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता दोनों खतरे में पड़ जाएंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील राकेश किशोर ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया।

हालांकि कोर्ट में मौजूद पुलिस ने उसे रोक लिया था। कोर्ट में वकील "सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेंगे" के नारे लगा रहा था। वहीं चीफ जस्टिस ने इस पूरी घटना को नजरअंदाज करके कोर्ट में शांति बनाए रखने की अपील है। इतना ही नहीं, उन्होंने जूता फेंकने वाले व्यक्ति को भी माफ कर दिया और उसके खिलाफ कोई एक्शन न लेने का निर्णय लिया।

दिल्ली से चीन भेजी जा रही लाल चंदन की 10 टन सिल्लियां पकड़ीं, दो गिरफ्तार; माल की कीमत करीब 6 करोड़

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व जिले की एसटीएफ ने 10 टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हैं। आरोपियों के कब्जे से जब्त की गई लकड़ियों की कीमत करीब छह करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चंदन की ये लकड़ियां चीन व अन्य देशों में भेजी जानी थी। दक्षिण-पूर्व पुलिस उपायुक्त डॉ। हेमंत तिवारी ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि चंदन की लकड़ी आंध्र प्रदेश के तिरुपति से तस्करी कर चीन और अन्य दक्षिण एशियाई देशों को भेजने के लिए लाई गई थी।

बताया कि यह अभियान अगस्त में तिरुपति से चुराई गई लाल चंदन की लकडिय़ों के बारे में आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। डॉ। तिवारी ने बताया कि चोरी के संबंध में तिरुपति में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों ने खुलासा किया कि चोरी की गई लकडिय़ां दिल्ली ले जाई गई हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आंध्र प्रदेश खुफिया इकाई की टीम ने सोमवार को तुगलकाबाद स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान करीब 9,500 किलोग्राम लाल चंदन की लकडिय़ां बरामद की गईं और दो लोगों हैदराबाद के इरफान और मुंबई के ठाणे के अमित संपत पवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

मध्य प्रदेश कफ सिरप कांड की जांच गुजरात तक पहुंची

संदेह के घेरे में आईं दो कंपनियां उत्पादन रोकने का आदेश

अहमदाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कफ सिरप कांड में चल रही जांच अब गुजरात तक पहुंच गई है। संदेह के घेरे में दो कंपनियां आई हैं जिनकी जांच की जा रही है। इस बीच सरकार ने इन दोनों कंपनियों को उत्पादन रोकने का आदेश दे दिया है। दरअसल, मध्य प्रदेश सिरप कांड में सुरेंद्रनगर की एक फार्मा कंपनी की सिरप इस्तेमाल की गई थी। दिल्ली से आई एक टीम ने इसकी जांच की और पाया कि मध्य प्रदेश में बच्चों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कफ सिरप का संबंध गुजरात से है। इस संबंध में गांधीनगर औषधि विभाग ने अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर की दो कंपनियों में जांच की। औषधि विभाग की जांच में पता चला कि सुरेंद्रनगर पे फार्मा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कच्चा माल मध्य प्रदेश की एक कंपनी को दिया था। हालांकि कंपनी के मालिक इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर रहे हैं। वहीं गांधीनगर औषधि विभाग द्वारा आगे की जांच की जा रही है। कफ सिरप में डीईजी की मात्रा अधिक पाई गई। अब इन कंपनियों को

मध्य प्रदेश प्रशासन ने गुजरात सरकार को सूचित किया था कि कफ सिरप के 10 नमूने मानक के अनुरूप नहीं थे। पता चला है कि ये नमूने अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर स्थित दो दवा कंपनियों के थे। केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू कर दी है। गांधीनगर खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन आयुक्त ने सार्वजनिक चेतावनी जारी करते हुए दोनों कंपनियों द्वारा निर्मित सिरप की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

राज्य में बिकने वाले कफ सिरप, किस कंपनी और किस ब्रांड के सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) की मात्रा ज़्यादा है, यह पता नहीं चल पाया है। गुजरात खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की एक संयुक्त टीम ने इन दोनों कंपनियों का गहन निरीक्षण किया। गुजरात में कुल 624 लाइसेंस प्राप्त तरल दवा निर्माता कंपनियां हैं, जो राज्य के भीतर और बाहर अधिकृत वितरकों के माध्यम से अपने उत्पादों की आपूर्ति करती हैं।

फेसबुक लाइव आकर शख्स ने किया सुसाइड का प्रयास, पत्नी बोली ड्रामा कर रहा है पति

बेंगलूरू, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक पारिवारिक विवाद ने उस समय एक चौंकाने वाला मोड़ ले लिया जब एक व्यक्ति ने फेसबुक लाइव के दौरान अपनी पत्नी और उसके रिश्तेदारों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना जयनगर थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक, सलमान पाशा नामक व्यक्ति ने सुसाइड करने की कोशिश की। वह कुवैत में हाइड्रोलिक मैकेनिक का काम करता है। वह अभी हाल में ही कुवैत से भारत लौटा था। सलमान पाशा ने चार साल पहले सैयद निखत फिरदौस से शादी की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह जोड़ा दो साल तक खुशी-खुशी रहा, लेकिन जब सलमान काम के सिलसिले में विदेश चला गया और उसकी पत्नी गर्भवती थी। इसके बाद दोनों के बीच मतभेद पैदा हो गए। विवाद के बाद निखत कथित तौर पर अपने

मायके चली गई और दंपति के बीच विवाद शुरू हो गया। सुसाइड की कोशिश से पहले बनाए गए वीडियो में सलमान ने अपनी पत्नी, उसके परिवार और उसके रिश्तेदार, एआईएमआईएम के तुमकुरु जिला अध्यक्ष सैयद बुरहान उद्दीन पर मानसिक उत्पीड़न और पैसे के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के बुरहान उद्दीन के साथ अवैध संबंध हैं और विदेश से लौटने के बाद भी उन्हें अपने दोनों बच्चों से मिलने नहीं दिया गया। एक भावुक फेसबुक लाइव वीडियो में सलमान ने महिला पुलिस थाने पर अपनी पत्नी के परिवार का पक्ष लेने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें पहले भी उनके खिलाफ दर्ज एक झूठे मामले में जेल भेजा जा चुका है। इसके तुरंत बाद, उन्होंने आत्महत्या का प्रयास किया और उन्हें तुमकुरु जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सलमान के परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद सलमान की पत्नी, सैयद निखत फिरदौस ने सभी आरोपों का खंडन किया और उन्हें झूठा और मनगढ़ंत बताया। पत्नी ने कहा कि सहानुभूति पाने के लिए उसका पति ड्रामा कर रहा है। पुलिस ने कहा कि जांच चल रही है और आगे की कार्रवाई से पहले दोनों पक्षों के बयानों की पुष्टि की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 9 अक्टूबर, 2025

सुविचार

इस दुनिया में ज्यादातर पति, पहले इश्क़ में हारे हुए लड़के होते हैं

केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा : आरवी कर्णन

पार्टियों को उम्मीदवारों का आपराधिक इतिहास बताना होगा

शेखपेट तहसीलदार कार्यालय में रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय स्थापित

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने राजनीतिक दलों और प्रतिनिधियों से केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों और नियमों का पालन करने का आग्रह किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जुबली हिल्स उपचुनाव स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से हो।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी.कर्णन के नेतृत्व में जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के कार्यक्रम की जानकारी दी। पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें आदर्श आचार संहिता के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने कहा कि इस महीने की 6 तारीख को चुनाव कार्यक्रम जारी होने के तुरंत बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई।

उन्होंने तुरन्त ही जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में सरकारी और निजी संपत्तियों पर लगे राजनीतिक दलों के बैनर और पोस्टर हटाने शुरू कर दिए।

राजनीतिक दलों और प्रतिनिधियों को चुनाव आचार संहिता के अनुरूप ही चुनाव प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए आदर्श आचार संहिता जारी की है। दलों और प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किए बिना अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर कोई भी राजनीतिक विज्ञापन नहीं लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि निजी संपत्तियों पर प्रचार संबंधी विज्ञापन लगाने पर अनुमति लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पहले ही बिना अनुमति के विज्ञापन हटाए जा चुके हैं, वहां दोबारा प्रचार संबंधी विज्ञापन हटाए जाएंगे और दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि संबंधित खर्च जिम्मेदार दलों के खातों में जमा किया जाएगा। राजनीतिक दलों को अपने प्रचार विज्ञापनों के लिए एमसीएमसी से अनुमति लेनी होगी।

उन्होंने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर का कार्यालय शेखपेट तहसीलदार कार्यालय में स्थापित किया गया है उन्होंने बताया कि इस महीने की 13 तारीख से नामांकन पत्र स्वीकार किए जाएँगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रहे, इसके लिए केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएँगे। चुनाव नियमों के अनुसार, मतदाताओं को मोबाइल फोन के साथ मतदान केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसके लिए मोबाइल जमा काउंटर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान केंद्र पर वोट डालने से पहले अपने मोबाइल फोन निर्धारित काउंटर पर जमा कराने होंगे। हैदराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त तफ़सीर इकबाल ने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आदर्श आचार संहिता का पालन करें। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शी माहौल में होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने में पुलिस तंत्र पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए चुनाव प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस की मदद की जरूरत होगी, तो संपर्क करने पर वे तुरंत मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि नामांकन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। अतिरिक्त चुनाव आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, डीसीपी अपूर्व राव, रिटर्निंग ऑफिसर पी साईराम और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के. नंदेश कुमार (बीएसपी), कोल्लूर पवन कुमार, एल. दीपक (बीजेपी), विजय मल्लांगी (एएपी), एम. श्रीनिवास राव (सीपीआई-एम), पी. राजेश कुमार, मोहम्मद वाजिद हुसैन, जी.. राघवेंद्र (कांग्रेस), ए. श्रीनिवास गुप्ता, के. माधव, किशोर गौड़ (बीआरएस), प्रशांत राज यादव (टीडीपी), सैयद खलीलुद्दीन (एआईएमआईएम) और बैठक में अन्य लोग मौजूद थे।

रास्ता विवाद के चलते किसान ने आत्महत्या की

मेदक, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हवेलीघनपुर मंडल के वादी गांव में एक किसान, गुडिपल्ली सुभाष रेड्डी (44), ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने रिश्तेदारों पर उनके घर तक जाने वाले रास्ते को अवरुद्ध करने का आरोप लगाया।

पुलिस के अनुसार, सुभाष ने प्रतिद्वंदी परिवार के कथित उत्पीड़न को सहन न कर पाने के कारण कीटनाशक पी लिया। उन्होंने अधिकारियों से बार-बार संपर्क करने के बावजूद समस्या का समाधान न होने की बात कही। 3 अक्टूबर को आत्महत्या का प्रयास करने से पहले सुभाष ने एक ऑडियो संदेश रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अनुरोध किया कि उसका अंतिम संस्कार विवादित रास्ते से होकर किया जाए और अधिकारियों से उसके परिवार के लिए रास्ता खोलने की अपील की। सुभाष ने संदेश में गुडिपल्ली जीवन रेड्डी, उनकी पत्नी विनोदा, उनके बेटे राजेश और जीवन के भाइयों का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने रास्ता रोककर उन्हें परेशान किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईएमसी 2025 में तेलंगाना के टी-फाइबर पायलट गाँवों को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में सराहा गया

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में, तेलंगाना के अग्रणी टी-फाइबर पायलट गाँवों को उनकी डिजिटल समावेशन सफलता के लिए राष्ट्रीय मान्यता मिली।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने इस पहल को "अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श" बताया और ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिए राज्य के अभिनव दृष्टिकोण के लिए तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू को बधाई दी। केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना के इस प्रदर्शन की सराहना की कि कैसे अंतिम छोर तक फाइबर कनेक्टिविटी ग्रामीण समुदायों को बदल सकती है और राज्य को टी-फाइबर मॉडल को अपनाने में अन्य राज्यों को सहयोग देने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने तेलंगाना को देश भर में और अधिक पायलट गाँव स्थापित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

केंद्रीय संचार मंत्री की अध्यक्षता और संचार राज्य मंत्री की सह-अध्यक्षता में आयोजित आईटी मंत्रियों के गोलमेज सम्मेलन में भाग लेते हुए, श्रीधर बाबू ने भारतनेट कार्यान्वयन में तेजी लाने, राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) चुनौतियों का समाधान करने और राष्ट्रीय एवं राज्य डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा हेतु साइबर सुरक्षा ढाँचे को मजबूत करने के लिए केंद्र के साथ साझेदारी करने की तेलंगाना की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीधर बाबू ने कहा, "डिजिटल समानता समावेशी विकास की नींव है। तेलंगाना ग्रामीण-शहरी विभाजन को पाटने और भविष्य के लिए एक सुदृढ़ डिजिटल बुनियादी ढाँचा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

उन्होंने राज्य की प्रमुख ब्रॉडबैंड पहल टी-फाइबर के तहत हुई प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य प्रत्येक घर, संस्थान और उद्यम को उच्च गति कनेक्टिविटी प्रदान करना है। मंत्री के साथ टी-फाइबर के प्रबंध निदेशक वेणु प्रसाद पन्नीरू भी थे, जिन्होंने राज्य की सफलता की कहानियाँ और पायलट गाँवों से प्राप्त डेटा-संचालित परिणाम प्रस्तुत किए। तेलंगाना ने दिखाया कि कैसे उसका फाइबर-टू-द-होम (FTTH) नेटवर्क नागरिकों को ई-गवर्नेंस, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल उद्यमिता सेवाओं तक पहुँच प्रदान कर रहा है। राज्य के इस मॉडल को डिजिटल इंडिया और भारतनेट चरण III के साथ प्रभावी डिजिटल गवर्नेंस के एक उदाहरण के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया।

रिश्वत लेते पकड़े गए डीसीए के दो अधिकारी और एक निजी कर्मचारी

करीमनगर, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार रात औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के दो अधिकारियों और एक निजी कर्मचारी को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, सहायक निदेशक मरियाला श्रीनिवासुलु और ड्रग्स इंस्पेक्टर कार्तिक भारद्वाज ने एक मेडिकल दुकान से वार्षिक निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। दुकान मालिक ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए एसीबी में शिकायत की। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया और निजी कर्मचारी पुल्लुरी रामू को शिकायतकर्ता से पैसे लेते हुए पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर दोनों अधिकारियों को भी चैतन्यपुरी स्थित उनके कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया।

पारिवारिक विवाद में पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला के वेंकटन्नागुडा में मंगलवार रात एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी अलग रह रही दूसरी पत्नी रजिता की हत्या कर दी। मृतक तीन साल पहले पति वी जंगैया से अलग हो गई थी।

जानकारी के अनुसार, जंगैया ने सोमवार को रजिता को वेंकटन्नागुडा बुलाया और गाँव के बुजुर्गों की मौजूदगी में उससे सुलह करने का प्रयास किया, जिसे रजिता ने अस्वीकार कर दिया। मंगलवार को नशे की हालत में जंगैया ने दुपट्टे से रजिता का गला घोंट दिया और उसकी छाती पर सीमेंट की पटिया से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके बाद जंगैया ने कथित तौर पर रजिता के शव की तस्वीरें अपनी पहली पत्नी को भेजीं और पुलिस को आत्मसमर्पण करने से पहले गांव के सरपंच को घटना की जानकारी दी। चेवेल्ला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कृषिमंत्री ने केंद्र से घोषित समर्थन मूल्यों पर मक्का और ज्वार की खरीद करने की मांग की

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने आज केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का तेलंगाना के किसानों की ओर से 'कपास खरीद' को लेकर राज्य की चिंताओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए आभार व्यक्त किया। मंत्री ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के प्रतिनिधियों के साथ तीन बार चर्चा की है और व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय मंत्री के ध्यान में यह मामला लाया है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र ने नए खरीद नियम बनाने से पहले राज्यों की राय ली होती, तो इस तरह के गतिरोध उत्पन्न नहीं होते। तुम्मला ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों के कारण अब जिनिंग मिलें निविदाओं में भाग लेने के लिए आगे आई हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना के किसान फसल की खेती और उत्पादकता दोनों के मामले में देश के लिए आदर्श बन गए हैं।

तेलंगाना में कपास की खेती मुख्यतः हल्की मिट्टी पर की जाती है और उच्च घनत्व वाली कपास की खेती वर्तमान में कई जिलों में पायलट आधार पर की जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कपास खरीद के लिए समर्थन न देने के आरोपों को 'पूरी तरह से झूठ' बताते हुए खारिज कर दिया। केंद्र द्वारा घोषित वर्तमान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की आलोचना करते हुए, मंत्री ने कहा कि यह किसानों द्वारा वहन की जाने वाली वास्तविक खेती लागत को नहीं दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान एमएसपी 2021 और 2022 के दौरान किसानों द्वारा निजी तौर पर कपास बेचने की कीमतों से कम है। उन्होंने आगे कहा, "2010 में भी, कीमत 6,000 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुँच गई थी। पिछले एक दशक में उत्पादन लागत में तीव्र वृद्धि को देखते हुए, वर्तमान समर्थन मूल्य उचित नहीं है।" तुम्माला ने केंद्र से घोषित समर्थन मूल्यों पर मक्का और ज्वार की खरीद करने की अपील की और किशन रेड्डी से इस संबंध में पहल करने का अनुरोध किया।

उन्होंने आगे कहा, "यह पूरी तरह से गलत है कि राज्य कपास खरीद का समर्थन नहीं कर रहा है। हमने मौजूदा बाधाओं को दूर करने के लिए जिनर्स और सीसीआई प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की हैं। अब, सीसीआई को निविदाओं, जिनिंग मिलों के साथ समझौतों और अधिसूचनाओं जैसी प्रक्रियाओं में तेज़ी लानी चाहिए ताकि शीघ्र खरीद सुनिश्चित हो सके।"

आग लगाकर की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 30 वर्षीय एम नरेंद्र ने बुधवार को ईसीआईएल के एक होटल के कमरे में कथित तौर पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उन्होंने यह कदम वित्तीय कठिनाइयों और शेयर बाजार में हुए नुकसान के कारण उठाया। नरेंद्र पहले एर्रागड्डा की एक निजी फर्म में सेल्स एक्जीक्यूटिव के रूप में काम करते थे और अपने पिता के निधन के बाद अपनी मां के साथ रह रहे थे। कुशाईगुड़ा पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

नकदी और शराब के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

पंजागुट्टा से 4 लाख रुपये और 9 शराब की बोतलें जब्त

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव से संबंधित वाहन जांच के दौरान हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को पंजागुट्टा में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से 4 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी और नौ शराब की बोतलें जब्त की गईं। बताया गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति शहर में एक रियल एस्टेट फर्म में कार्यरत है और कार में नकदी और शराब ले जा रहा था। नकदी के स्रोत के बारे में पूछताछ पर वह संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहा। पुलिस ने आगे की कार्रवाई के लिए नकदी आयकर अधिकारियों को सौंप दी है।

गैर-डॉक्टर अधिकारियों को अस्पताल प्रशासन सौंपने के प्रस्ताव का विरोध

एसोसिएशन ने की डॉक्टर-प्रधान प्रशासन और पेशेवर प्रशिक्षण की मांग

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पब्लिक हेल्थ डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीपीएचडीए) ने राज्य सरकार के उस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है जिसमें सरकारी अस्पतालों का प्रशासन ग्रुप-I के उन अधिकारियों को सौंपने का सुझाव है जो डॉक्टर नहीं हैं। टीपीएचडीए, जो राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों में वरिष्ठ डॉक्टरों और रेजिडेंट्स का प्रतिनिधित्व करता है, ने कहा कि केवल डॉक्टर ही मरीजों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक जरूरतों को सही ढंग से समझ सकते हैं और सहानुभूति के साथ निर्णय ले सकते हैं।

एसोसिएशन ने कहा कि विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में अपनाई गई अस्पताल प्रशासन नीतियों का अध्ययन करके ही निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि भोरे समिति ने अस्पताल प्रशासन का नेतृत्व डॉक्टरों द्वारा करने की सिफारिश की थी, जैसा कि एम्स में भी अपनाया गया है। टीपीएचडीए ने कहा कि डॉक्टरों के प्रशासनिक अधिकारों में कटौती नहीं की जानी चाहिए। इसके बजाय, अस्पताल प्रशासन को पेशेवर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सरकारी शिक्षण अस्पतालों में पीजी पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्राप्त अस्पताल प्रशासन विभाग स्थापित करने और अस्पताल प्रशासन में रुचि रखने वाले डॉक्टरों को एमडी अस्पताल प्रशासन जैसे पाठ्यक्रम करने के लिए प्रोत्साहित करने की मांग की।

ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग में भारत सरकार द्वारा प्रमाणित पाठ्यक्रम

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल एकेडमी ऑफ साइबर सिक्योरिटी ने तेलंगाना के योग्य उम्मीदवारों से साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग में भारत सरकार द्वारा प्रमाणित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अकादमी साइबर सुरक्षा अधिकारी, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और मास्टर प्रोग्राम सहित कई पाठ्यक्रम प्रदान कर रही है। पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से एक वर्ष तक है और सफल उम्मीदवारों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र मिलेगा। इंटरमीडिएट, डिप्लोमा, डिग्री, इंजीनियरिंग या पीजी की योग्यता वाले आवेदक आवेदन करने के पात्र हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करना है, जिससे वे भारत और विदेशों में साइबर सुरक्षा अधिकारी, सूचना अधिकारी और सुरक्षा विश्लेषक जैसी भूमिकाओं में कैरियर बना सकेंगे।

सड़कों पर बारिश ने बनाया ड्राइविंग को चुनौतीपूर्ण

जीएचएमसी ने गड्ढों की मरम्मत युद्धस्तर पर की शुरू

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस मानसून में हैदराबाद की सड़कें लगातार हो रही बारिश और बुरी तरह क्षतिग्रस्त संरचना के कारण चालक और पैदल यात्रियों के लिए चुनौती बन गई हैं। टूटी हुई सतहें, गड्ढे और दरारें मुख्य मार्गों से लेकर आंतरिक सड़कों तक देखने को मिल रही हैं, जिससे बाइक, कार और ऑटो चलाना मुश्किल हो गया है। तकनीकी विशेषज्ञों ने कहा कि यदि नगर निगम ने समय पर तैयारी की होती तो यह स्थिति नहीं बनती। माधापुर के अभिषेक चौधरी ने अफसोस जताया, जबकि मधुसूदन रेड्डी ने बताया कि फिसलती सड़क पर उनकी बाइक गिर गई और घुटने में चोट लगी।

जीएचएमसी ने खराब सड़कों से निपटने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत अभियान शुरू किया है। 6 अक्टूबर तक 12,788 गड्ढे भरे गए, जिनमें से 192 गड्ढे उसी दिन भरे गए। हालांकि, मुख्य सड़कों और आंतरिक गलियों में और भी गड्ढे मौजूद हैं। लगातार बारिश और मरम्मत के लिए पर्याप्त समय न मिलने के कारण सड़क की सतह को समतल करने में अधिक समय लग सकता है, जिससे आरामदायक ड्राइविंग सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

गड्ढे में गिरने से किशोर की मौत

राजन्ना-सिरसिला, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोनाराओपेट मंडल के ममिडिपल्ली और वेमुलावाड़ा ग्रामीण मंडल के हनुमाजीपेट के बीच सड़क पर बने गड्ढे में गिरने से 22 वर्षीय अल्लेपु हरीश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी और मंगलवार को सिद्दीपेट के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

स्थानीय किसानों ने जलाशयों से पानी खींचने के लिए पहले सड़क पर खुदाई कर पाइपलाइन बिछाई थी। हालांकि बाद में गड्ढों को मिट्टी से भर दिया गया था, लेकिन बारिश और भारी वाहनों के कारण फिर से गड्ढे बन गए। हरीश 3 अक्टूबर को ममीडिपल्ली अपने रिश्तेदारों से मिलने गए थे और बाइक से जाते समय गलती से गड्ढे में गिर गए। पीड़ित के माता-पिता की शिकायत के बाद वेमुलावाड़ा ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यातायात पुलिस का गलत दिशा में वाहन चलाने के विरुद्ध विशेष अभियान

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा हैदराबाद यातायात पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमित यातायात नियमन और प्रवर्तन के अलावा, हैदराबाद यातायात पुलिस शहर की सड़कों को यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाने और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को कम करने के लिए विशेष अभियान चला रही है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद डी. जोएल डेविस ने कहा कि गलत दिशा में वाहन चलाना हैदराबाद में एक आम और खतरनाक चलन बन गया है। इससे न केवल यातायात जाम होता है, बल्कि उल्लंघनकर्ताओं और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं, दोनों की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा होता है। गलत दिशा में वाहन चलाना एक गंभीर यातायात उल्लंघन है और सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है, क्योंकि यह कानून का पालन करने वाले वाहन चालकों के लिए भ्रम और बाधा उत्पन्न करता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने और समग्र सड़क अनुशासन में सुधार के लिए, हैदराबाद यातायात पुलिस "गलत दिशा में वाहन चलाने" वाले, यानी यातायात प्रवाह की दिशा के विपरीत वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चला रही है। अक्टूबर 2025 के पहले सप्ताह के दौरान, उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कुल 10,652 मामले दर्ज किए गए। उल्लंघनकर्ताओं को मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत दंडित किया जा रहा है।

हैदराबाद यातायात पुलिस, यात्रियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में शिक्षित करने के लिए विभिन्न यातायात शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। ज़िम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए नागरिकों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है। हम सभी वाहन चालकों से सड़क के गलत तरफ वाहन चलाने से बचने का आग्रह करते हैं, क्योंकि इससे न केवल उनकी अपनी बल्कि साथी यात्रियों की जान को भी खतरा होता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, N Vijaya Lakshmi, R/o, Vill& PO : Nagaram, Dist: Medchal -Malkajgiri, Telangana, changed my name from N Vijaya Lakshmi to Nelapati Vijayalakshmi, vide Affidavit dt 06.10.2025, before Court of Spl Judicial Magistrate at Hyderabad.

I, No.17002312N, NK, Chudasama Dhanrajsinh Gajendrasinh, R/o, Dist: Rajkot, Gujarat, changed my Daughter's name from Dikshitaba to Chudasama Dikshitaba Dhanrajsinh vide Affidavit dt 07.10.2025 before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Chudasama Gajendrasinh, Father of No.17002312N, NK, Chudasama Dhanrajsinh Gajendrasinh,R/o, Dist Rajkot, Gujarat, changed my name from Chudasama Gajendrasinh to Gajendrasinh Pratapsinh Chudasama, vide Affidavit dt 07.10.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अखिलेश यादव पर बरसे बीजेपी नेता संगीत सोम

पीडीए को बताया 'पाक डेवलेपमेंट अथॉरिटी'

मुजफ्फरनगर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बीजेपी के फायरब्रांड नेता और पूर्व विधायक संगीत सोम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में जन्मा हर व्यक्ति सनातनी है।

इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तीखा हमला किया। संगीत सोम ने इस दौरान सनातन धर्म, समाजवादी पार्टी की नीति और अखिलेश यादव की कार्यशैली पर सवाल उठाए। बीजेपी नेता संगीत सोम वाल्मीकि जयंती के मौके पर खतौली में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत में जन्मा हर व्यक्ति सनातनी है, सनातन के अलावा किसी की कोई और पहचान नहीं हो सकती है। संगीत सोम ने इस दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया पर भी ज़ोरदार हमला किया और कहा कि अखिलेश यादव और सपा के पास अब सिर्फ एकमात्र एजेंडा है, किसी भी तरह प्रदेश के सनातनियों को बांटना, उनकी आपस में लड़ाई करवाना और हिंदू-मुसलमानों को भिड़ाना।

अखिलेश यादव के बरेली दौरे पर टिप्पणी करते हुए संगीत सोम ने कहा सपा नेता वहां किसी का दुख बांटने नहीं, बल्कि माहौल बिगाड़ने जाते हैं। लेकिन, योगी सरकार में ये सब मुमकिन नहीं है। सोम ने सपा के पीडीए फॉर्मूले पर भी निशाना साधा और कहा कि समाजवादी पार्टी का 'पीडीए' असल में 'पाकिस्तान डेवलपमेंट अथॉरिटी' है।

जौहर यूनिवर्सिटी में आजम खां ने अखिलेश को रिसीव किया

फिर हाथ पकड़कर आवास पर पहुंचे

रामपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को आजम खान से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव का पहला बयान भी सामने आ गया है। अखिलेश ने कहा है कि आजम खान पर झूठे मुकदमे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी की बुनियाद हैं और सबसे पुराने नेता हैं। अखिलेश ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि बीजेपी झूठे मुकदमे का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है। आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद अखिलेश यादव पहली बार उनसे मिलने के लिए पहुंचे हैं। आजम खान को सपा का अहम मुस्लिम चेहरा माना जाता रहा है।

वह लंबे समय से डकैती और चोरी समेत विभिन्न आरोपों के 100 से अधिक मुकदमों में सीतापुर जेल में बंद थे। वह करीब 23 महीने के बाद वह पिछली 23 सितंबर को जमानत पर जेल से रिहा हुए थे। अखिलेश और आजम के बयान पर राजनीतिक रिएक्शन भी सामने आने शुरू हो गए हैं। राज्य सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- आजम खान को अखिलेश यादव पार्टी से किनारे करना चाहते थे इसलिए जेल में एक बार भी मिलने नहीं गए। 23 महीने में एक बार भी आखिर अखिलेश यादव को आजम खान की याद नहीं आई और अब चुनाव आते ही आजम खान की याद आई। इसलिए अखिलेश मजबूरन आजम खान से मिलने पहुंचे हैं। अखिलेश यादव को है डर कहीं आजम खान और शिवपाल मिलकर नई पार्टी न बना लें। समाजवादी पार्टी में आजम खान और शिवपाल सिंह यादव की अच्छी पकड़ है। अखिलेश को समाजवादी पार्टी के टूटने का है डर और आज इसी डर के कारण अखिलेश ने आजम खान से मुलाकात की है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज आजम खान से मिलने के लिए रामपुर पहुंचे हैं जिसको लेकर उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि उन्होंने बहुत देर कर दी है। आजम खान को जेल से छूटे हुए काफी समय हो गया है। आखिर इतनी देर की जाने की वजह क्या है?

पति ने गर्लफ्रेंड से पत्नी को बीच सड़क पिटवाया

कानपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के थाना महाराजपुर क्षेत्र अंतर्गत नरवल मोड़ पर बने होटल से रंगरेलियां मना कर प्रेमिका के साथ निकले पति को पत्नी ने रंगेहाथों पकड़ लिया। इस पर पत्नी ने बीच सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। इसी बीच पति ने पत्नी को थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद पत्नी ने प्रेमिका की बीच सड़क पर बाल नोचकर जमकर पिटाई कर दी। पति की गर्लफ्रेंड ने भी महिला का बाल पकड़कर मारा।

इस दौरान रोड पर भीड़ जुट गई और पति भी भीड़ के साथ खड़ाकर होकर तमाशा देखता रहा। दोनों महिलाओं के बीच करीब एक घंटे तक जमकर हाथापाई होती रही। दोनों एक-दूसरे के बाल नोचती रहीं। बीच सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामा होता देख राहगीरों की भीड़ लग गई। कुछ लोगों ने इस पूरी मारपीट का वीडियो भी बना लिया। बाद में लोगों ने मामला शांत कराकर पति को वहां से भगाया।

सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि पत्नी ने पति को एक थप्पड़ लगाया तो उसकी प्रेमिका नाराज हो गई। इस पर महिला ने पति की प्रेमिका को भी एक थप्पड़ लगा दिया। इसके बाद प्रेमिका ने महिला की पिटाई करने लग जाती है। वीडियो में पति द्वारा प्रेमिका से कह कहते सुना जा सकता है कि उसकी पत्नी को मारो।।।। इसके बाद प्रेमिका ने महिला की जमकर पिटाई करने लगती है। दोनों एक-दूसरे का बाल पकड़कर मारपीट करते दिख रही हैं।

'15 सीट से कम पर नहीं लड़ेंगे चुनाव

कितना सहेंगे अपमान', मांझी ने 10 अक्तूबर को बुलाई पार्टी की बैठक, ले सकते हैं बड़ा

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनडीए में सीट शेयरिंग पर पेंच फंसता जा रहा है। जीतन राम मांझी 15 सीट से कम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने पटना में पार्टी बोर्ड की 10 अक्तूबर को बैठक बुलाई है। इसमें वे कुछ बड़ा फैसला ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम हम एनडीए के नेताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, हम अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे हैं। हमें अपमानित होने से बचाइये। मांझी ने दिल्ली में होनेवाली एनडीए की बैठक से पहले यह बात कही। मांझी ने अपमानित होने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा-2015 में हमारी पार्टी बनी, चार हमारे एमएलए हैं, एक विधान परिषद में हैं, मंत्री हैं। इसके बाद भी दो जगह हमको अपमानित होना पड़ा, मतदाता सूची का वितरण हो रहा था तो हमारे लोगों को मतदाता सूची नहीं मिली क्योंकि मान्यता प्राप्त नहीं थे, बेइज्जती है कि नहीं? दसरी बात कि चुनाव आयोग के लोग आए इन लोगों ने सभी पॉलीटिकल पार्टी को बुलाया लेकिन हमें नहीं बुलाया क्योंकि हम निबंधित पार्टी थे, यह अपमान का घूंट कितने दिन सहन करेंगे? मांझी ने कहा कि जिसके पास एक विधायक भी नहीं है वह अपने आप को बड़ा समझ रहा है। लेकिन हम आग्रह करते हैं, प्रार्थना करते हैं और यह एनडीए का भी फर्ज बनता है की मांझी को अपमानित न होने दे। पिछले विधानसभा चुनाव में विधानसभा में हमको 7 सीट मिली थी और हम चार पर चुनाव जीते थे, यानी 60% हमारा स्कोरिंग रेट था।

15 सीटें नहीं मिलने पर चुनाव लड़ने का क्या फायदा

मांझी ने कहा कि अगर हमारी पार्टी को 15 सीट मिलती है तो 8-9 सीट हम जीत लेंगे। इससे हम पॉलीटिकल पार्टी के रूप में स्थापित हो जाएंगे। अगर 15 सीट नहीं मिलती है तो हम निबंधित पार्टी ही रह जाएंगे तो चुनाव लड़ने से क्या फायदा है, हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। मांझी ने कहा कि हम नरेंद्र मोदी को चाहते हैं, उनके चेला है, जो मोदी जी का इशारा होगा, एनडीए का होगा हम एड़ी चोटी का जोर लगाकर काम करेंगे। मांझी ने कहा कि हमारी इस बात पर कोई आपत्ति नहीं है कि कौन क्या मांग रहा है, इससे हमको क्या मतलब है, सबको मिले सबके लिए शुभकामनाएं। लेकिन मैं अपनी बात कह रहा हूं। हम तो आग्रह कर रहे हैं कि हम जो अपमानित हो रहे हैं अपमानित होने से बचाइए, अलग होने का कोई सवाल नहीं है।

मायावती के मंच पर लगेंगी 7 कुर्सियां

'लखनऊ चलो रैली' में 3 घंटे रहेंगी बसपा सुप्रीमो, भतीजे को री-लॉन्च करेंगी

लखनऊ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में 9 अक्टूबर को बसपा सुप्रीमो मायावती रैली करेंगी। यूपी की यह रैली मायावती और बसपा की कमबैक रैली मानी जा रही है। मायावती 3 घंटे मंच पर मौजूद रहेंगी। मंच पर मायावती की कुर्सी के साथ 7 और नेताओं की कुर्सियां लगाई जाएंगी। एकजुटता का संदेश देने के लिए मायावती के साथ मंच पर भाई आनंद कुमार, भतीजे आकाश आनंद, सीनियर लीडर सतीश चंद्र मिश्र के अलावा सेकेंड लाइन के नेता भी साथ दिखेंगे। रैली के बाद मायावती चुनिंदा कार्यकर्ताओं से अलग से मीटिंग भी करेंगी। माना जा रहा है कि वह उनसे जमीनी हकीकत जानने के लिए फीडबैक लेंगी। इसमें दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के कार्यकर्ता शामिल होंगे। लखनऊ के कांशीराम स्मारक स्थल में रैली होनी है।

यहां तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रैली के लिए पूरे प्रदेश से 5 लाख की भीड़ लाने का प्लान है। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जिलेवार और सेक्टरवार टारगेट तय किया गया है। बसपा ने "राशन नहीं, शासन चाहिए, लखनऊ चलो" के नारे को भी बुलंद करते हुए अपनी खोई सियासी जमीन को पाने की रणनीति तैयार की है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए मायावती की यह रैली काफी महत्वपूर्ण है।

हाईकोर्ट ने कहा

न्यायिक आदेश और बयान दर्ज करते समय शिष्ट-सामान्य भाषा का इस्तेमाल करें

प्रयागराज, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य के सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आदेश या गवाहों के बयान दर्ज करते समय शिष्ट-सामान्य भाषा का इस्तेमाल करें। यह आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकलपीठ ने संत्रीपा देवी की आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी पर खारिज करते हुए दिया। वाराणसी के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी) ने सात अगस्त 2024 को पारित आदेश से संत्रीपा देवी की शिकायत को विपक्षियों के खिलाफ ठोस सबूत न होने के आधार पर खारिज कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ संत्रीपा ने पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि वाराणसी के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी) के पारित आदेश और एक गवाह के बयान में अपमानजनक-अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। कोर्ट ने कहा कि अभद्र भाषा-अपशब्दों को दर्ज करना अवांछित और अनुचित है। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिलाया कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय ने समय-समय पर शिष्ट भाषा के उपयोग के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि विशेष न्यायाधीश ने इन पर ध्यान नहीं दिया।

एकलपीठ ने प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से भविष्य में अपशब्दों के प्रयोग से बचने का निर्देश दिया। कहा कि न्यायिक आदेशों में प्रयुक्त भाषा में पद की गरिमा और प्रतिष्ठा परिलक्षित होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह आदेश सकारात्मक दृष्टिकोण से पारित किया जा रहा है। इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से नहीं लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने इस आदेश की एक प्रति रजिस्ट्रार (अनुपालन) को भी आवश्यक अनुपालन के लिए देने का निर्देश दिया है।

भीषण सड़क हादसा

टायर फटने से स्कार्पियो खंदक में गिरी, चार लोगों की मौत...पांच को पुलिस ने बचाया

फतेहपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर बुधवार की सुबह भोर पहर एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब शादी समारोह से लौट रही एक स्कार्पियो अनियंत्रित होकर बड़ौरी ओवरब्रिज के पास पानी से भरे गहरे खंदक में जा गिरी। हादसे में पानी में डूबने चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के सब्जी मंडी खुल्दाबाद से नौ लोग कानपुर के मोतीझील स्थित वाल्मीकि आश्रम में आयोजित सामूहिक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। बुधवार सुबह वापस लौटते समय बड़ौरी ओवरब्रिज के पास स्कार्पियो का टायर फट गया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरे पानी भरे खंदक में जा घुसी। गाड़ी में पानी भर जाने के कारण चार लोगों की दम घुटने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया।

300 घाटों में फिर शुरू होगा बालू खनन, सामने आई तारीख

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। करीब तीन महीने की रोक के बाद राज्य की नदियों से 16 अक्टूबर से एक बार फिर बालू खनन शुरू होगा। खान एवं भू-तत्व विभाग ने इस सत्र में करीब तीन सौ घाटों से खनन शुरू होने की संभावना जताई है। इन घाटों में पीला और सफेद दोनों किस्म के बालू के घाट शामिल हैं। बालू का खनन शुरू होने से पहले अवैध खनन, ढुलाई और बिक्री पर नजर रखने के लिए विभाग ने सख्त निगरानी के इंतजाम किए हैं।

निगरानी के लिए सीसीटीवी और ड्रोन की मदद ली जाएगी। खान भू-तत्व विभाग की जानकारी के अनुसार 15 जून को नदियों से बालू खनन बंद होने से पहले तक 180 घाटों से बालू खनन हो रहा था। इनमें 18 घाट सफेद बालू के थे। मानसून अवधि में बालू का खनन बंद रहने के दौरान खान एवं भूतत्व विभाग के निर्देश पर बचे हुये बालू घाटों की नीलामी सहित पर्यावरणीय मंजूरी लेने संबंधी प्रक्रिया चल रही थी। ऐसे में राज्य में करीब तीन सौ बालू घाटों से खनन शुरू होने से राज्य सरकार को अधिक राजस्व प्राप्त हो सकेगा। विभाग ने वापस खनन की तमाम प्रक्रिया करीब-करीब पूरी कर ली हैं।

50 से अधिक महिलाएं गो-तस्करी में संलिप्त

मुरादाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मूंढापांडे क्षेत्र में गो-तस्करी और गोकशी की घटनाएं लगातार पुलिस के लिए चिंता का विषय बनी हुई थीं, लेकिन अब इस नेटवर्क से जुड़ी एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है, जिसने पुलिस महकमे को भी हैरान कर दिया है। ताजा खुलासे के अनुसार, इस अवैध कारोबार में पुरुषों के साथ-साथ 50 से अधिक महिलाएं भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। ये महिलाएं गोकशी के बाद गोमांस की सप्लाई का कार्य कर रही थीं। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, ये महिलाएं लंबे समय से गुप्त रूप से इस नेटवर्क का हिस्सा बनी हुई थीं। उनका मुख्य काम गो-हत्या के बाद मांस को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाना था। चूंकि महिलाएं आमतौर पर पुलिस की निगरानी से बाहर रहती हैं और उन पर आसानी से शक नहीं किया जाता, इसलिए वे इस अवैध धंधे को बड़ी ही सफाई से अंजाम दे रही थीं। पुलिस के अनुसार, कुछ महिलाएं तो गली-मोहल्लों में घरेलू महिला के रूप में रहकर इस कार्य को अंजाम देती थीं, जिससे किसी को शक भी नहीं होता था। हाल ही में पुलिस ने गोकशी से जुड़ी कई घटनाओं की जांच के दौरान कुछ संदिग्ध महिलाओं पर नजर रखी।

'पावर स्टार' पवन सिंह को एमएचए ने दी 'वाई' कैटेगरी की सुरक्षा

इतने सुरक्षाकर्मी रहेंगे तैनात

भोजपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा के 'पावर स्टार' पवन सिंह बिहार चुनाव के बीच अपनी पत्नी ज्योति सिंह के साथ घरेलू विवाद को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच पवन सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने उन्हें 'वाई' कैटेगरी की सुरक्षा दे दी है। यह सुरक्षा इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की 'थर्ड परसेप्शन रिपोर्ट' के आधार पर दी गई है, जिसमें पवन सिंह की सुरक्षा को खतरा बताया गया है। इस सुरक्षा के तहत अब सीआरपीएफ कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था में शामिल रहेंगे 8 सुरक्षाकर्मी

पवन सिंह की 'वाई' कैटेगरी की सुरक्षा व्यवस्था में कुल 8 सुरक्षाकर्मी शामिल होंगे। सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार, इस श्रेणी के तहत 5 आर्म्ड स्टैटिक गार्ड पवन सिंह के आवास पर चौबीस घंटे तैनात रहेंगे। वहीं, तीन पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) तीन अलग-अलग शिफ्टों में उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। पवन सिंह हाल के दिनों अपनी पत्नी ज्योति सिंह के साथ चल रहे पर्सनल विवाद और बिहार चुनाव को लेकर चर्चा में बनें हुए हैं। इस बीच उनकी सुरक्षा को देखते हुए उन्हें 'वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।

क्या है पवन सिंह का पत्नी से विवाद

पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति के बीच का पर्सनल विवाद अब चारदीवारी से बाहर आ चुका है। अभिनेता पवन सिंह के आवास पर जब पत्नी ज्योति सिंह उनसे मिलने पहुंची तब उन्हें सुरक्षा गार्ड ने अंदर जानें से रोक दिया। इस दौरान वहां जमकर बवाल देखने को मिला। हालांकि बाद में उन्हें अंदर जानें का मौका मिला और इस दौरान उनकी पवन सिंह से थोड़ी बहुत बातचीत भी हुई। तनाव के बीच ज्योति सिंह ने अपने वकील से बात करते हुए आरोप लगाया कि थाना प्रभारी उन्हें धमकी दे रहे हैं कि अगर वह थाने नहीं गईं तो उन पर झूठा केस लगा दिया जाएगा। अपनी हताशा में ज्योति सिंह ने बेहद गंभीर और खतरनाक कदम उठाने की धमकी दी। उन्होंने रोते हुए कहा 'आज सिर्फ समाज के कहने पर मैं यहां पर आई थी ये दिन देखने के लिए अब अगर आप लोग इंसाफ नहीं करेंगे तो हमें किसी से कोई उम्मीद नहीं है।' इसके बाद उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि वह इसी घर में जहर खाकर मरेंगी और इसी घर से लाश जाएगी मेरी।' उन्होंने आरोप लगाया कि एक सीधी घर की बहू-बेटी को सरेआम घसीटा जा रहा है।

इस दौरान ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर निजी और राजनीतिक जीवन को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पवन सिंह चुनाव के दौरान उन्हें बुलाकर प्रचार करवाते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होने के 20 दिन बाद 'लड़की को बुलाकर होटल गए।' फिलहाल ज्योति, पवन सिंह के फ्लैट से बाहर निकलकर होटल में रुकी हुई हैं। उनका कहना है कि वह तब तक यहां से नहीं जाएंगी जब तक कि पवन सिंह उन्हें अपनी पत्नी के रुप में स्वीकार नहीं कर लेते हैं।

कहां जाएंगी सहारा सिटी में रखी गाय-भैंसें?

हाईकोर्ट ने दिया आदेश, 30 को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारा सिटी पर लखनऊ नगर निगम की कार्रवाई को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट लखनऊ बेंच ने मामले में विचार की जरूरत जताई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम से 30 अक्टूबर तक मामले को लेकर जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। साथ ही हाईकोर्ट ने सहारा सिटी के भीतर मौजूद मवेशियों को कान्हा उपवन ले जाने का आदेश दिया है। सहारा की ओर से कोर्ट में कहा गया कि उन्हें सुनवाई का पूरा मौका दिए बगैर कार्रवाई की गई है। वहीं नगर निगम की ओर से कहा गया कि 1994 की लीज की शर्तों के आधार पर ही कार्रवाई की गई है। नगर निगम ने कहा कि 2020 और 2025 में नोटिस देने के बाद ही कार्रवाई की गई।

बता दें कि सहारा इंडिया कमर्शियल कारपोरेशन लिमिटेड ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष बीते सोमवार को एक याचिका दायर कर सहारा सिटी में पट्टे पर ली गईं उसकी जमीनों और वहां निर्मित संपत्तियों के मामले में लखनऊ नगर निगम के हस्तक्षेप को चुनौती दी थी। लखनऊ के गोमती नगर इलाके में कभी जग-मग रहने वाले 'सहारा शहर' को सोमवार को नगर निगम अधिकारियों ने पट्टे के नियमों के कथित उल्लंघन के लिए 'सील' कर दिया था।

दुर्गा शक्ति नागपाल फिर विवादों में, दिल्ली के बंगले में डटकर बैठ गईं यूपी की आईएएस, अब भरना होगा 1.63 करोड़ हर्जाना

लखनऊ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल एक नए विवाद में घिर गई हैं। नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) ने नागपाल को नोटिस जारी कर 1.63 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईएआरआई का कहना है कि नागपाल ने मई 2022 से फरवरी 2025 तक दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित बी-17 (टाइप वीआई-ए) सरकारी बंगला कथित तौर पर अपने 'अनधिकृत कब्जे' में रखा। दुर्गा शक्ति नागपाल फिलहाल लखीमपुर खीरी की जिला मजिस्ट्रेट हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने बताया कि अपने माता-पिता की खराब तबीयत के कारण उन्होंने बंगले की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता की बायपास सर्जरी और मां के घुटनों के ऑपरेशन के चलते बंगला खाली करने में देरी हुई।

मैंने मंत्रालय से विस्तार की अनुमति मांगी थी, जो दी भी गई। मैंने किराया भी जमा कराया और आखिरकार फरवरी में बंगला खाली कर दिया। इसके बावजूद कुछ कागजी औपचारिकताओं की वजह से मेरे ऊपर भारी जुर्माना जोड़ा गया है, जो अव्यावहारिक है। मैंने इसके माफ किए जाने का अनुरोध किया है और मामला प्रक्रिया में है। राज्य सरकार ने भी जून 26 को मंत्रालय को पत्र भेजकर छूट की सिफारिश की है।'

यूपी लौटने के बाद भी नहीं छोड़ा बंगला

नागपाल को यह बंगला मार्च 2015 में तब आवंटित हुआ था जब वह तत्कालीन कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह की ओएसडी नियुक्त हुई थीं। वह अप्रैल 2015 में बंगले में शिफ्ट हुईं। वह 6600 रुपये मासिक किराया और वाटर टैक्स जमा करती रहीं।

हालांकि मई 2019 में उनकी कृषि मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति समाप्त हो गई थी, लेकिन वाणिज्य मंत्रालय में और फिर 2021 में यूपी कैडर में लौटने के बाद भी वह इसी बंगले में बनी रहीं। आईएआरआई ने लगातार उन्हें बंगला खाली करने के नोटिस दिए, पर उन्होंने फरवरी 2025 में ही बंगला छोड़ा, वह भी तब जब संस्थान ने दिल्ली पुलिस से सहायता मांगी। आईएआरआई का कहना है कि अक्टूबर 2020 के बाद उनके पास रहने की अनुमति खत्म हो गई थी। अगस्त 2020 के पत्र में संस्थान ने केवल अक्टूबर 10 तक रहने की मोहलत दी थी और इसके बाद 'पब्लिक प्रिमाइसेज़ एक्ट, 1971' के तहत बेदखली की कार्यवाही की चेतावनी दी थी। साथ ही कहा गया कि अक्टूबर 2020 से टेलीस्कोपिक आधार पर क्षतिपूर्ति वसूली जाएगी।

इतना ज्यादा कैसे लगा हर्जाना?

संस्थान के अनुसार, टाइप वीआई-ए आवास के लिए हर्जाना लाइसेंस शुल्क के 50 गुना के बराबर तय है, जिस पर 1,840 रुपये वॉटर टैक्स भी जोड़ा जाता है। इस हिसाब से मई 2022 से प्रति माह 92,000 रुपये के किराये पर नुकसान शुल्क शुरू हुआ, जो हर माह बढ़ता गया। दूसरे माह 10% बढ़कर 1,01,200 रुपये, तीसरे माह 20% बढ़कर 1,10,400 रुपये, चौथे माह 40% बढ़कर 1,28,800 रुपये, पांचवें माह 80% बढ़कर 1,65,600 रुपये और छठे माह 160% बढ़कर 2,39,200 रुपये हो गया। आठवें माह से यह दर अधिकतम 4.6 लाख रुपये मासिक तक पहुंच गई। इसी आधार पर मई 2022 से फरवरी 2025 के लिए कुल 1,63,57,550 रुपये की मांग की गई है।

आईएआरआई ने मई 2 को भेजे नोटिस में नागपाल को यह रकम जमा कराने को कहा। दूसरी ओर नागपाल का कहना है कि उन्होंने मई 2015 से अप्रैल 2022 तक के बकाया 88,610 रुपये जमा कर दिए हैं और अब भारी जुर्माना माफ करने की गुहार लगाई है। उन्होंने इसे 'अव्यावहारिक और नाममात्र का' करार देते हुए कहा कि मामला फिलहाल विचाराधीन है।

जीएसटी से दिल्ली सरकार का भरा खजाना

6 महीने में 22000 करोड़ से ज्यादा का रिकॉर्ड कलेक्शन

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार को इस वित्तीय वर्ष में पिछले छह महीने में अभी तक 22,000 करोड़ से अधिक राजस्व मिला है, जबकि पिछले साल इसी समय में 21,000 करोड़ के करीब राजस्व मिला था। इस हिसाब से पिछले साल से इस साल अधिक राजस्व मिला है। कई चीजों पर जीएसटी कम किए जाने से माना जा रहा है कि इस साल जीएसटी में और बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली सरकार ने इस वर्ष जीएसटी वसूली का लक्ष्य पिछले साल की अपेक्षा पांच हजार करोड़ बढ़ाकर 48 हजार 500 करोड़ का रखा है। जानकारों की मानें तो केंद्र की मोदी सरकार ने जिस तरह से कई चीजों पर जीएसटी में भारी कटौती की है। इसे 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू कर दिया गया है। उसके बाद से बाजार में काफी बेहतर माहौल देखा जा रहा है। दिल्ली की स्थिति पर गौर करें तो पिछले साल की अपेक्षा इस साल अभी तक एसजीएसटी से दिल्ली सरकार को राजस्व में 16.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल सितंबर में जहां 3272.55 करोड़ का जीएसटी एकत्रित हुआ था, वह इस साल सितंबर में 3373.45 करोड़ हुआ है। यानी इस साल जीएसटी की दरें कम होने वाले माह में सीधे 100 करोड़ का राजस्व अधिक मिला है। दिल्ली सरकार के सूत्रों का कहना है कि ये राजस्व के आंकड़े अभी और बढ़ने की उम्मीद है। अभी फाइनल आंकड़े आने शेष हैं।

वैट एकत्रित करने में इस साल और कमी आई है। पिछले साल की अपेक्षा इस साल सरकार को अप्रैल से सितंबर तक 166 करोड़ राजस्व कम मिला है। पेट्रोल डीजल के कारोबार से जुड़े लोग मानते हैं कि सीएनजी व इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ने के साथ साथ 10 साल डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर रोक में खासकर डीजल पर असर पड़ा है। चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर और हिमाचल में दिल्ली से सस्ता डीजल होने का असर भी दिल्ली पर पड़ रहा है। क्योंकि वहां तीन से लेकर पांच रुपये डीजल सस्ता है। दरअसल वहां से आवश्यक सामान लेकर आने वाले ट्रक चालक दिल्ली में डीजल नहीं लेते हैं। पेट्रोल पंप संचालक केंद्र सरकार से दिल्ली में डीजल पर वैट कम किए जाने की लगातार मांग कर रहे हैं।

जुबिन गर्ग की मौत का मामला

चचेरे भाई पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग गिरफ्तार

गुवाहाटी, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। असमिया गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच में एक नया मोड़ सामने आया है। सीआईडी ने जुबिन गर्ग के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। संदीपन गर्ग असम पुलिस सेवा (एपीएस) के अधिकारी हैं।

बताया जा रहा है कि जिस समय जुबिन के साथ यह घटना घटी, उस समय वह उनके साथ थे। सीआईडी अब तक इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसआईटी प्रमुख और विशेष डीजीपी (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि असम पुलिस की एसआईटी/ सीआईडी ने गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एपीएस अधिकारी संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है।

अब तक पांच लोग गिरफ्तार

जुबिन गर्ग की मौत को लेकर सीआईडी कड़ी कार्रवाई कर रही है। सीआईडी ने अब तक इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें कार्यक्रम आयोजक श्यामकनु महंत, जुबिन के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, उनके बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी, सह-गायक अमृतप्रवा महंत और अब उनके भाई एपीएस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं।

पुलिस केस दर्ज कराएगी सरकार

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने चेतावनी देते हुए कहा कि जुबिन गर्ग की मौत को लेकर भड़काने वालों के खिलाफ सरकार पुलिस केस दर्ज कराएगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरमा ने कहा कि कुछ लोग असम को नेपाल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। सरकार ज़ुबीन गर्ग मुद्दे पर लोगों को भड़काने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराएगी। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि इस मामले में गौरव गोगोई से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

गोगोई ने सीएम पर लगाए आरोप

गोगोई ने सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह जुबिन की मौत को लेकर हो रही जांच में बाधा डाल रहे हैं। गोगोई ने कहा कि सीएम का मकसद जुबिन को न्याय दिलाना नहीं बल्कि श्यामकानु महंत को बचाना है, क्योंकि महंत से उनके करीबी संबंध हैं। उन्होंने सीएम से अनुरोध करते हुए कहा कि कृपया महंत को बचाने की कोशिश बंद करें।

ओबीसी आरक्षण केस,हाईकोर्ट को वापस भेज सकता है सुप्रीम कोर्ट

एससी ने कहा-राज्य की परिस्थितियों को उच्च न्यायालय बेहतर जानता है

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। एमपी में ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज फिर सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, मप्र के एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और स्पेशल काउंसिल एडवोकेट शशांक रतनू सरकार की ओर से मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट ओबीसी आरक्षण के मामले में कल गुरुवार को बड़ा फैसला दे सकता है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मैटर को मेंशन किया। मेहता ने कहा- इसमें बहुत सारे टेक्निकल पक्ष हैं। इसलिए कहीं न कहीं इसकी सुनवाई में समय लग सकता है। इसके समाधान के लिए क्या तरीका निकाला जाए? क्यों न कुछ और तरह का सॉल्यूशन निकाला जाए।

कोर्ट ने कहा- और वक्त मांगेंगे तो दिक्कतें बढ़ेंगी

इस पर कोर्ट ने कहा कि आप फिर वक्त मांगेंगे तो और समय जाएगा। दिक्कतें बढ़ेंगी। अगले हफ्ते दीवाली है, छुट्टियां हैं। कोर्ट ने कहा, हम ये चाहते हैं कि ये मैटर हाईकोर्ट के फैसले के बाद हमारे पास आए। सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर पिटीशन पहुंची हैं। इस मामले में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ की तरह अंतरिम राहत दे सकता है एससी

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस तरह छत्तीसगढ़ में अंतरिम लाभ दिया गया था। हो सकता है कि मप्र के मामले में भी अंतरिम राहत दे दें। इस पर याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई तो कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर जो उपयुक्त समाधान हो सकता है उस पर कल विवेचना करके सुनवाई करेंगे।

मामले को वापस हाईकोर्ट भी भेज सकता है सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप सभी लोग अपने पक्ष बताएं, हो सकता है कि अंतरिम लाभ दे दें या लाभ नहीं भी दें तो हम हाईकोर्ट को डायरेक्ट कर दें। कल आप सब लोग इस बात पर अपने तर्क दें कि इस मामले का कैसे जल्दी समाधान कर सकते हैं। हम इस मामले को हाईकोर्ट भेज दें या अंतरिम राहत देकर हाईकोर्ट भेज दें। क्योंकि हाईकोर्ट को अपने राज्य के बारे में अच्छे से जानकारी होती है। ये रिजर्वेशन का मामला है, इसमें इंदिरा साहनी की कड़ी जरूर है लेकिन ये राज्य से संबंधित मामला है। इसलिए इस मामले में जो सबसे उपयुक्त समाधान हो सकता है उस पर कल सुनवाई करेंगे। कोर्ट ने कहा हम तो चाहते हैं कि कल इस मामले को निपटा ही दें।

पीतल पर तैयार हो रही रामायण:7 इंच लंबी, 5 इंच चौड़ी

रामायण में 24 हजार श्लोक उकेरेंगे, दीपावली तक पूरी होगी तैयार

इंदौर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में पीतल की रामायण (श्लोक) तैयार हो रही है। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर इसका पहला पेज तैयार किया गया है।

आगामी दीपावली तक 850 पन्नों की ये पीतल की रामायण तैयार हो जाएगी। जिसके बाद इसे हरिद्वार ले जाया जाएगा। इस रामायण में 24 हजार श्लोक अंकित किए जाएंगे। बनने के बाद इसका वजन 8 किलो के आसपास रहेगा। पूरी रामायण को 40 गेज की पीतल की शीट 7 इंच लंबी, 5 इंच चौड़ी 850 पन्नों पर दोनों तरफ छापा जाएगा। पीतल की इस रामायण को इंदौर के एडवोकेट लोकेश मंगल द्वारा इंदौर में ही तैयार कराया जा रहा है। इसके पहले भी पीतल पर महाभारत, 193 देशों में जनगणना संबंधित प्रावधान, संविधान से देश, महाराजा अग्रसेन जी से संबंधित पीतल की किताब सहित कई चीजें पीतल पर उकेर चुके हैं।

तैयार होने के बाद हरिद्वार लेकर जाएंगे

एडवोकेट लोकेश मंगल ने बताया कि स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज की प्रेरणा से यह पीतल की रामायण तैयार की जा रही है। इसे तैयार करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। तैयार होने के बाद सबसे पहले पीतल की रामायण को हरिद्वार लेकर जाएंगे। पहले स्वामी अवधेशानंद जी के पास लेकर जाएंगे। इसके बाद इसे पब्लिश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसे बनाने में करीब 5 हजार रुपए का खर्च आएगा। क्योंकि इसमें मेटल के ही पैसे लगेंगे। बाकी कटाई, प्रिंटिंग का काम सेवा काम के रूप में किया जाएगा। इसकी उम्र करीब तीन हजार साल तक की रहेगी। पेजों की कटाई में करीब 12 घंटे का समय लगता है। 3 मिनट में एक फाइल तैयार होती, प्रत्येक क्रम में रखते हुए इसे तैयार किया जाएघा। 108 घंटे का समय इसमें लगेगा। संभवतः दीपावली तक ये तैयार हो जाएगी।

8 किलो के करीब रहेगा वजन

उन्होंने बताया कि पीतल की रामायण तैयार होने के बाद इसका वजन करीब 8 किलो का होगा। खास बात यह है कि पीतल के 850 पन्ने रहेंगे, जिसमें दोनों तरफ छपाई की जाएगी। यह रामायण 7 इंच लंबी और 5 इंच चौड़ी रहेगी। रामायण का पहला पेज तैयार कर लिया गया है। महर्षि वाल्मीकि रामायण के रचयिता है, जिसके चलते उनकी जयंती पर पीतल की पूर्ण रामायण का पहला पेज किया गया हैं। उन्होंने बताया कि हरिद्वार से आने के बाद इसे मीडिया के माध्यम से लोग इसे देख सकेंगे।

कोलार में खाली पड़े प्लाट में पानी के अंदर मिले मानव अंग, हत्या कर बोरे में फेंकी थी लाश

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र में दोपहर बाद एक खाली पड़े प्लाट में मानव अंग मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जिस खाली प्लाट में भरे पानी के अंदर मानव अंग मिले हैं, उससे 100 मीटर की दूरी पर ही पूरी कॉलोनी बसी हुई है। लाश किसकी है, किसने और कब हत्या की, इसका खुलासा नहीं हो सका है।

कोलार पुलिस के अनुसार डी मार्ट के पास पुलिस हाउसिंग की कॉलोनी के पास एक खाली प्लाट में पानी के अंदर एक पैर दिखा। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पैर निकाला तो किसी मनुष्य का निकला। इसके बाद तलाशी शुरू हुई तो एक बोरी के अंदर कुछ और मानव अंग मिले हैं।

भारी बारिश और बर्फबारी से हिमाचल में बढ़ी ठंड, लाहौल में सेब को नुकसान

शिमला, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बदले मौसम के बीच सात साल बाद पहाड़ों पर अक्टूबर के पहले हफ्ते में बर्फबारी दर्ज हुई है। चार दिनों से राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है।

लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा के ऊंचे इलाकों में बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। कड़ाके की ठंड से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। लाहौल में असामयिक बर्फबारी आफत बन गई है। पिछले चार दिनों से लगातार जारी बर्फबारी से सेब से लदे पेड़ों को भारी नुकसान हुआ है। कई जगहों पर सेब के बगीचों में टहनियां टूट गईं और फल भी गिर रहे हैं। बागवानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें पड़ गई हैं। प्रदेश के कई भागों में आज भी बारिश हो रही है। शिमला में भी दोपहर तक रुक-रुककर बारिश जारी रही। 24 घंटों के दौरान कुछ स्टेशनों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 5-6 डिग्री सेल्सियस कम रहा। अधिकतम तापमान अधिकांश स्टेशनों पर सामान्य से 7-14 डिग्री सेल्सियस कम रहा। बीते 24 घंटों के दौरान नयना देवी में 132.6, सोलन 119.6, बरठीं 78.6, पच्छाद 78.2, मालरांव 75.4, कसौली 68.0, ब्राह्मणी 67.2, मुरारी देवी 65.0, बिलासपुर 64.8, काहू 64.1, धर्मपुर 62.4, बीबीएमबी 57.4, घाघस 55.0, ओलिंडा 48.2 व नगरोटा सूरियां में 47.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं गोंधला में 30.0, केलांग 15.0, हंसा 5.0 और कुकुमसेरी में 3.2 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 8 अक्टूबर को कुछ मैदानी, मध्य व उच्च पर्वतीय स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी की संभावना है। 9 व 10 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। सप्ताह के बाकी दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 11 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उसके बाद अगले 3-4 दिनों में तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 6-10 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

थाइलैंड की लड़की सहित 8 लोग गिरफ्तार एक फरार, स्पा सेंटर में चल रही थी जिस्मफरोशी

मानसा, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे जिस्मफरोशी के अड्डे का सदर पुलिस ने पर्दाफाश करते थाईलैंड वासी एक महिला सहित आठ लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले में एक व्यक्ति अभी फरार बताया जा रहा है। मामले की जांच अधिकारी इंस्पेक्टर बेअंत कौर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के ठुठियावाली रोड़ पर स्पा सेंटर की आड़ में कुछ लोग जिस्मफरोशी के धंधे को चलाकर वहां पहुंचने वाले भोले भाले लोगों को अपना शिकार बना रहे है। पुलिस पार्टी की ओर से स्पा सेंटर पर की रेड के दौरान वहा से पुलिस ने हरियाणा के तारुआणा वासी जगसीर सिंह,गांव हीरके वासी गगनदीप सिंह, मानसा वासी हिमांशु और विकास, गांव ख्याला खुर्द वासी हरमनदीप सिंह, बहादुरगढ़ वासी मंजू, पटियाला वासी संदीप कौर, थाईलैंड वासी महिला मीला को गिरफ्तार कर लिगया गया जबकि गांव चोटिया वासी जगसीर सिंह अभी फरार बताया जा रहा है। सदर पुलिस ने गिरफ्तार किए गए इन लोगों के खिलाफ ट्रैफिक एंड इमोरल प्रीवेशन एकट के तहत मामला दर्ज करके उनका मेडिकल कराने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़ा गया युवक मोरबी का निवासी

पढ़ाई के लिए रूस गया; गुजरात पुलिस ने की पुष्टि

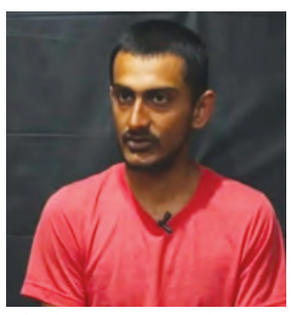

मोरबी, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस ने बुधवार को पुष्टि की कि 22 वर्षीय मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन, जिसने रूसी सेना की तरफ से लड़ते हुए यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया, वह गुजरात के मोरबी शहर का निवासी था और पढ़ाई के लिए रूस गया था। यूक्रेनी सेना ने जो वीडियो जारी की, उसमें भारतीय युवक ने बताया कि वह गुजरात के मोरबी का निवासी है और पढ़ाई के लिए रूस गया था। जब पत्रकारों ने मोरबी शहर के कालिका प्लॉट इलाके में मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन के घर पर उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसकी मां ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया और बाद में वह घर पर ताला लगाकर किसी अज्ञात स्थान पर चली गईं। राजकोट रेंज के आईजी अशोक कुमार यादव ने बताया, 'प्रारंभिक जांच के अनुसार, साहिल मोरबी का निवासी था और कई साल पहले पढ़ाई के लिए रूस गया था। हमें यह भी पता चला है कि उसे वहां नशीली दवाओं से संबंधित एक मामले में पकड़े जाने के बाद जेल भेज दिया गया था।' वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि उसने पासपोर्ट, वीजा कैसे और कब हासिल किया।

ओडिशा में थमी न्यायिक प्रक्रिया वकीलों ने रोका कामकाज

बीजेपी नेता की हत्या के विरोध में हड़ताल जारी

भुवनेश्वर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के वकीलों ने वरिष्ठ अधिवक्ता पिताबास पांडा की हत्या के विरोध में बुधवार को पूरे राज्य में अदालतों का काम बंद रखा। इस विरोध का आह्वान ओडिशा राज्य बार काउंसिल ने किया था। वकीलों ने सरकार से अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को मुआवजा, उच्च स्तरीय जांच और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। पिताबास पांडा, जो भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य बार काउंसिल के सदस्य थे, की सोमवार रात बेरहामपुर के ब्रह्मनगर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो अज्ञात बाइक सवार हमलावरों ने उन पर 9 एमएम पिस्तौल से गोली चलाई थी। उन्हें सीने में गोली लगी और अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राज्य के सभी बार एसोसिएशनों ने कामकाज बंद कर सरकार पर दबाव बनाया। उड़ीसा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्यों ने रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वहीं भुवनेश्वर बार एसोसिएशन ने जिला एवं सत्र न्यायालय के बाहर धरना दिया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम नवीन पटनायक और अन्य दलों ने घटना की निंदा की है। मुख्यमंत्री ने पुलिस को अपराधियों को सख्त सजा दिलाने के निर्देश दिए हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने भी हत्या पर गहरी चिंता जताई और एसआईटी बनाने की मांग की है। बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि वकीलों की सुरक्षा और गरिमा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पुलिस ने हत्या की जांच के लिए छह टीमें बनाई हैं, लेकिन घटना के 30 घंटे बीत जाने के बाद भी हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस पेशेवर अपराधियों पर शक कर रही है।

अति सुरक्षित रोड पर गोली मार के युवक की हत्या, पैदल फरार हुए हत्यारे

गाजियाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के अतिसुरक्षित इलाके में शुमार जिला कारागार के पास अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर युवक की हत्या कर दहशत फैला दी। इस घटना के बाद पुलिस महकमें हड़कंप मच गया है। घटना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है, साथ आला अधिकारी घटना स्थल की जांच पड़ताल कर रहे हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक मकान के लिंटर के स्क्रेब का काम करता था। चश्मदीदों ने बताया कि तीन हत्यारे पैदल आए और गोली मारकर फरार हो गए। इस घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद है।

सूरत में नौकरानी ने खरीदा 60 लाख का फ्लैट और 4 लाख का फर्नीचर

देखकर मालकिन की फटी रह गईं आंखें

सूरत, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में घर खरीदना कोई छोटी बात नहीं है। आसमान छूती प्रॉपर्टी की कीमतों, अंतहीन ईएमआई और इंटीरियर डेकोरेशन के अतिरिक्त खर्च के बीच, ज़्यादातर लोग घर के मालिक बनने के सपने को पूरा करने में दशकों बिता देते हैं। घरों में काम करने वाली एक महिला ने सूरत में एक 60 लाख का फ्लैट खरीदा। उसके लिए उसने चार लाख रुपये का फर्नीचर लिया। उसकी मालकिन तब हैरान हो गईं जब उन्हें पता चला कि उनकी नौकरानी ने 60 लाख रुपये के इस फ्लैट को खरीदने के लिए महज दस लाख रुपये ही लोन लिया। इससे भी बड़ी बात यह है कि नौकरानी के पास पहले से ही दो घर और दुकानें हैं। मालकिन ने जब यह पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली तो बहस छिड़ गई। एक्स यूज़र नलिनी उनागर ने एक प्रेरणादायक कहानी शेयर की जो अब वायरल हो रही है। अपनी पोस्ट में, उन्होंने लिखा कि कैसे एक सुबह उनकी घरेलू सहायिका खुशी से झूमती हुई आईं और यूं ही बता दिया कि उन्होंने सूरत में 60 लाख रुपये का एक फ्लैट खरीदा है। इतना ही नहीं, उसने फ़र्नीचर पर 4 लाख रुपये भी खर्च किए। उसने सिर्फ़ 10 लाख रुपये के कर्ज लिया। नलिनी ने कहा कि वह सच में हैरान हैं।

नलिनी ने लिखा कि जब उन्होंने अपनी डोमेस्टिक हेल्प से पूछ कि उसने 60 लाख रुपये का फ्लैट कैसे लिया तो उन्हें और चौंकाने वाली बात पता चली। नौकरानी ने उन्हें बताया कि यह उसकी पहली संपत्ति नहीं है। उसके पास पहले से ही वेलंजा गांव (गुजरात) में एक दो मंज़िला घर और एक दुकान है, दोनों ही किराए पर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी में देरी पर सीबीआई और राज्य सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 24 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर हिरासत में मौत के मामले में शामिल दो पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी में देरी को लेकर बुधवार को सीबीआई और मध्य प्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब सीबीआई ने उसे सूचित किया कि दोनों फरार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 15 मई के आदेश के बावजूद अधिकारियों को गिरफ्तार नहीं किया गया और राज्य सरकार अवमानना याचिका दायर करने और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद ही हरकत में आयी।

पीठ ने कहा, ''इतने दिनों में क्या हुआ? आप उनका पता क्यों नहीं लगा सके? आपके कार्रवाई करने के लिए हमें अवमानना के आरोप तय करने पड़े। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को इस तरह लागू नहीं किया जाना चाहिए। तीन जजों की पीठ ने गिरफ्तारी का आदेश दिया था।'' पीठ ने कहा, ''दोनों अधिकारियों के खिलाफ क्या विभागीय कार्रवाई की गयी? उन्होंने अदालत के इस आदेश के बावजूद अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए?'' सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने न्यायालय को सूचित किया कि उसने उसके आदेश का अनुपालन किया है और उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया, ''उत्तम सिंह को 27 सितंबर को इंदौर में गिरफ्तार किया गया था, जबकि संजीव सिंह को पांच अक्टूबर को शिवपुरी में हिरासत में लिया गया था। वे वर्तमान में इंदौर जेल में हैं।''

पीठ ने राज्य सरकार को यह भी बताने का निर्देश दिया कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ क्या विभागीय कार्रवाई की गयी है। मामले पर अगली सुनवाई अब छह नवंबर को होगी।

शीर्ष अदालत मृतक की मां की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उसके 15 मई के आदेश का अनुपालन न करने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई को कथित हिरासत में मौत में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को फटकार लगाई थी और जांच सीबीआई को स्थानांतरित कर दी थी।

इंदौर में बेमुद्दत ट्रक हड़ताल खत्म

दो दिन की हड़ताल के बाद काम पर लौटे, एसोसिएशन ने पत्र जारी कर दी सूचना

इंदौर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में एसोसिएशन ऑफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एंड फ्लीट ऑनर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल दो दिन में ही खत्म हो गई। 6 और 7 अक्टूबर को इंदौर के 10 हजार से ज्यादा ट्रकों के पहिए थमे रहे। बुधवार को एसोसिएशन ने पत्र जारी कर हड़ताल खत्म होने की घोषणा की। एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष राकेश तिवारी और सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि प्रशासन ने लिखित में सहयोग का आश्वासन दिया है।

इंदौर में हुए ट्रक हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन ने ट्रकों की एंट्री के समय में बदलाव किया था। इससे ट्रक ऑपरेटर्स में नाराजगी थी। इसके चलते उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की थी। इंदौर में सुबह 6 से रात 11 बजे तक ट्रकों की नो-एंट्री के विरोध में इंदौर के ट्रक ट्रांसपोर्टरों ने अनिश्चितकालीन स्वैच्छिक बंद का आह्वान किया था। इस दौरान सोमवार व मंगलवार को ट्रक-ट्रांसपोर्टरों ने बुकिंग और डिलीवरी बंद कर दी।

एसोसिएशन ने विरोध में रैली निकाली। साथ ही कहा कि जब तक नो एंट्री बंद नहीं होती है, वह अपना कारोबार पूरी तरह से बंद रखेंगे। एसोसिएशन ऑफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एंड फिलट ऑनर्स, इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं देवास नाका वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त आह्वान पर हुए इस स्वैच्छिक बंद को इंदौर की समस्त ट्रांसपोर्ट संस्थाओं ने समर्थन दिया। इनका कहना था कि पुलिस-प्रशासन द्वारा लगाई गई नो एंट्री के कारण कुछ मार्गों पर हम असहमत हैं, उसी के विरोध में यह स्वैच्छिक बंद का आह्वान संयुक्त रूप से किया गया है।

दवा विधेयक बन गया होता!

तमिलनाडु में बनी जहरीली कफ सिरफ ने जिस तरह से मासूमों की जान ली है उससे पूरा देश हिल गया है। यदि 22 साल पहले वाजपेयी सरकार के दौर में स्वास्थ्य मंत्री रहीं सुषमा स्वराज जो विधेयक लेकर आई थीं, वो कानून बन जाता तो निश्चित ही इतने बच्चों की जान नहीं जाती। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2003 में केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी। तब एक अभूतपूर्व फैसला लिया गया था। उसके मुताबिक, नकली दवाएं बनाना 'सामूहिक हत्या' का प्रयास माना जाएगा और इसके लिए मृत्युदंड दिया जाएगा। तब उन्होंने कहा था कि ऐसी नकली दवाओं और औषधियों का वितरण और बिक्री भी संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बन जाएगा। इसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान बनाया गया था। लेकिन इस विधेयक में इतनी अडंगेबाजी की गई कि वह फिर कभी कानून नहीं बन सका। आज जब मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में 21 से ज्यादा बच्चों की जान कफ सिरप से चली गई तो सुषमा स्वराज के उस विधेयक की याद आना स्वाभाविक है। काश ये विधेयक कानून बना होता तो जान गंवाने वाले नौनिहाल भी भारत का भविष्य लिख रहे होते। तब की स्वास्थ्य मंत्री रहीं सुषमा स्वराज ने कहा था कि नकली दवाओं का निर्माण और बिक्री सबसे बड़ा अपराध है। चूंकि यह पूरी तरह से मुनाफाखोरी का धंधा है, इसलिए इसमें कोई दया की गुंजाइश नहीं हो सकती। उस समय इस विधेयक को शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना था। मगर, उससे पहले इसे संसद की स्थायी समिति को भेजा जाना था। मगर, बाद में यह विधेयक अधर में लटक गया। इसे दवा कंपनियों का दबाव कहें या कुछ और यह विधेयक फिर कभी कानून नहीं बन सका। सुषमा स्वराज ने तब कहा था कि यह प्रस्ताव आरए माशेलकर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने रखा था। स्वराज ने कहा कि ऐसा करके सरकार देश से किया गया अपना वादा निभा रही है। सुषमा स्वराज ने कहा था कि भारत में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को और कारगर बनाने के लिए 'प्राइवेट' डॉक्टरों को भी इस व्यवस्था में भूमिका दिए जाने पर विचार हो रहा है। संसद में लाए जाने वाले उस विधेयक का मसौदा तैयार हो गया था जिसके तहत नकली दवा बनाने वालों को मृत्युदंड दिए जाने का प्रावधान रखा गया था। उनका कहना था कि जो लोग नकली दवा बनाते हैं वे हत्या से ज्यादा संगीन जुर्म करते हैं। उनका कहना था कि हत्या करने वाला तो किसी एक व्यक्ति की जान लेता है लेकिन नकली दवा बनाने वाला सामूहिक हत्या के दोषी होता है। सुषमा स्वराज ने उस वक्त ये भी कहा था कि इस विधेयक के तहत दवा को उसकी असल कीमत से अधिक मूल्य पर बेचना भी जुर्म होगा। सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि इस बारे में एक नया कार्यक्रम लागू करने पर विचार हो रहा है। उनका कहना था कि इस कार्यक्रम में अन्य देशों की तरह भारत में भी 'प्राइवेट' डॉक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का हिस्सा बनाकर उन्हें भी भूमिका दिए जाने पर विचार किया जा रहा है। लेकिन उनकी मंशा आज तक पूरी नहीं हो सकी, जिसकी वजह से लगभग हर साल कहीं न कहीं बडी संख्या में इस तरह की जहरीली दवाओं की वजह से लोग मर रहे हैं।

उम्र की ढलती सांझ में

विजय गर्ग

भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को अनुभवों का खजाना माना जाता रहा है, मगर चिंताजनक है कि बुजुर्ग अब परिजनों और समाज की उपेक्षा, दुर्व्यवहार सहित कई तरह की समस्याएं झेलने को विवश हैं। भारतीय समाज में सदा सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुगों का स्थान सर्वोपरि रहा है, मगर अब एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण बुजुर्गों की उपेक्षा बढ़ रही है। दरअसल, समाज में अपनी हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रुकावट लगने लगते हैं। ऐसे लोगों को सामाजिक तौर पर अपनी खुशियों में बुजुगों को शामिल करना शान के खिलाफ लगता है। ऐसी ही रूढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यवर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। एक गैर-सरकारी संस्था की रपट के अनुसार भारत में 47 फीसद आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं, 34 फीसद पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में 40 फीसद लोगों ने यथासंभव काम करने की इच्छा व्यक्त की। सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई कि 71 फीसद वरिष्ठ नागरिक काम नहीं कर रहे थे, जबकि 36 फीसद काम करने को तैयार थे। यही नहीं, 30 फीसद से ज्यादा बुजुर्ग तो विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए स्वेच्छा से अपना समय देने को तैयार थे, जिससे स्पष्ट है कि अगर पुरानी पीढ़ी की ऊर्जा को पर्याप्त अवसर मिले तो भारत की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर उज्ज्वल हो सकती है। एक गैर-सरकारी संगठन की रपट के अनुसार 2022 तक दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 110 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 14 प्रतिशत थी। 2050 तक यह आबादी बढ़कर 210 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 22 प्रतिशत होने की संभावना है। एशिया में बुजुर्ग आबादी 2050 तक 130 करोड़ हो जाएगी। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी अभी करीब 14.9 करोड़ है और एक रपट के मुताबिक 2026 तक यह 17 करोड़, 2036 तक 23 करोड़ तथा 2050 तक 35 करोड़ यानी कुल आबादी की 20 फीसद से भी ज्यादा होने का अनुमान है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक 2036 तक दक्षिण भारत के राज्यों में हर पांचवां व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में होगा। बुजुर्ग आबादी में यह बढ़ोतरी निश्चित रूप से समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालेगी। ऐसे में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी की उचित देखभाल के लिए उचित प्राथमिकताएं निर्धारित करना सरकार की जिम्मेदारी है। % हेल्प एज इंडिया% की नवीनतम रपट %वीमेन एंड एजिंग इनविजिबल आर एंपावर्ड ?% में मई से जून 2023 के दौरान 60-90 वर्ष की आयु वर्ग की 7911 महिलाओं को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया। संगठन ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों को शामिल करते हुए बीस राज्यों, दो केंद्रशासित प्रदेशों और पांच महानगरों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के प्रतिभागियों के बीच यह सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सोलह प्रतिशत वृद्ध महिलाओं को दुव्यवहार का सामना करना पड़ा, जिनमें से करीब पचास फीसद महिलाओं को शारीरिक हिंसा और छियालीस फीसद बुजुर्ग महिलाओं को अपमान झेलना पड़ा। चालीस फीसद प्रतिभागियों को भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक शोषण का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण में शामिल कुल चालीस फीसद महिलाओं ने अपने बेटों को दोषी ठहराया, जबकि इकतीस फीसद ने अपने रिश्तेदारों और सताईस फीसद ने अपनी बहुओं को जिम्मेदार बताया। रपट में यह खुलासा भी हुआ कि दुर्व्यवहार के बावजूद अधिकांश बुजुर्ग महिलाओं ने डर के कारण पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। एक बेहतर भविष्य के लिए हम अपनी अगली पीढ़ी को निधि समझते हुए उसकी बेहतर परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। मगर तमाम जिम्मेदारियां निभाते निभाते जब उम्र ढलने लगती और व्यक्ति शारीरिक तथा वित्तीय स्तर पर कमजोर होने लगता है, तो कई बार वह परिवार और समाज की उपेक्षा का शिकार होने लगता है।

बिहार चुनाव की घोषणा के बाद उठते सवाल

अशोक भाटिया

बिहार में ठीक एक महीने बाद दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान होगा। मतलब साफ है कि अब सोचने का समय नहीं है। परिणाम चाहे जो भी आए मुख्य रूप से 7 फैक्टर्स की भूमिका कहीं न कहीं से रहेगी ही। 19 साल से ज्यादा समय से राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की अग्निपरीक्षा तो है ही। लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी को उनके मुद्दों पर जनता का कितना साथ मिलता है यह भी पता चल जाएगा।

बिहार चुनाव के पुराने समीकरण खंगाले जाय तो बिहार में जिस पार्टी को जातिगत समीकरण मिलता है, वह जीतती है, जैसा कि एनडीए में भाजपा और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) ने पिछले दो दशकों में जीत हासिल की है। इस बार भी इस समीकरण पर भाजपा की पकड़ ढीली नहीं हुई है, इसलिए इस चुनाव ने भी उम्मीद के मुताबिक रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया है कि इस बार एनडीए को अस्थिर करने वाले दो फैक्टर फायदा उठाएंगे या हिट होंगे। बिहार में एक समय में तीन, पांच, सात चरणों में चुनाव होते थे, लेकिन इस बार सिर्फ दो चरणों में मतदान होगा। हैरानी की बात है कि भारत के चुनाव आयोग ने एक भी चरण में मतदान कराने की हिम्मत नहीं की है, जब देश में कहीं भी चुनाव नहीं होता है और सारी सुरक्षा एजेंसियां उपलब्ध हैं। अगर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की नीति लागू करनी है तो बिहार जैसे बड़े राज्य में एक ही चरण में चुनाव कराने की क्षमता आयोग के पास होनी चाहिए। मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा, यानी छठ पूजा पूरी होने के बाद नौवें दिन पहला चरण और छठ पूजा संपन्न होने के 14वें दिन दूसरा चरण होगा। हाल के दिनों में वोट चोरी के आरोपों के साथ, बिहार में मतदान की तारीखें एक बार फिर आयोग को आरोपियों के पिंजरे में डाल सकती हैं। बिहार में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 11 घंटे तक मतदान होगा। किसी ने भी मतदान की अवधि पर आपत्ति नहीं जताई होगी। हालांकि, विपक्ष को संदेह है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान शाम पांच बजे के बाद मतदान प्रतिशत अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है, जिसके बाद मतदान का समय बदल दिया गया है। बिहार में एक पोलिंग बूथ पर 1200 मतदाता हैं। अगर हर मतदाता को एक मिनट भी लगता है, तो भी हर किसी को वोट डालने में 20 घंटे लगेंगे। मान लीजिए कि मतदान 100 प्रतिशत नहीं है, अगर शाम 5 बजे के बाद लंबी कतारें लगती हैं, तो महाराष्ट्र में विवाद दोहराया जाएगा।

गौरतलब है कि 74 वर्षीय मुख्यमंत्री की तबीयत अब पहले जैसी नहीं रही है, और यही विपक्षी महागठबंधन का मुख्य हथियार बन गया है। विपक्ष का आरोप है कि अब नीतीश प्रशासन पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं, और राज्य एक सात-आठ सदस्यीय राजनीतिज्ञों और अफसरों का समूह चला रहा है। तेजस्वी यादव, जो नेता प्रतिपक्ष हैं, अक्सर नीतीश कुमार के समारोहों के वीडियो साझा करते हैं ताकि यह दिखा सकें कि सीएम अब उतने सक्रिय नहीं हैं। रविवार को पटना के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार के बार-बार हाथ जोड़ने का का वीडियो इसका ताज़ा उदाहरण है। हालांकि जेडीयू ने लगातार इन आरोपों का खंडन किया है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोमवार को कहा, वह (नीतीश) सभी फैसले खुद ले रहे हैं।। उनकी सेहत सिर्फ विपक्ष का मुद्दा है। सहयोगी भाजपा भी बार-बार यह कह रही है कि चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़े जा रहे हैं। लेकिन भाजपा यह बताने से बच रही है कि चुनाव के बाद क्या होगा।जाहिर है कि नीतीश के प्रति बिहार में अब भी जो सम्मान है उसके चलते भाजपा इस मुद्दे पर फूंक फूक कर कदम रख रही है। दरअसल डर यह है कि अगर नीतीश कुमार स्वस्थ नहीं हैं, यह बात आम लोगों तक पहुंच गया तो एनडीए के लिए स्थितियां माकूल नहीं रह सकेंगी। एनडीए ने विरोधी लहर को रोकने के लिए नीतीश कुमार पिछले कुछ महीनों से लगातार आम जनता की भलाई के लिए कोई न कोई फैसले ले रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं के लिए कई योजनाओं की झड़ी लगा दी है। अब तक 1।21 करोड़ महिलाओं को 10,000 रुपये जा चुके हैं ताकि वे कोई छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें। यह वितरण मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जारी रहेगा क्योंकि आचार संहिता चल रही योजनाओं पर लागू नहीं होती।राज्य सरकार 1।89 करोड़ परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा पहले ही कर चुकी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह किया गया है। जीविका, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाया गया है। साथ ही 18 से 25 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को दो वर्षों तक प्रति माह 1,000 रुपये भत्ता देने की घोषणा की गई है।

उधर बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष सघन जांच अभियान को राहुल गांधी ने मुद्दा बना दिया। उनका साथ देने के लिए पूरा इंडिया गुट आधे अधूरे मन से लग गया। बिहार में 17 अगस्त से लेकर एक सितंबर तक की राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने मिलकर यात्रा भी निकाली। दोनों नेताओं को देखने और सुनने के लिए भारी भीड़ भी जुटी पर जिस तरह तेजस्वी ने दुबारा यात्रा निकाली है और वोट चोरी के मुद्दे पर अब उनका उतना फोकस नहीं है, उससे तो यही लगता है कि महागठबंधन यह समझ चुका है कि यह मुद्दा फुस्स हो चुका है।मोदी सरकार पर वोट चोरी का आरोप कितना काम किया इसका नतीजा 14 नवंबर को बिहार चुनाव परिणामों के साथ ही आ जाएंगे। दूसरी तरफ एनडीए ने एसआईआर के विरोध को घुसपैठियों को प्रोत्साहन देने वाला बताया है। चुनाव परिणाम ये साबित करेगा आम लोगों को अपनी बात समझाने में कौन अधिक सफल रहा।

एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात बार-बार कहता तो है। पर चुनाव परिणाम आने के बाद उनके सीएम बनाने की बात पर भाजपा और जेडीयू दोनों ही ओर से एक तरह की चुप्पी ही है। दरअसल नीतीश की बिगड़ती सेहत को देखते हुए एनडीए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही अपनी मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। जबकि हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में मोदी ने स्थानीय नेतृत्व के भरोसे ही चुनाव अभियान को छोड़ रखा था। पर बिहार में ऐसा नहीं है।दरअसल महाराष्ट्र और हरियाणा की तरह पूरे प्रदेश में प्रभाव दिखाने वाला भाजपा का कोई स्थानीय नेता बिहार में नहीं है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के पास राज्यव्यापी जनअपील में वह प्रभाव नहीं है जो एनडीए को चाहिए। इसी तरह जनता दल यू में भी नीतीश कुमार ने कभी भी किसी को अपने डिप्टी के रूप में उभरने ही नहीं दिया।नीतीश कुमार जिस तरह बीमार दिख रहे हैं उसके चलते मोदी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है । क्योंकि जेडीयू के किसी भी नेता में राज्यव्यापी अपील नहीं है। जाहिर है कि सारा दारोमदर नरेंद्र मोदी पर ही है।

पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा रखी है।जन सुराज पार्टी (JSP) के बारे में कहा जा रहा है कि एनडीए के लिए यह पार्टी बहुत घातक साबित होने वाली है। पिछले कुछ दिनों में भाजपा के शीर्ष नेताओं पर उनके आरोपों ने सत्तारूढ़ दल को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के बारे में तो उन्होंने ऐसे आरोप लगाएं हैं कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को मुंह छुपाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बिहार की जातिगत राजनीति से ऊबे बहुत से लोगों के लिए किशोर का यह संदेश कि उनकी सरकार प्रवास, बेरोजगारी और सुशासन जैसे मुद्दों पर ध्यान देगी। जाहिर है कि बहुत से लोगों के लिए वो उम्मीद की किरण बन रहे हैं।

अस्पतालों में बढ़ते जानलेवा अग्निकांड

राज कुमार सिंह

राजस्थान का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल सवाई मान सिंह आधा दर्जन मरीजों के लिए जानलेवा साबित हुआ। ये मरीज राजस्थान ही नहीं, उत्तर प्रदेश तक से अपनी जीवन रक्षा के लिए जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल आये थे, लेकिन वहां पांच अक्तूबर की रात हुए अग्निकांड ने उनकी जान ले ली। अब मृतकों के परिजन अस्पताल की बदइंतजामी बयां कर रहे हैं, पर अस्पताल प्रशासन जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है। बेशक सरकार ने छह सदस्यीय जांच समिति बना दी है, लेकिन अतीत का अनुभव ज्यादा उम्मीद नहीं जगाता। अकसर ऐसी जांच समितियों की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाती। जांच की आंच शीर्ष प्रबंधन तंत्र तक तो पहुंचती ही नहीं। फिर राजस्थान सरकार की जांच समिति में तो स्वास्थ्य क्षेत्र और अग्निशमन प्रबंधन का कोई स्वतंत्र विशेषज्ञ ही नहीं है। इसलिए समिति से 'आग के कारण खोजने' और 'भविष्य में बचाव के उपाय' सुझाने की औपचारिकता से ज्यादा उम्मीद भी बेमानी होगी। कभी मुंबई को हादसों का शहर बताते हुए फिल्मी गीत लिखा गया था, पर भारत ही हादसों का देश बनता जा रहा है। अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान टेकऑफ करते ही क्रैश हो कर 260 लोगों के जीवन की अंतिम उड़ान बन जाता है। जवाब देने के बजाय सरकार सवाल उछाल देती है कि हादसे को कोई कैसे रोक सकता है? बाद में हादसे की जांच रिपोर्ट के कुछ हिस्से लीक कर जिम्मेदारी मृत पायलट पर डालने की साजिश भी सामने आती है। एक आईपीएल क्रिकेट टीम की खिताबी जीत के जश्न में दर्जन भर खेल प्रेमी भगदड़ से मर जाते हैं, पर कोई सबक नहीं सीखता। इसीलिए पिछले दिनों करूर में तमिल फिल्म अभिनेता विजय

के राजनीतिक रोड शो में भी 31 लोग भगदड़ में मर जाते हैं। परिस्थितिवश या प्राकृतिक आपदावश होनेवाले हादसे टाल पाना संभव नहीं, लेकिन इस तर्क की आड़ में मानव निर्मित हादसों की जिम्मेदारी और जवाबदेही से मुंह नहीं चुराया जा सकता। ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में भयावह आग लग जाना और उस पर त्वरित काबू पाने के जरूरी इंतजाम भी न होना तो प्रबंधन तंत्र की संवेदनहीनता और आपराधिक लापरवाही का ही प्रमाण है। आईसीयू में उन्हीं गंभीर मरीजों को रखा जाता है, जिन्हें चौबीसों घंटे चिकित्सकीय टीम की निगरानी और आधुनिकतम मशीनी तंत्र के सहयोग की जरूरत होती है। परिजनों को भी आईसीयू मरीजों के पास रुकने की इजाजत नहीं होती। आपात स्थिति में भी ये मरीज स्वयं बेड से उतर कर अपने बचाव के लिए नहीं भाग सकते। कुछ दूरी पर वेटिंग हॉल में मौजूद परिजन हादसे की तत्काल जानकारी मिलने पर अपने मरीजों को वहां से निकालना चाहें तो भी जरूरी मशीनी तंत्र के सहयोग बिना शायद वे ज्यादा समय जिंदा न रह पायें। आईसीयू के आसपास ऐसी चीजें क्यों थीं, जो शॉर्ट सर्किट का कारण बन सकती हों और जिनसे आग ज्यादा तेजी से फैल सकती हो? वैसी स्थितियों से निपटने के लिए बहुमंजिला इमारतों में सुरक्षित खुला निकास बिल्डिंग बायलॉज की अनिवार्यता है, जो परिजनों के मुताबिक सवाई मान सिंह अस्पताल में नहीं है।

आग बुझाने के उपकरण भी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे थे। आग ऊपर की मंजिल में लगी, जहां तक पानी पहुंचाने के लिए स्नार्कल लैडर मशीन की जरूरत थी। राजधानी जयपुर में भी उस मशीन को आने में सवा घंटा लग गया। बाकी शहरों में आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? आईसीयू में भर्ती मरीजों में से चार को बचाने के लिए अस्पताल प्रबंधन अपनी पीठ थपथपा रहा है, पर आधा दर्जन मरीजों के जीवित जल जाने की जिम्मेदारी कौन लेगा? किसी राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में बदइंतजामी का यह हाल है तो देश के मुनाफाखोर निजी अस्पतालों से क्या उम्मीद करेंगे? प्रत्यक्षदर्शियों ने भी पांच अक्तूबर की रात लगभग सवा 11 बजे लगी इस आग से बचाने के लिए परिजनों को बेड और गद्दे समेत अपने मरीजों को ले कर भागते देखा। अस्पताल प्रबंधन स्टाफ के जान बचा कर भाग जाने के आरोप स्वीकार नहीं करेगा, पर इस सच से कौन इनकार कर सकता है कि निजीकरण के इस दौर में ज्यादातर अस्पतालों में मध्यम और निचले वर्ग का स्टाफ बाहरी कंपनी से ठेके पर लिया जाता है, जो अग्निकांड आदि आपात स्थितियों से निपटने के लिए पूर्ण प्रशिक्षित नहीं होता। हर हादसा दुखद है और उसमें कालकवलित हो जानेवाला हर जीवन महत्वपूर्ण, लेकिन ज्यादा चिंताजनक है हमारे तंत्र की काहिली और संवेदनहीनता। दूसरे देशों में भी हादसे होते हैं, पर वहां जिम्मेदार लोगों को कठोर सजा देते हुए पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सबक सीखे जाते हैं, लेकिन हमारा तंत्र चंद दिन की गहमागहमी के बाद अगले हादसे तक कुंभकर्णी नींद सो जाता है। सिनेमाघर, मॉल और मनोरंजन पार्क के जानलेवा हादसों की चर्चा फिलहाल न भी करें तो यह आंकड़ा हमारे तंत्र को शर्मसार करनेवाला है कि जनवरी, 2020 से अक्तूबर, 2024 के बीच ही देश भर 100 से भी ज्यादा अस्पतालों में अग्निकांड हुए। सबसे भयावह हादसा 2011 का माना जाता है, जब कोलकाता के एएमआरआई अस्पताल में लगी आग में 89 लोग मारे गये थे।

आग बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट से लगी, जहां अवैध रूप से ज्वलनशील सामग्री जमा थी। अस्पताल का फायर अलार्म और डिटेक्शन सिस्टम भी बंद था, जिससे रेसक्यू ऑपरेशन में काफी समय लगा। फिर 2021 में विरार (मुंबई) के कोविड अस्पताल में लगी आग में 13 लोग मारे गये। बदइंतजामी का आलम यह कि वहां इमरजेंसी एग्जिट ढूंढना भी मुश्किल हुआ।

दरअसल एक रिपोर्ट के मुताबिक अस्पतालों में आग की 11 बड़ी घटनाओं में 107 लोग मारे गये, लेकिन न तो किसी को सजा हुई और न ही जवाबदेही तय की गयी। रिपोर्ट के मुताबिक हर अग्निकांड के कारण अकसर जाने-पहचाने पाये जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी व्यवस्था है कि सुधरती ही नहीं। आम व्यावसायिक इमारतों-स्थलों की तरह अस्पतालों में भी तमाम सुरक्षा इंतजाम कागजों पर ही पाये जाते हैं। फायर सेफ्टी ऑडिट भी कागजों पर ही हो जाता है। इसकी कलई खुलती है हादसे के बाद, जो हमारे तंत्र के लिए बस एक आंकड़ा बनते जा रहे हैं। इंडिया डिजिटल हो गया, अंतरिक्ष में भी झंडे गाड़ दिये, लेकिन ऐसे हादसों से बचाव के लिए जरूरी कदमों-उपायों की निगरानी के लिए केंद्र सरकार ने भी अभी तक कोई राष्ट्रीय ट्रैकिंग सिस्टम नहीं बनाया है।

डाक: केवल सेवा नहीं विश्वास और आशा का प्रतीक

आरके जैन

जब दुनिया की रफ्तार डिजिटल संदेशों, त्वरित सूचनाओं और स्क्रीन की चमक में उलझी हुई है, तब एक दिन ऐसा आता है जो हमें रुकने, ठहरने और उन पलों को याद करने का अवसर देता है, जब एक कागज का टुकड़ा, स्याही की कुछ बूंदें और किसी प्रियजन की लिखावट दिलों को जोड़ने का सबसे मजबूत जरिया बनती थी। 9 अक्टूबर, विश्व डाक दिवस, केवल डाक सेवाओं का उत्सव नहीं है; यह उन अनकही कहानियों, भावनाओं और मानवता के उस अटूट बंधन का सम्मान है, जो समय और दूरी की सीमाओं को लांघकर हमें एक-दूसरे के करीब लाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संचार केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि दिलों का मिलन, आशा का संदेश और विश्वास का प्रतीक है। एक पत्र, जो किसी अनजान डाकिए के कंधों पर सवार होकर सुदूर गांवों, पहाड़ों या समुद्रों को पार करता है, वह केवल कागज नहीं, बल्कि एक कहानी, एक सपना और एक रिश्ता लेकर चलता है। विश्व डाक दिवस की शुरुआत 9 अक्टूबर 1874 को हुई, जब स्विट्जरलैंड के बर्न में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यू.पी.यू.) की स्थापना हुई। इस संगठन ने विश्व भर की डाक प्रणालियों को एक सूत्र में बांधकर संचार को सरल और सुलभ बनाया। उस समय यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं थी। यह वैश्विक सहयोग का एक ऐसा प्रतीक था, जिसने देशों की भौगोलिक और सांस्कृतिक दूरी को पाटकर एक वैश्विक डाक नेटवर्क की नींव रखी। आज यू.पी.यू. के 192 सदस्य देश इस नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो हर साल अरबों पत्रों और पार्सलों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है। लेकिन इसकी कहानी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उन असंख्य लोगों की कहानी है, जिनके लिए डाकघर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि आशा, अवसर और संवेदनाओं का केंद्र रहा है। डाक सेवाओं का इतिहास मानव सभ्यता के विकास का एक अनोखा दस्तावेज है। भारत में डाक व्यवस्था की जड़ें प्राचीन काल तक जाती हैं, जब राजा-महाराजा अपने संदेशवाहकों के जरिए पत्र भेजते थे। लेकिन आधुनिक डाक प्रणाली की शुरुआत 1854 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई, जब भारत में पहली डाक टिकट जारी की गई। आज भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी डाक प्रणालियों में से एक है, जिसमें 1.55 लाख डाकघर हैं, जिनमें से 89% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। ये डाकघर उन लाखों लोगों के लिए संचार का एकमात्र साधन हैं, जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन अभी भी एक सपना हैं। भारतीय डाक ने न केवल पत्रों को पहुंचाया, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों के संदेशों को गुप्त रूप से प्रसारित करने, ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डाक सेवाओं ने मानव इतिहास के सबसे कठिन दौर में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया युद्ध की आग में जल रही थी, डाक सेवाओं ने सैनिकों और उनके परिवारों को जोड़े रखा। एक सैनिक का पत्र, जो खाइयों में लिखा गया और मीलों की दूरी तय करके उसके परिवार तक पहुंचा, वह केवल शब्दों का संग्रह नहीं था। वह पत्र आशा, प्रेम और जीवित रहने की प्रेरणा का प्रतीक था। आज भी, प्राकृतिक आपदाओं और महामारियों के समय, जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, डाक सेवाएं निर्बाध रूप से काम करती हैं। 2020 की कोविड-19 महामारी के दौरान, भारतीय डाक ने दवाइयों, आवश्यक सामग्रियों और सरकारी सहायता को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया, जिसने लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा का काम किया।

विश्व डाक दिवस केवल अतीत की गौरव गाथा नहीं गाता, बल्कि डाक सेवाओं के बदलते स्वरूप को भी रेखांकित करता है। आज डाकघर केवल पत्र और पार्सल तक सीमित नहीं हैं। भारत में डाक विभाग ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आई.पी.पी.बी.) के जरिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां बैंकिंग सुविधाएं दुर्लभ हैं, डाकघर बचत खाते, बीमा और डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, डाक सेवाएं ई-कॉमर्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी करके भारतीय डाक ने ग्रामीण और शहरी भारत को जोड़ा है, जिससे छोटे व्यवसायों और स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का मौका मिला है।

डाक टिकटें भी विश्व डाक दिवस का एक अनूठा पहलू हैं। ये छोटे-छोटे कागज के टुकड़े केवल भुगतान का साधन नहीं हैं, बल्कि संस्कृति, इतिहास और विज्ञान की कहानियां बयां करते हैं। भारत ने हाल के वर्षों में पर्यावरण संरक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, और स्वतंत्रता सेनानियों जैसे विषयों पर टिकटें जारी की हैं। ये टिकटें न केवल संग्रहकर्ताओं के लिए मूल्यवान हैं, बल्कि नई पीढ़ी को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का एक माध्यम भी हैं।

इंतज़ार से डबल टिक तक

डॉ. सुरेश कुमार

बधाई हो मिसिर जी! कांग्रेचुलेशंस, मुबारक हो कि आप अब पूरी तरह से 'डिजिटल' हो गए हैं। एक ही झटके में आपके जीवन से डाकिये की साइकिल की घंटी, पीले पोस्टकार्ड का इंतज़ार और अंतर्देशीय पत्र की गोंद वाली महक, सब ग़ायब हो गए हैं। आप उस भीड़ से बच गए जो कभी खतों के इंतज़ार में दरवाज़े पर टकटकी लगाए रहती थी। क्या बेहतरीन क़िस्मत लिखाकर लाए हैं आप! अब आपको खत लिखने के लिए कलम उठाने, पते पर पिनकोड याद करने और लाल डिब्बे तक चलकर जाने की ज़हमत नहीं उठानी पड़ेगी। निज़ाम ने आपके जीवन को इतना सरल बना दिया है, इतनी असुविधाओं से आपको मुक्त कर दिया है कि अब आप एक क्लिक में अपनी हर भावना व्यक्त कर सकते हैं, बशर्ते आपके पास 4जी कनेक्शन और एक अच्छा डेटा-पैक हो। अब विश्व डाक दिवस जैसे दिन आएँगे और चले जाएँगे, पर आप पर कोई असर नहीं होगा। आप उन पुरानी यादों में कुचले जाने से बच गए हैं, जो अब सिर्फ़ किताबों और बूढ़े लोगों की यादों में ही मिलेगा।

यकीनन कोई दैवीय 'प्रगतिशील' शक्ति ही है जो सिस्टम की मर्ज़ी के अनुसार आपको बार-बार पुरानी, बोझिल चीज़ों से आज़ाद करा रही है। उस रोज़ जब आपने अपनी बेटी को राखी के साथ एक चिट्ठी भेजने की सोची थी, तब भी बच गए आप। अमेज़ॅन के ड्रोन ने राखी पहुँचा दी और गूगल-पे से शगुन चला गया। चिट्ठी का क्या करते? आपके शरीर में यादों की प्रतिरोधक क्षमता है, मगर इस 'डिजिटल प्रोग्रेस' के आगे प्रतिरोध का साहस नहीं है। आप तब भी बच गए जब अपने पुराने दोस्त से माफ़ी माँगने के लिए एक लंबा खत लिखने बैठे थे। आपकी पोती ने एक 'सॉरी' वाला जिफ भेजकर मामला मिनटों में रफ़ा-दफ़ा कर दिया। सोचिए, आपका कितना समय और कितनी भावनाएँ बच गईं! और तब तो चमत्कार ही हो गया जब आप अपनी पहली प्रेम-कहानी को याद कर रहे थे, वो काग़ज़ पर लिखे शब्द, वो स्याही के धब्बे, वो सूखकर रखे गए गुलाब की पत्तियाँ। आपके फ़ोन ने आपको नोटिफ़िकेशन भेजा – 'मेमोरीज़ फ्रॉम 10 इयर्स एगो', जिसमें आपकी और आपकी पत्नी की एक सेल्फ़ी थी। कितना आसान हो गया है यादों को सँजोना, नहीं? प्रशासन ने तो आपकी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ी है आपको आधुनिक बनाने में। उधर 'मिनिस्ट्री ऑफ़ नॉस्टैल्जिया' (स्मृति मंत्रालय) में क़यामत का माहौल है। वहाँ के मंत्री, श्री यादकुमार जी, अपने सिर पर बर्फ़ की थैली रखे हुए हैं और उनके अंडर-सेक्रेटरी, मिस्टर एहसास, बार-बार कॉफ़ी पीकर ख़ुद को जगाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। यादकुमार जी चीखे, व्हाट द हेल इज़ दिस, एहसास? हमारे 'इमोशनल-सर्वर' क्रैश क्यों हो रहे हैं? ये 'अनएक्सप्रेस्ड-लव' का डेटा-ट्रैफ़िक अचानक इतना कैसे बढ़ गया?

मिस्टर एहसास ने अपनी काँपती हुई आवाज़ में रिपोर्ट पेश की, सर, इट इज़ अ टोटल मैस! आर्यावर्त में जब से पोस्टकार्ड, इनलैंड लेटर और लाल डिब्बे हटाए गए हैं, तब से जो भी भावनाएँ उन खतों के ज़रिए ट्रैवल करती थीं, वो सब 'ऑर्फ़न-डेटा' बनकर हमारे सर्वर पर हिट कर रही हैं। सर, लाखों 'अनकही शुभकामनाओं' के पैकेट, हज़ारों 'अधूरी माफ़ियों' की फ़ाइलें और करोड़ों 'बेनाम प्रेम-पत्रों' का डेटा-फ्लड आ गया है। आवर सिस्टम इज़ नॉट डिज़ाइन्ड टु हैंडल सो मच अनसेंट-इमोशन!

यादकुमार जी और बौखला गए, सो व्हाट आर वी सप्पोज़्ड टु डू? इन भावनाओं का क्या करें? इन्हें डिलीट कर दें? ये तो राष्ट्रीय धरोहर हैं! ये 'मिनिस्ट्री ऑफ़ प्रोग्रेस' वाले हमें इन्फ़ॉर्म भी नहीं करते! एक झटके में पूरा इमोशनल-इकोसिस्टम ही बदल दिया! सॉरी सर, एहसास ने कहा, प्रोग्रेस इज़ लाइक दैट ओनली। इट डज़ नॉट वेट फ़ॉर इमोशन्स। मैंने उन्हें कॉल किया था। दे सेड, 'इट्स ओल्ड टेक्नोलॉजी। लेट पीपल यूज़ व्हाट्सएप'।

करवाचौथ व्रत में पूजा करते समय महिलाएं लाल रंग क्यों पहनती हैं

लाल रंग की साड़ी पहनें

करवा चौथ पर पहनावा भी मायने रखता है. लाल रंग पारंपरिक रूप से प्रेम, शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लाल साड़ी पहनने से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। रंग के महत्व को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह छोटे उपाय भी रिश्तों में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

हमारे देश में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है।इस रंग को विवाहित और सुहाग का प्रतीक माना जाता है। सुहागिन महिला इस रंग को कुछ खास अवसरों पर जरूर धारण करती है।फिर चाहे वो वट सावित्री हो या करवाचौथ व्रत।इन दिनों में महिलाएं लाल रंग के कपड़े पहनना विशेष रूप से पसंद करती हैं, आप को बता दें कि लाल रंग प्रेम का भी प्रतीक माना जाता है।इसके अलावा इसके पीछे धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व भी जुड़ा होता है।यह परंपरा सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि एक गहरा प्रतीकात्मक अर्थ लिए होती है।

लाल रंग पहनने का महत्व और कारण:

1.शुभता और सौभाग्य का प्रतीक

लाल रंग को हिंदू संस्कृति में शुभ, ऊर्जा, और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है.
यह रंग देवी दुर्गा और लक्ष्मी से जुड़ा है, जो शक्ति और समृद्धि की देवी हैं.

2. विवाहिता स्त्री की पहचान

लाल रंग विशेष रूप से विवाहिता महिलाओं से जुड़ा होता है।जैसे सिंदूर, चूड़ी, बिंदी आदि.
करवाचौथ का व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है, इसलिए लाल रंग पहनना इस भावना को दर्शाता है।

3. प्रेम और समर्पण का रंग

लाल रंग प्रेम, उत्साह और समर्पण का प्रतीक है।यह पति-पत्नी के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

4. धार्मिक दृष्टिकोण से ऊर्जा का संचार

पूजा-पाठ में लाल रंग को सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति से जोड़कर देखा जाता है।
व्रत के दिन लाल रंग पहनने से मनोबल बढ़ता है और पूजा में एकाग्रता आती है.

5.परंपरा और सांस्कृतिक विरासत

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार, करवाचौथ पर लाल रंग पहनना एक सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।
यह न सिर्फ धार्मिक भावना को दर्शाता है, बल्कि सामूहिक उत्सव का हिस्सा भी बनता है.

लाल रंग के साथ क्या पहनें ?

लाल साड़ी, सूट या लहंगा के साथ गोल्डन या कांच की चूड़ियां।
सिंदूर, बिंदी और मांगटीका से पूरा पारंपरिक लुक.
चाहें तो हल्का मेकअप और लाल लिपस्टिक से लुक को पूरा करें।

कैसे करें गुरुवार व्रत की शुरुआत ?

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत के लिए होता है। अग्नि पुराण में उल्लेख मिलता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने काशी में शिवलिंग की स्थापना की थी, जिस वजह से इस दिन विधि-विधान से पूजा करने और व्रत रखने का महत्व थोड़ा ज्यादा बढ़ जाता है. गुरुवार व्रत और पूजा करने से गुरु दोष मिटता है, वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर होती हैं और लक्ष्मी नारायण की कृपा मिलती है. गुरुवार के दिन व्रत रखने से धन, समृद्धि, संतान और सुख-शांति की प्राप्ति होती है. गुरुवार व्रत कब शुरू करना चाहिए?

गुरुवार व्रत विधि और नियम

गुरुवार व्रत का प्रारंभ आप किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से कर सकते हैं.
इस व्रत को 16 गुरुवार तक रखा जाता है. उसके बाद गुरुवार व्रत का उद्यापन कर दें।
गुरुवार के दिन व्रत शुरू करने के लिए आप ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें
एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करके व्रत का संकल्प लें।
फिर केले के पौधे की जड़ में चने की दाल, गुड़ और मुनक्का चढ़ाकर भगवान विष्णु की पूजा करें।
उसके बाद दीपक जलाएं, गुरुवार व्रत कथासुनें और भगवान बृहस्पति भगवान की आरती करें.
आरती के बाद आचमन करें.
मान्यता है कि जो जातक इस दिन व्रत रखते हैं, उन्हें पीले वस्त्र धारण करने चाहिए और पीले फल-फूलों का दान करना चाहिए.
ऐसा करने से लाभ मिलता है।
भगवान विष्णु को हल्दी चढ़ाने से मनोकामना पूरी होती है और पुण्य फल की प्राप्ति होती है।
गुरुवार के दिन किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न और धन का दान करने से भी पुण्य प्राप्त होता है।
मान्यता है कि केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास होता है. इसी कारण गुरुवार के दिन केले के पौधे की पूजा की जाती है।

आज शुक्र का कन्या राशि में प्रवेश

9 अक्टूबर को शुक्र ग्रह सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेगा। ये ग्रह 2 नवंबर तक इसी राशि में रहेगा, इसके बाद तुला राशि में प्रवेश करेगा।

मेष-शुक्र इस राशि के रोग, शत्रु और ऋण के भाव में रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। हालांकि, करियर में मेहनत का फल मिलेगा। विरोधी शांत रहेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ- शुक्र आपके प्रेम, संतान और शिक्षा के भाव में रहेगा। प्रेम संबंध में सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय अच्छा है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। लाभ होने की संभावना है।

मिथुन- शुक्र आपकी कुंडली के सुख, माता और वाहन के भाव में रहेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा। इस राशि के कुछ लोग नया घर या वाहन खरीदने पर विचार कर सकते हैं। माता से आर्थिक लाभ संभव है।

कर्क- ये ग्रह आपके पराक्रम, छोटे भाई-बहन और संचार के भाव में रहेगा। आपके प्रयासों में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों से संबंध अच्छे रहेंगे। वाणी में मिठास आएगी, जिससे कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

सिंह- इस राशि के लिए शुक्र अब आपके धन और कुटुंब के भाव में रहेगा। ये बदलाव आपके लिए आर्थिक मजबूती लाएगा। करियर में तरक्की मिल सकती है और रुके हुए काम पूरे होंगे। धन संचय करने में सफल होंगे।

कन्या- शुक्र आपकी कुंडली के लग्न यानी प्रथम भाव में रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। हालांकि, आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा। दांपत्य जीवन की परेशानियां समाप्त हो सकती हैं। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और वेतन वृद्धि मिल सकती है।

तुला-ये ग्रह आपकी कुंडली के व्यय और विदेश भाव में रहेगा। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, विशेषकर सुख-सुविधाओं पर। विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक भागदौड़ से बचें।

वृश्चिक- शुक्र आपके आय और लाभ के भाव में रहेगा। ये समय आपके लिए बेहद शुभ हो सकता है। नौकरी में पदोन्नति की खबर मिल सकती है। व्यापार में लाभ होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कला और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है।

धनु- ये गोचर आपके कर्म या करियर के भाव में होगा। करियर में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों या वरिष्ठों से अधिक अपेक्षाएं रह सकती हैं। धैर्य से काम लें, निवेश संबंधी फैसले सावधानी से करें।

मकर- शुक्र का गोचर आपकी कुंडली के भाग्य और धर्म के भाव में होगा। भाग्य का साथ मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। उच्च शिक्षा के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ- शुक्र आपके आयु, अनुसंधान और अचानक लाभ के भाव में रहेगा। अचानक धन लाभ की संभावना बन सकती है। स्वास्थ्य के मामलों में ध्यान दें। शोध या गुप्त कार्यों में लगे लोगों को सफलता मिल सकती है।

मीन- शुक्र आपके दांपत्य जीवन और साझेदारी के भाव में रहेगा। वैवाहिक जीवन में तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता है। साझेदारी के व्यापार में लाभ हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा।

सबसे पहले करवाचौथ व्रत किसने किया था ?

करवाचौथ व्रत हिंदू संस्कृति का एक बेहद खास और पवित्र त्योहार है, जो पति-पत्नी के अटूट प्रेम और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। हर साल सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख और समृद्धि के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर व्रत तोड़ती हैं।लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि करवाचौथ व्रत सबसे पहले किसने रखा था और इसकी शुरुआत कैसे हुई? इसकी जड़ें हमारे प्राचीन पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में छिपी हैं।

पौराणिक कथा – रानी वीरावती की कहानी

करवाचौथ व्रत की शुरुआत की सबसे प्रसिद्ध कथा रानी वीरावती से जुड़ी है।कहा जाता है कि वीरावती सात भाइयों की इकलौती बहन थीं और उनसे बहुत प्यार पाती थीं। विवाह के बाद जब उनका पहला करवाचौथ आया, तो वे अपने मायके चली गईं और व्रत रखा।पूरे दिन बिना पानी और भोजन के वे अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती रहीं।शाम होते-होते भूख-प्यास से उनकी हालत खराब हो गई।अपनी बहन की यह दशा देखकर भाइयों से रहा नहीं गया। उन्होंने छल से एक दर्पण में दीपक की रोशनी दिखाकर कहा कि चांद निकल आया है।वीरावती ने यह सोचकर व्रत तोड़ दिया।जैसे ही उन्होंने पहला निवाला खाया, उन्हें अपने पति की मृत्यु का समाचार मिला।

यह सुनकर वीरावती फूट-फूटकर रोने लगीं और अपने पति के शव के पास जाकर पूरे मन से भगवान से प्रार्थना करने लगीं।उनकी सच्ची श्रद्धा और पतिव्रता भावना से प्रसन्न होकर देवी पार्वती ने उन्हें वरदान दिया और उनके पति को पुनः जीवित कर दिया।तभी से यह व्रत सौभाग्य की रक्षा और पति की दीर्घायु के लिए रखा जाने लगा।

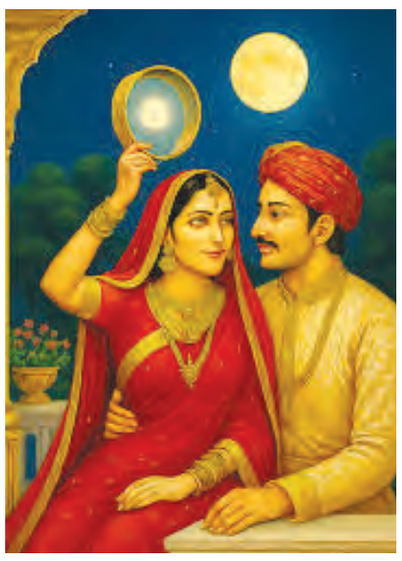

अन्य कथाएं और मान्यताएं

एक अन्य कथा के अनुसार, करवा नाम की एक सती स्त्री ने अपने पति को मगरमच्छ से बचाने के लिए यमराज तक से युद्ध कर लिया था।उसकी सच्ची भक्ति और प्रेम से प्रभावित होकर यमराज ने उसके पति का जीवन वापस कर दिया।इसलिए कई जगहों पर करवाचौथ को "करवा की कथा" से जोड़ा जाता है।इसके अलावा महाभारत काल में भी इस व्रत का उल्लेख मिलता है।

कहा जाता है कि द्रौपदी ने भी अर्जुन के लिए करवाचौथ व्रत रखा था, जब वे तपस्या करने के लिए नीलगिरि पर्वत गए थे।

व्रत का महत्व

करवाचौथ व्रत न केवल पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है, बल्कि यह पति-पत्नी के बीच विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक है।इसे केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि परिवार की एकता और सकारात्मक ऊर्जा का पर्व भी माना जाता है।चांद को देखकर और पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ने की परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और प्रेम के साथ निभाई जाती है, जैसी रानी वीरावती ने सबसे पहले निभाई थी।

मनी प्लांट लगाने से नहीं मिल रहा सही फायदा, तो करें यह उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट रखने की सबसे शुभ दिशा दक्षिण पूर्व यानी (आग्नेय कोण) माना जाता है। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है, जो घर में ऊर्जा उत्साह और समृद्धि लाती है।अग्नि कोण के स्वामी भगवान कुबेर माने जाते हैं, जो धन और वैभव के देवता है।इसलिए जब मनी प्लांट को इस दिशा में रखा जाता है तो लोगो की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है।वास्तु के मुताबिक मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखने से माता लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। इस दिशा में भूलकर भी ना लगाये

मनी प्लांट

वहीं, मनी प्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में नहीं रखना चाहिए।यह दिशा जल तत्व से जुड़ी होती है और यहां मनी प्लांट लगाने से लोगों को धन हानि आर्थिक रुकावट होती है। साथ ही बार-बार पैसों की तंगी और शारीरिक समस्याएं जैसी कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है।इसके अलावा उत्तर दिशा में से रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा में भी कमी आती है।

ऐसे रखें मनी प्लांट का ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को घर के अंदर लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है।इसे ऐसे स्थान पर रखें जहां रोशनी आती हो, लेकिन सीधी धूप न पड़े।यह पौधा छाया में भी अच्छी तरह पनपता रहता है और घर के वातावरण को शुद्ध रखता है।वास्तु के अनुसार रात के समय मनी प्लांट को छूना या पानी देना बहुत अशुभ माना जाता है।मनी प्लांट को सूखने या पीला होने से बचाना भी बहुत जरूरी है।क्योंकि इससे घर की ऊर्जा पर असर पड़ता है।सूखे और मुरझाए पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।इसलिए समय-समय पर इसके सूखे और पीले पत्तों को हटाते रहे और पौधों को साफ सुथरा रखें।

मनी प्लांट से लाभ पाने के लिए करें ये उपाय

मनी प्लांट से जुड़े धन लाभ के लिए उपाय वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में पानी डालते समय उसमें थोड़ा सा दूध मिलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। यह उपाय घर में धन के प्रभाव को बढ़ाता है और आर्थिक परेशानियों को दूर करता है।

श्री कृष्ण दीवानी मीराबाई की अमर प्रेम कहानी

भक्ति और प्रेम के अद्भुत मेल की मिसाल भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त तथा निश्छल भक्ति रूपी गगन में ध्रुव तारे की भांति अडिग एक दिव्य नाम है चिरवंदनीय 'मीराबाई' जी का, जो एक आध्यात्मिक कवयित्री होने के साथ-साथ अध्यात्म पथ का अनुसरण करने वाले पथिकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने चरित्र से सार्थक किया कि प्रेम विहीन भक्ति सदैव अधूरी है। निश्छल प्रेम आत्म तत्व की रचना है, जिसे मीरा जी ने अनुभव किया। कलिकाल में प्रेमाभक्ति को चरमोत्कर्ष प्रदान करने वाली दिव्य ऊर्जा माता मीरा के निश्चल प्रेम को शब्दों में व्यक्त करते हुए शब्द भी निःशब्द से हो जाते हैं :

प्राकट्य : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार सन 1498 ईस्वी के करीब जोधपुर के चोकड़ी नामक ग्राम में मेड़ता राजस्थान के राठौर श्री रतन सिंह घर संत आत्मा श्री मीरा देवी का जन्म हुआ था।

कृष्ण भक्ति में रुचि

इनकी माता जी योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की उपासक थीं। माता के संग बचपन से ही श्रीकृष्ण का गुणगान श्रवण करते-करते इन्हें श्रीकृष्ण चरणों से अनुराग बाल्यकाल से ही हो गया था पर भगवान कृष्ण संग आत्मिक संबंध का बीज बालहृदय पर उस समय अंकुरित हुआ, जब वह अपनी माता के संग पड़ोस की एक कन्या के विवाह में गई।
वहां वर-वधू को सजा संवरा देख कर मीरा जी ने अपनी मां से पूछा मेरा पति कौन है? मां ने मुस्कुराते हुए भगवान कृष्ण की मूर्ति उठाकर हंसते हुए मीरा के हाथ में थमा कर कहा यह तेरा पति है। मां के वचन मीरा के हृदय में अंकित हो गए। अब भोर काल से ही भगवान कृष्ण की सेवा-उपासना करना मानो मीरा जी का नित्य-नियम और धर्म बन गया। सांस-सांस में श्रीकृष्ण का स्मरण करने वाली मीरा ज्यों-ज्यों बढ़ रही थीं उनके अंतःकरण में श्री कृष्ण के प्रति भाव भक्ति भी बढ़ रही थी।

विवाह

मीरा जी के पिता ने इनका विवाह संस्कार 13 वर्ष की आयु में उदयपुर के राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र महाराज कुमार भोजराज के साथ किया। एक किंवदंती के अनुसार जब इनका विवाह हुआ तो फेरों की विधि के समय मीरा जी ने भगवान कृष्ण की वही मूर्ति अपने वक्ष से लगाए रखी।

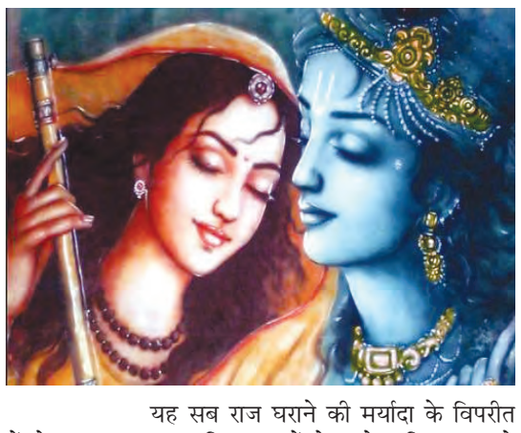

विवाह संस्कार संपन्न हुआ, मीरा जी ससुराल आईं तो पति महाराज भोजराज से भेंट हुई। मीराबाई जी ने पति से कहा कि आप मात्र मेरे तन के स्वामी हैं, मेरी आत्मा के स्वामी तो भगवान श्री कृष्ण हैं।

'जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई'।

वही मेरे आत्मापति हैं। आरंभ में तो महाराज भोजराज ने मीरा जी के इन भावों को गंभीरता से नहीं लिया किन्तु धीरे-धीरे इनका भक्ति भाव राज घराने की आंखों में खटकने लगा, किंतु मीरा जी की भक्ति में जरा भी अंतर नहीं आया। इनके पति कुछ वर्षों बाद ही संसार को छोड़ गए, ऐसे में मात्र भगवान कृष्ण ही इनके एकमात्र सहारा थे ।

विधवा होने पर भी मीरा जी ने श्रृंगार नहीं त्यागा, वह तो अपने आत्मापति श्री कृष्ण के लिए श्रृंगार करती थीं। मीरा जी ठाकुर द्वारे में जाकर भगवान श्री कृष्ण के सम्मुख लोक लाज और मिथ्या आडम्बरों से दूर हो पैरों में घुंघरु बांधकर करताल बजा-बजाकर नृत्य करती हुई निज भावों को गातीं :

पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे । लोग कहै मीरां भई रे बावरी, सास कहै कुलनासी रे।।

इस प्रकार अपनी प्रेम जनित अश्रुधारा से भगवान श्री कृष्ण के चरणों को पखारती थीं।

यह सब राज घराने की मर्यादा के विपरीत था। परिवार वालों ने इनके भक्ति भाव को भक्ति न जानकर कुल मर्यादाओं में सेंध समझा। मीरा को कुटुंबजनों के अनेकों अमर्यादित कटु वचनों को ही नहीं सुनना पड़ा, बहुत दुर्व्यवहार भी सहना पड़ा। इन्हें मारने के लिए राणा ने विष भेजा। उन्होंने अपने ही मुख से कहा :

धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका, अदालत ने विदेश जाने से किया इनकार

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को अब बॉम्बे हाई कोर्ट से झटका लगा। कोर्ट ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को कोलंबो जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि यदि उन्हें विदेश जाना है, तो पहले उन्हें 60 करोड़ रुपए जमा करने होंगे, इसके बाद ही वो विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। जाहिर है कि आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है, इसलिए दोनों ही जांच एजेंसी या अदालत की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर सकते।

अदालत ने कहा पहले पैसे दें, फिर जाएं

शिल्पा शेट्टी के वकील ने कोर्ट में बताया कि अभिनेत्री को एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जाना है। यह कार्यक्रम 25 से 29 अक्टूबर तक आयोजित है। हालांकि, जब अदालत ने वकील से पूछा कि क्या उनके पास कोई निमंत्रण है, तो शिल्पा के वकील ने कहा कि जब तक यात्रा की अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक कोई निमंत्रण जारी नहीं किया जाएगा। अभिनेत्री ने केवल फोन पर बात की थी। इस पर अदालत ने कहा कि दंपति पहले धोखाधड़ी के आरोपों के लिए 60 करोड़ रुपये का भुगतान करें, उसके बाद मामले पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई अब 14 अक्टूबर को होगी।

एक दिन पहले शिल्पा से हुई थी पूछताछ

इससे पहले कल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस मामले में शिल्पा शेट्टी से पूछताछ की थी। जानकारी के मुताबिक, शिल्पा से लगभग 5 घंटे तक पूछताछ हुई थी। शिल्पा से उनके आवास पर पूछताछ हुई थी। पूछताछ के दौरान शिल्पा शेट्टी ने अपनी विज्ञापन कंपनी के बैंक खाते में कथित लेनदेन की जानकारी दी। साथ ही शिल्पा ने पुलिस को कई दस्तावेज उपलब्ध कराए, जिनकी जांच अधिकारी कर रहे हैं।

शिल्पा ने खुद को बताया साइलेंट पार्टनर

शिल्पा शेट्टी से ईओडब्ल्यू की टीम ने कंपनी में उनकी भूमिका, निवेश निर्णयों में उनकी भागीदारी और वित्तीय दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर से जुड़े कई सवाल पूछे। सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री ने खुद को 'एक साइलेंट पार्टनर' बताया और कहा कि कंपनी के सारे ऑपरेशनल फैसले उनके पति राज कुंद्रा लेते थे।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार श्रीलीला

23 साल की ये हसीन अदाकारा अपनी खूबसूरती और अदाकारी से सबका दिल जीत लेती हैं. साउथ की कई फिल्मों की ये स्टार एक्ट्रेस जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं. अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' के 'किसिक' गाने से पूरे देश में छा जाने वाली इस एक्ट्रेस ने 22 साल की उम्र में 2 बच्चियों को गोद लिया था. चलिए एक्ट्रेस से आपको मिलवाते हैं.

साउथ की मशहूर अदाकारा

जी हम बात कर रहे हैं साउथ की मशहूर अदाकारा श्रीलीला की, जिन्होंने तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है. अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' के 'किसिक' गाने से एक्ट्रेस रातोंरात स्टार बन गईं. आज उनकी पहचान पूरे देशभर में है.

करने वाली है बॉलीवुड डेब्यू

सोशल मीडिया पर एक्टिव श्रीलीला के आज लाखों फॉलोवर्स हैं. यहां एक्ट्रेस अक्सर अपनी हसीन फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. साउथ की फिल्मों में धमाल मचाने वाली श्रीलीला अब जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं.

कार्तिक आर्यन संग आएंगी नजर

खबर है कि वो जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं. उनकी इस अपकमिंग फिल्म को 'आशिकी' फ्रेंचाइजी से जोड़ा जा रहा है. दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

अनाथालय से दो बच्चियों को लिया गोद

बता दें कि श्रीलीला जब 22 साल की थीं तब उन्होंने अनाथालय से 2 बच्चियों को गोद लिया था. तब से ही एक्ट्रेस एक जिम्मेदार 'मां' का फर्ज भी निभा रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरूआत कन्नड़ फिल्म 'किस' से की थी.

23 साल में बिना शादी बन चुकी है 2 बच्चों की मां

सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर

अपने बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही श्रीलीला काफी पॉपुलर हो गई हैं. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस काफी फेमस हैं. उनकी फैन फॉलोइंग भी तगड़ी है. उनका सिजलिंग लुक हमेशा लोगों का दिल जीत लेता है.

मोहनलाल ने की सेना प्रमुख से मुलाकात; बोले- 'सम्मान पाकर अच्छा लगा, 16 साल से सेना का हिस्सा हूं'

अभिनेता मोहनलाल को हाल ही में दादासाहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब अभिनेता ने आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अभिनेता ने इसे अपने लिए सम्मान की बात बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख से उनकी क्या बात हुई।

टीए बटालियन को लेकर की बात

मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि सेना प्रमुख से प्रशंसा पाना एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान की बात है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी इसका एक कारण है। हमारी मुलाकात अच्छी रही और हमने एक छोटा सा लंच भी किया। यह सेना के जवानों की तरफ से एक बड़ा सम्मान है। एक्टर ने कहा कि मैं भी पिछले 16 साल से इस सेना का हिस्सा रहा हूं। हमने इस बारे में बातचीत की कि कैसे टीए बटालियन में और अधिक दक्षता लाई जाए और हम देश के लिए क्या कर सकते हैं।

सेना पर आधारित फिल्मों में काम करने की जताई इच्छा

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में एक्टर मोहनलाल ने आगे बताया कि वह भारतीय सेना पर केंद्रित और भी फिल्मों में काम करने के लिए उत्सुक हैं। बता दें कि इससे पहले मलयालम सुपरस्टार को शनिवार को तिरुवनंतपुरम में 'मलयालम वनोलम लालसालम' कार्यक्रम में उनकी उपलब्धि के लिए केरल सरकार द्वारा सम्मानित किया गया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मोहनलाल को केरल सरकार की ओर से कवि प्रभा वर्मा द्वारा लिखित एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

विजय ने करूर भगदड़ पीड़ितों से की बात, वीडियो कॉल के जरिए हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

अभिनेता व राजनेता थलापति विजय ने करूर में उनकी रैली में हुई भगदड़ के पीड़ितों को मदद का भरोसा दिया है। एक्टर ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए पीड़ितों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

विजय ने दिया मदद का आश्वासन

इससे पहले विजय को पीड़ित परिवारों से न मिलने के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब तमिलगा वेत्री कज़गम पार्टी के प्रमुख विजय ने एक पीड़ित परिवार से वीडियो कॉल के जरिए बात की है। पीड़ित परिवार की ओर से खुद इस बारे में बताया गया। परिवार ने बताया कि विजय ने मेरे दामाद को फोन किया और घटना के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने इस घटना पर खेद व्यक्त किया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। साथ ही विजय ने परिवार को अपनी मदद का आश्वासन भी दिया।

करूर जाने पर अभी नहीं है कुछ कंफर्म

एक अन्य पीड़ित परिवार ने भी विजय के कॉल के बारे में जानकारी दी। परिवार ने बताया कि अभिनेता-नेता ने बात करते हुए महिला को सांत्वना देते हुए कहा कि मैं आपके बेटे जैसा हूं। हालांकि, टीवीके के सूत्रों का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विजय करूर जाएंगे या नहीं। लेकिन उन्होंने पार्टी सदस्यों से प्रभावित परिवारों से संपर्क करने को कहा है।

फर्जी कार पंजीकरण मामले में दुलकर-पृथ्वीराज की मुश्किलें बढ़ीं, क्या है भूटान-नेपाल से जुड़ा मामला?

इन दिनों साउथ एक्टर दुलकर सलमान फिल्मों की बजाय फर्जी पंजीकरण कार मामले को लेकर खबरों में है। सलमान के पास कुछ लग्जरी कार थीं। कस्टम विभाग ने इन कारों को जब्त किया क्योंकि यह तस्करी के जरिए भूटान से भारत आईं। इस मामले में दुलकर सलमान हर दिन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में ईडी के कोच्चि क्षेत्रीय कार्यालय के एक अधिकारी ने इसी मामले को लेकर एक नई जानकारी साझा की है।

17 स्थानों पर तलाशी अभियान जारी

ईडी अधिकारी का कहना है कि लग्जरी वाहनों की तस्करी और अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेन-देन को लेकर चल रही जांच के सिलसिले में केरल और तमिलनाडु में 17 स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। यह अभियान विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत चलाया जा रहा है। इस तलाशी अभियान में कई दक्षिण भारतीय कलाकारों के नाम शामिल हैं, जिनमें से दुलकर सलमान भी एक हैं।

दुलकर सलमान के घर पर तलाशी ली गई

ईडी के तलाशी अभियान में पृथ्वीराज, दुलकर सलमान और अमित चकलाकल जैसे फिल्मी सितारों के घर और ऑफिस पर तलाशी की गई। साथ ही एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझीकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम और कोयंबटूर में कुछ वाहन मालिकों, ऑटो वर्कशॉप और व्यापारियों सहित 17 परिसरों की तलाशी ली गई। यह तलाशी उन सूचनाओं पर आधारित थीं जिनसे पता चला कि एक गिरोह भारत-भूटान और भारत-नेपाल मार्गों के जरिए से लैंड क्रूजर, डिफेंडर जैसी कई लग्जरी कारों के अवैध आयात और पंजीकरण में लिप्त है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर फिल्मों सितारों की बेचीं कार

शुरुआती जांच से पता चला है कि कोयंबटूर स्थित एक नेटवर्क जाली दस्तावेजों और अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में फर्जी आरटीओ पंजीकरणों का इस्तेमाल कर रहा था। बाद में यह नेटवर्क फिल्मी हस्तियों के अलावा अमीर लोगों को कम कीमत पर तस्करी वाले वाहन बेच देता था।

दिग्गज एक्टर राज कुमार ने 4 दशकों तक हिंदी सिनेमा में राज किया था

बॉलीवुड से इस एक्टर ने कई फिल्मों में काम किया और चार दशकों तक इंडस्ट्री में राज किया। इनके बारे में बताया गया था कि इन्होंने एक शख्स को इतना मारा था कि उसकी मौत हो गई थी। इतना ही नहीं, इनकी बेटी ने मीरा कपूर के पति का पीछा किया था।

कुलभूषण पंडित नाम से 8 अक्टूबर 1926 को जन्मे दिग्गज एक्टर राज कुमार ने 4 दशकों तक हिंदी फिल्मों में काम किया। 70 फिल्मों में ये स्टार भी रहे। आज इनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर हम आपको कुछ दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं। एक वाकया तो वाकई चौंकाने वाला है, जहां इन्होंने एक आदमी को मौत के घाट उतार दिया था और खुलासा रजा मुराद ने किया है। जानिए क्या थी वजह।

बलूचिस्तान में जन्मे, सब इन्सपेक्टर बने

राज कुमार फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले पुलिस ऑफिसर की नौकरी कर रहे थे। उनका जन्म पाकिस्तान के बलूचिस्तान (तब ब्रिटिश इंडिया का प्रांत था) में 1926 में हुआ था। परिवार कश्मीरी पंडित थे, जो बलूचिस्तान से श्रीनगर माइग्रेट होकर आए थे।

राज कुमार की पत्नी और बच्चे

1940 में राज कुमार मुंबई आ गए और बॉम्बे पुलिस के अंडर सब-इन्सपेक्टर बन गए। 1960 में उन्होंने एंग्लो-इंडियन जेनिफर पंडित से शादी की थी, जिन्होंने अपना नाम बदलकर गायत्री कुमार रख लिया था। वह एक एयर होस्टेस थीं और फ्लाइट में उनकी मुलाकात हुई थी। इनके तीन बच्चे हुए, बेटा पुरु राज कुमार एक्टर है। दूसरा बेटा पाणिनि राज कुमार और बेटी वस्तुविक्ता पंडित, जिन्होंने 2006 की फिल्म 'एटः द पावर ऑफ शनि' से डेब्यू किया था।

राज कुमार ने इतना मारा कि मौत हो गई

रजा मुराद ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में एक्टर राज कुमार के उस खौफनाक वाकये का खुलासा किया। बताया, 'एक बार राज सर अपने दोस्त और उनकी गर्लफ्रेंड के साथ जुहू बीच पर थे। किसी ने अब दोस्त की गर्लफ्रेंड के बारे में भद्दा कमेंट किया तो राज सर इतना गुस्सा हो गए कि उन्होंने उस आदमी को इतनी बुरी तरह से पीटा कि उसकी मौत हो गई।'

रजा मुराद ने बताया कि राज साहब के खिलाफ एक मर्डर केस था। 'मेरे पिता उनके बहुत अच्छे दोस्त थे इसलिए जब भी कोर्ट की सुनवाई होती तो वह उन्हें सपोर्ट करने के लिए जाते थे।' एक्टर के मुताबिक, ये केस लंबा चला था लेकिन अंत में राज कुमार को बरी कर दिया गया था।

69 की उम्र में कैंसर से राज कुमार का निधन

राज कुमार क जुलाई, 1996 में गले के कैंसर से दो साल तक जूझने के बाद 69 उम्र में निधन हो गया था। हालांकि उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह नहीं चाहते कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी सदस्य उनके अंतिम संस्कार में शामिल हो। उन्होंने डायरेक्टर मेहुल कुमार से कहा था, 'जानी, तुमको मालूम नहीं, श्मशान यात्रा को तमाशा बना देते हैं फिल्म लाइन में।

लोग सफेद कपड़े पहनकर आएंगे, फिर प्रेस वाले भी आएंगे। गुजरे हुए इंसान को श्रद्धांजलि देने के बजाय, तमाशा बना देते हैं। मेरा अंतिम संस्कार मेरी फैमिली के लिए है। मेरे परिवार के अलावा, कोई भी शामिल नहीं होगा।'

पत्नी की भी 69 की उम्र में मौत

राज कुमार की पत्नी गायत्री का 28 नवंबर 2023 को 69 की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार थीं। बताया जाता है कि उनके अंतिम संस्कार में इंडस्ट्री से जुड़ा को शख्स नहीं गया था।

राज कुमार की आखिरी फिल्म

राज कुमार की आखिरी फिल्म सल 1995 में आई थी, जिसका नाम- गॉड एंड गन था। इसमें राज बब्बर और जैकी श्रॉफ भी दिखाई दिए थे।

जिया शंकर ने दिखाया अपना हॉट अंदाज इनकी मस्तियों से छूटेगी कंपकंपी

30 साल की जिया शंकर कुंवारी हैं और अपनी मस्ती में मगन हैं। उन्होंने ग्रीस के एक आइलैंड से अपनी हलकट जवानी की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर की हैं, जिन्हें देख आपके शरीर में भी बिजली दौड़ना तय है। देखिए और जानिए उनके शादी और बच्चे के प्लान्स।

'बिग बॉस ओटीटी 2' फेम जिया शंकर इंडस्ट्री से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर कहर बरसाती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जो अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, उसे देख लोगों के तन-बदन में आग लग गई है। कुछ पर के शरीर में बिजली दौड़ गई है। उनकी 6वीं तस्वीर पर फैंस की निगाहें अटकी हैं और वह लट्टू हुए जा रहे हैं। समंदर किनारे इठलाती एक्ट्रेस की खूबसूरती का आप भी होगा असर, बिना देरी देख डालिए उनकी पटाखा झलकियां।

ग्रीस के मायोकोनॉस में जिया शंकर

जिया शंकर ने ग्रीस के Mykonos से अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं।

किसी के बदन में दौड़ी बिजली तो कोई बोला- मिसेज मल्हान

जिया शंकर की फोटो देख एक यूजर ने लिखा, 'चश्मा बढ़िया नहीं है।' एक ने लिखा, 'मिसेज मल्हान।' एक ने लिखा, 'आप पर पूरा कपड़ा ही अच्छा लगता है।' एक यूजर ने लिखा, 'लेकिन नॉर्मल ड्रेस पर ज्यादा अच्छा लगता है।' एक ने लिखा, 'बिट्टू की मम्मी।' एक ने लिखा, 'आपका फोटो देखते ही बॉडी में बिजली आ जाता है।' एक ने लिखा, 'काश मैं अंबानी होता... पूरा बॉलीवुड ही खरीद लेता आपके लिए।'

जिया शंकर के पिता का तलाक

जिया शंकर जब 13 साल की थीं, तभी उनके पिता का मां से तलाक हो गया था। इसके बाद उन्होंने अपने नाम के पीछे रैंडम ही 'शंकर' सरनेम लगा लिया।

जिया शंकर नहीं करेंगी शादी

जिया शंकर का पहले शादी का प्लान था लेकिन बाद में बदल दिया और कहा कि वह आजीवन कुंवारी रहेंगी। मां के साथ जीवन बिताएंगी। उन्होंने कहा था कि एक विला लेंगी, जहां वह और उनकी मां, दो कुत्ते होंगे।

दो बच्चे गोद लेंगी जिया शंकर

जिया शंकर पहले जॉइंट फैमिली में शादी करना चाहती थीं क्योंकि उन्हें परिवार का प्यार नहीं मिला और वह अपने होने वाले पति के परिवार से प्यार करना चाहती थीं। लेकिन बाद में प्लान कैंसिल किया और कहा कि वह दो बच्चे गोद लेंगी।

दर्दनाक ब्रेकअप, हुआ था पछतावा

जिया शंकर ने कहा था कि उनका ब्रेकअप हो गया था। उन्होंने उस रिश्ते में खुद को खो दिया और इसका पछतावा है। वह एक टॉक्सिक रिश्ते में थीं।

जिया शंकर चाहती हैं तीन बच्चे

जिया शंकर ने अपने एक व्लॉग में बताया था कि उन्हें अपने तीन बच्चे चाहिए। उन्हें अपना एक पूरा परिवार चाहिए।

सालों से प्रेग्नेंसी की कोशिश...हर बार फेल

जांच हुई तो पति में निकली1 बड़ी कमी, सच्चाई जान मर्द ने मानने से किया इनकार

आमतौर पर जब कोई कपल प्रेग्नेंसी के लिए प्रयास करता है और सफलता नहीं मिलती, तो लोग सबसे पहले महिला को ही जिम्मेदार मान लेते हैं। लेकिन हर बार ऐसा होना जरूरी नहीं है। कई मामलों में सालों तक बच्चे के लिए कोशिश करने वाले कपल की परेशानी पुरुष की किसी कमी की वजह से भी हो सकती है। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया। यहां, एक कपल सालों से कंसीव करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बार-बार नाकामी मिल रही थी,

जब उन्होंने जांच करवाई, तो पता चला कि प्रेग्नेंट न हो पाने की वजह महिला नहीं, बल्कि पुरुष की 1 समस्या थी। यह जानकर पति हैरान रह गया और बोला, 'यह कैसे संभव है?'इस पूरे मामले को फर्टिलिटी एक्सपर्ट डॉक्टर महिमा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया। उन्होंने क्या कहा और पुरुष में क्या कमी हैं, चलिए विस्तार से जानते हैं।

दो सालों से कंसीव करने की कोशिश कर रहा था कपल

इंस्टाग्राम पर जारी वीडियो में गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर महिमा बताती हैं कि हाल ही में उनके पास 26 साल का कपल आया था, जो पिछले दो सालों से प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश कर रहा था। लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी।

रिश्तेदारों ने बोला करो पूजा-पाठ

डॉक्टर बताती हैं कि कपल को रिश्तेदारों और दोस्तों ने कहा था कि पूजा-पाठ करें, शायद भगवान मदद करें। वहीं, उनके पेरेंट्स ने कहा, 'अभी आप लोग युवा हैं, इसलिए डॉक्टर के पास जाने से पहले थोड़ा समय और कोशिश करें।' लेकिन कपल यह जानना चाहता था कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है, इसलिए वे हमारे पास आए।

महिला की रिपोर्ट थी नॉर्मल

डॉक्टर कहती हैं कि सब कुछ ठीक था। महिला का पीरियड साइकल नियमित था, अल्ट्रासाउंड नॉर्मल था, लाइफस्टाइल भी सही था और ओवुलेशन साइकल भी ठीक था। शादीशुदा जिंदगी में भी कोई समस्या नहीं थी। फिर भी, कपल कंसीव नहीं कर पा रहा था।

टेस्ट में निकली पति में 1 बड़ी कमी

एक्सपर्ट बताती हैं कि हमने पूरी हिस्ट्री लेने के बाद कुछ जरूरी टेस्ट करवाए, तो समस्या महिला में नहीं, बल्कि पुरुष में थी। दरअसल,पति के स्पर्म की मोटिलिटी कम थी। जब मैंने उन्हें रिपोर्ट बताई, तो पति हैरान रह गए और बोले 'मेरे स्पर्म की संख्या तो सही है, तो फिर समस्या कहां है?'

स्पर्म की संख्या ही नहीं होता सबकुछ

स्त्री रोग विशेषज्ञ अंत में कहती हैं, हमने पति को समझाया कि स्पर्म की संख्या ही सब कुछ नहीं होती। उनकी मोटिलिटी भी अच्छी होनी चाहिए। क्योंकि अगर मोटिलिटी ठीक नहीं होगी, तो स्पर्म के लिए अंडे तक पहुंच पाना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी में दिक्कतें आती हैं।

पेट-जांघ-कूल्हे, हर थुलथुले हिस्से से पिघलेगी चर्बी

चर्बी शरीर के किसी भी हिस्से में जम सकती है, लेकिन सबसे ज्यादा पेट, जांघ और कूल्हे पर इकट्ठा होती है। इसकी वजह से शरीर ना केवल थुलथुला नजर आता है, बल्कि आकर्षण भी खो देता है। कुछ लोग वजन घटाने की कोशिश भी करते हैं तो सफलता नहीं प्राप्त कर पाते।

'वेट लॉस के लिए क्या करना है' से ज्यादा यह जानना जरूरी है कि आपको क्या नहीं करना है। अधिकतर लोगों को पता होगा कि देर से नहीं खाना चाहिए। इससे वजन बढ़ता है, लेकिन फिर भी जानते हुए ये गलती करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने अब डिनर का बिल्कुल सही टाइम बताया है, जिसे फॉलो करके आप अपनी गलती सुधार सकते हैं।

वैज्ञानिकों का यह उपाय आपके पेट, जांघ, कूल्हे, चेहरे, हाथ, पूरे शरीर से फैट लॉस कर सकता है। यह टिप आपके ब्लड शुगर और डायजेशन को सुधारेगी और अच्छी गहरी नींद पाने में मदद करेगी। आइए वजन घटाने के कारगर तरीके के बारे में जानते हैं।

जल्दी डिनर करने का फायदा

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट कहती है कि जल्दी डिनर करने से वजन कम करने में मदद मिलती है। स्टडीज का हवाला देते हुए रिपोर्ट में शाम को 5:30 से 7:00 के बीज रात का खाना अच्छा बताया गया है। एक स्टडी के

हवाले से बताया कि जो लोग शाम को 5 बजे के आसपास डिनर कर लेते हैं, वो रात में 9-10 बजे के आसपास खाने वालों से ज्यादा कैलोरी बर्न करते हैं।

सोने और खाने के बीच फासला

इसके अलावा आपको एक बात का और ध्यान रखना चाहिए कि रात के खाने और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का फर्क होना चाहिए। इसकी वजह से गट खाने को अच्छी तरह पचा लेता है और एसिड रिफ्लक्स नहीं होता। अच्छी नींद आती है और गट को आराम भी मिलता है।

सर्काडियन रिदम का रखें ध्यान

बॉडी की अपनी एक सर्काडियन रिदम होती है। इसके मुताबिक काम करने पर हॉर्मोन रिलीज, डायजेशन, एनर्जी, कैलोरी बर्निंग सही होती है। वैज्ञानिक बताते हैं कि जो लोग दिन के उजाले में ज्यादा और रात के अंधेरे में कम खाते हैं, वो ज्यादा फिट रहते हैं।

फैट बर्निंग के लिए मिलता है वक्त

जब आप जल्दी खा लेते हैं और अगले दिन सुबह तक कुछ नहीं खाते तो इससे शरीर को चर्बी जलाने का वक्त मिल जाता है। क्योंकि वो आपके चलने-फिरने, नींद और बाकी कामों के लिए पहले से मौजूद फैट का इस्तेमाल करता है। कम से कम रात और सुबह के खाने में 8 से 12 घंटे का वक्त होना चाहिए।

वेट लॉस के लिए क्या खाएं?

रात का खाना हल्का मगर प्रोटीन रिच होना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार डिनर में ग्रिल्ड चिकन, फैटी फिश, टोफू, दालें, फलियां खा सकते हैं। यह पेट को देर तक भरते हैं और भूख शांत रखते हैं। हरी सब्जियां खाना ना भूलें। कंट्रोल तरीके से साबुत अनाज और हेल्दी फैट लें। इसके लिए ब्राउन राइस, क्विनोआ, ओट्स, व्होल व्हीट, ऑलिव ऑयल, नट्स, एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं।

इन चीजों से रहें दूर

फ्राइड फूड, जंक फूड, प्रोसेस्ड मीट, क्रीम, मीठा

पेट में कीड़े होने पर शरीर में दिखते हैं ये लक्षण

पेट में कीड़े की समस्या एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जो अनेक लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या तब उत्पन्न होती है जब शरीर में परजीवी कीड़े या उनके अंडे प्रवेश करते हैं और पेट में बसीरा करते हैं। सामान्यतः यह समस्या दूषित भोजन, जल या अस्वच्छ वातावरण के कारण होती है। पेट में कीड़े होने से व्यक्ति को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि पोषण की कमी, इम्यून सिस्टम की कमजोरी और अन्य शारीरिक परेशानियाँ।

पेट में कीड़े बनने की समस्या बच्चों और वयस्कों दोनों में हो सकती है, लेकिन बच्चों में इसकी संभावना अधिक होती है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम अभी पूर्ण रूप से विकसित नहीं होता। इसलिए, बच्चों की स्वास्थ्य जांच और खानपान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

पेट में कीड़े बनने के कारण

पेट में कीड़े बनने के कई प्रमुख कारण होते हैं, जिनमें प्रमुख रूप से अस्वच्छ भोजन, दूषित पानी, और खराब स्वच्छता शामिल हैं। अस्वच्छ भोजन का सेवन करने से पेट में कीड़ों का संक्रमण हो सकता है। उदाहरण के लिए, जब हम ऐसी सब्जियां या फलों का सेवन करते हैं जो उचित तरीके से साफ नहीं किए गए हैं, तो उनके साथ कीड़े या उनके अंडे भी हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

राउंडवर्म

राउंडवर्म एक प्रकार के गोल कीड़े होते हैं जो आमतौर पर दूषित पानी या भोजन के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। यह कीड़े पेट में प्रवेश करके आंतों में रहते हैं और पोषक तत्वों को अवशोषित करते हैं। इसके लक्षणों में पेट दर्द, उल्टी,

वजन घटने और कमजोरी शामिल हो सकते हैं। बच्चों में, राउंडवर्म संक्रमण से विकास में रुकावट हो सकती है।

टैपवर्म

टैपवर्म एक सपाट कीड़े होते हैं जो आमतौर पर कच्चे या अधपके मांस के सेवन से शरीर में प्रवेश करते हैं। यह कीड़े आंतों की दीवारों से चिपककर बढ़ते हैं और शरीर के पोषक तत्वों को चुराते हैं। टैपवर्म संक्रमण के लक्षणों में पेट दर्द, भूख में बदलाव, थकान और वजन घटना शामिल हो सकते हैं। टैपवर्म के टुकड़े कभी-कभी मल में भी दिखाई दे सकते हैं।

पिनवर्म

पिनवर्म छोटे, सफेद कीड़े होते हैं जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करते हैं। यह कीड़े गंदे हाथों, दूषित वस्त्रों या सतहों के संपर्क में आने से फैलते हैं। पिनवर्म संक्रमण का मुख्य लक्षण रात में गुदा क्षेत्र में खुजली होना है। इसके अलावा, पेट दर्द, बेचैनी और नींद में कमी भी इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं।

कीड़े होने के लक्षण

पेट में कीड़े होने पर शरीर में विभिन्न लक्षण प्रकट हो सकते हैं। इनमें सबसे सामान्य है पेट दर्द, जो कभी-कभी तीव्र और असहनीय हो सकता है। इस प्रकार का दर्द आमतौर पर पेट के निचले हिस्से में महसूस होता है और यह समय-समय पर बढ़ता और घटता रहता है।

उल्टी और मितली भी सामान्य लक्षण हैं जो पेट में कीड़े होने पर अनुभव किए जा सकते हैं। कुछ लोगों को उल्टी के साथ-साथ दस्त की समस्या भी होती है, जो शरीर में पानी की कमी का कारण बन सकती है। यह स्थिति विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकती है, क्योंकि उनके शरीर में पानी की कमी तेजी से हो सकती है।

निदान

पेट में कीड़ों का निदान करने के लिए, चिकित्सक विभिन्न प्रकार के परीक्षण और जांचें करते हैं। इन परीक्षणों का उद्देश्य यह निर्धारित करना होता है कि शरीर में कीड़ों की उपस्थिति है या नहीं और यदि है तो किस प्रकार के कीड़े हैं। प्रमुख परीक्षणों में मल परीक्षण और रक्त परीक्षण शामिल हैं।

मल परीक्षण के माध्यम से डॉक्टर पेट के कीड़ों की पहचान करते हैं। इस परीक्षण में मल का नमूना लिया जाता है और उसमें कीड़े, उनके अंडे या लार्वा की उपस्थिति की जांच की जाती है। यह परीक्षण सरल और प्रभावी होता है, और अक्सर पेट में कीड़ों का पता लगाने के लिए सबसे पहला कदम होता है।

रक्त परीक्षण भी पेट में कीड़ों का निदान करने के लिए उपयोगी हो सकता है। रक्त में विशेष प्रकार के एंटीबॉडी या कीड़ों के संक्रमण के संकेतों की पहचान की जाती है। यह परीक्षण उन मामलों में विशेष रूप से उपयोगी होता है जब मल परीक्षण के परिणाम स्पष्ट नहीं होते या किसी विशेष प्रकार के कीड़े की पहचान करनी होती है।

इसके अलावा, कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य परीक्षणों का भी सहारा ले सकते हैं, जैसे कि इमेजिंग परीक्षण (Imaging Tests) जैसे एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन। ये परीक्षण शरीर के आंतरिक अंगों की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं और कीड़ों की उपस्थिति और उनकी स्थिति को स्पष्ट कर सकते हैं।

उपचार के विकल्प

पेट में कीड़े होने पर उपचार के कई विकल्प उपलब्ध हैं, जिनमें चिकित्सा दवाएं, घरेलू उपचार, और जीवनशैली में बदलाव शामिल हैं। सबसे पहले, चिकित्सा दवाओं की बात करें तो, डॉक्टर आमतौर पर एंटीपैरासिटिक दवाएं लिखते हैं, जो कीड़ों को मारने और शरीर से बाहर निकालने में मदद करती हैं। इन दवाओं को नियमित रूप से और निर्धारित अवधि तक लेना आवश्यक होता है, ताकि कीड़े पूरी तरह से समाप्त हो सकें।

घरेलू उपचारों की बात करें तो, कई पारंपरिक उपाय भी पेट के कीड़ों से निपटने में सहायक हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कच्चा लहसुन खाना एक प्रसिद्ध घरेलू उपाय है, क्योंकि इसमें एंटीपैरासिटिक गुण होते हैं। इसके अलावा, पपीते के बीज, कद्दू के बीज, और नीम के पत्ते भी पेट के कीड़ों को खत्म करने में मदद कर सकते हैं। इन उपायों का उपयोग सावधानीपूर्वक और सही मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि अत्यधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

लिवर में सड़न-आंखों में पीलिया, घातक जहर है बिलीरुबिन

आप जो भी कुछ खाते-पीते हैं या सांस लेते हैं, उससे बहुत सारे विषाक्त पदार्थ आपके शरीर में जाते हैं और कुछ शरीर भी बनाता है। वैसे तो शरीर इन जहरीले पदार्थों कि सफाई करता रहता है लेकिन कुछ आंतरिक हिस्सों में जमा होते रहते हैं और जब इनका लेवल बढ़ जाता है, तो शरीर में गड़बड़ी शुरू हो जाती है। बिलीरुबिन (Bilirubin) शरीर में बनने वाला पीले रंग का एक ऐसा ही जहरीला पदार्थ है।

आपको बता दें कि शुगर, यूरिक एसिड, अमोनिया, सल्फर और कोलेस्ट्रॉल की तरह बिलीरुबिन भी शरीर के लिए खतरनाक होता है। यह तब बनता है जब शरीर में पुराने या खराब हो चुके लाल रक्त कोशिकाएं टूटती हैं। इन कोशिकाओं में मौजूद 'हीम' नामक तत्व, जो हीमोग्लोबिन का हिस्सा होता है, टूटकर बिलीरुबिन में बदल जाता है।

बिलीरुबिन खून के जरिए लिवर तक जाता है और वहां प्रोसेस होकर पित्त के साथ मिल जाता है। फिर यह पाचन तंत्र के जरिए मल और मूत्र के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। लेकिन जब यह निकल नहीं पाता और इसकी मात्रा बढ़ जाती है यह लिवर या खून से जुड़ी बीमारियों को जन्म दे सकता है जैसे पीलिया या लिवर की खराबी।

बिलीरुबिन के प्रकार

बिलीरुबिन दो तरह का होता है- अनकंजुगेटेड और कंजुगेटेड। अनकंजुगेटेड बिलीरुबिन वह होता है जिसे लिवर ने अभी प्रोसेस नहीं किया होता। यह पानी में नहीं घुलता और खून में एल्ब्यूमिन नामक प्रोटीन के साथ जुड़कर घूमता है। अगर लाल रक्त

कोशिकाएं ज़्यादा टूटती हैं या लिवर ठीक से काम नहीं करता, तो इसकी मात्रा बढ़ जाती है।

कंजुगेटेड बिलीरुबिन वह होता है जिसे लिवर प्रोसेस कर देता है। यह पानी में घुलने योग्य बन जाता है और पित्त के जरिए शरीर से बाहर निकलता है। अगर डायरेक्ट बिलीरुबिन बढ़ जाए, तो यह लिवर या पित्त नलियों में समस्या का संकेत हो सकता है।

शरीर में बिलीरुबिन का लेवल कितना होना चाहिए

एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बिलीरुबिन की मात्रा सीमित होती है। कुल बिलीरुबिन 0.3 से 1.2 mg/dL, डायरेक्ट बिलीरुबिन 0.0 से 0.3 mg/dL, और इंडायरेक्ट बिलीरुबिन 0.2 से 0.9 mg/dL तक होता है। अगर यह स्तर इससे ज़्यादा बढ़ जाए, तो इसका मतलब है कि लीवर सही से काम नहीं कर रहा या लाल रक्त कोशिकाएं ज़्यादा टूट रही हैं। ऐसे में पीलिया जैसी समस्या हो सकती है, जिसमें त्वचा और आंखें पीली पड़ जाती हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के कारण

शरीर में बिलीरुबिन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण हेपेटाइटिस, सिरोसिस, फैटी लिवर जैसी बीमारियां हैं। इसके अलावा पित्त नली में रुकावट जैसे गॉलस्टोन या ट्यूमर भी बिलीरुबिन बढ़ा देती है। कुछ लोगों में आरबीसी अधिक टूटने से भी बिलीरुबिन बढ़ जाता है, जो एनीमिया या संक्रमण के कारण हो सकता है। नवजात शिशुओं में भी यह अस्थायी रूप से बढ़ जाता है क्योंकि उनका लिवर पूरी तरह विकसित नहीं होता। कुछ दवाएं जैसे एंटीबायोटिक, पेनकिलर या स्टेरॉयड भी बिलीरुबिन का लेवल बढ़ा सकती हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के लक्षण

जब शरीर में बिलीरुबिन अधिक बढ़ जाता है, तो इसका पहला संकेत पीलिया है। इसमें त्वचा और आंखों का रंग पीला हो जाता है। इसके अलावा पेशाब का रंग गहरा पीला या भूरा दिख सकता है और मल का रंग फीका या मिट्टी जैसा हो जाता है। मरीज को थकान, कमजोरी, भूख कम लगना, मिचली या उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के नुकसान

अगर बिलीरुबिन का लेवल लंबे समय तक बढ़ा रहे और इसका इलाज न हो, तो यह शरीर के लिए गंभीर हो सकता है। इससे लिवर को नुकसान या फेल होने का खतरा रहता है और पित्त की पथरी भी बन सकती है। नवजात बच्चों में बहुत बढ़ा बिलीरुबिन कर्निकटेरस जैसी कंडीशन पैदा कर सकता है, जिससे दिमाग को स्थायी नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक इसका लेवल बढ़ा रहने से थकान, खुजली, पाचन की समस्या और नींद में मुश्किलें भी पैदा करता है।

बिलीरुबिन कम करने के तरीके

अगर बिलीरुबिन थोड़ा बढ़ा हुआ है और गंभीर लिवर बीमारी

नहीं है, तो इसे प्राकृतिक तरीकों से कम किया जा सकता है। इसके लिए पानी खूब पिएं, दिन में 8–10 गिलास, ताकि शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलें और पित्त का प्रवाह सही रहे। लिवर-फ्रेंडली भोजन लें, जैसे पालक, मेथी, केल, चुकंदर और गाजर का रस, नींबू पानी, लहसुन, हल्दी, सेब, पपीता, तरबूज और थोड़ा जैतून तेल। शराब, तला-भुना और प्रोसेस्ड भोजन से बचें और नमक व चीनी कम करें। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जैसे भूमि आमला, कालमेघ, कुटकी और त्रिफला लिवर को मजबूत करती हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इसके अलावा, वज़न कंट्रोल रखें, तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें, ताकि लिवर सही से काम कर सके।

स्मार्टफोन भीगने पर तुरंत उठाएं ये कदम

अगर आपका स्मार्टफोन बारिश में भीग जाए, तो सबसे पहले आपको इसे स्विच ऑफ करना चाहिए। स्मार्टफोन को बंद करने से अंदर के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट्स को और अधिक नुकसान होने से रोका जा सकता है। इसके बाद, अपने फोन को किसी सूखे और नर्म कपड़े से धीरे-धीरे पोंछें। इस दौरान, सावधानी बरतें कि कोई भी नमी फोन के भीतर न जाए।

इसके बाद, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड को तुरंत निकालें। ये कार्ड्स छोटे होते हैं और आसानी से नुकसान हो सकते हैं, इसलिए इन्हें निकालकर सूखा रखना महत्वपूर्ण है। याद रखें, फोन को हिलाने या उसमें फूंक मारने से बचें। ऐसा करने से पानी और अधिक अंदर तक जा सकता है, जिससे फोन का नुकसान बढ़ सकता है।

इसके अतिरिक्त, स्मार्टफोन को धूप में या हीटर के पास रखने से बचें, क्योंकि अत्यधिक गर्मी से फोन के अंदरूनी हिस्से खराब हो सकते हैं। इसके बजाय, फोन को किसी सूखी जगह पर रखें और उसे पूरी तरह से सूखने दें। अगर आपके पास सिलिका जेल पैकेट्स हैं, तो आप उन्हें फोन के साथ एक एयरटाइट बैग में रख सकते हैं। सिलिका जेल नमी को अवशोषित करने में मदद करता है और फोन को जल्दी सूखने में सहायक हो सकता है।

फोन को सुखाने के प्रभावी तरीके

अगर आपका स्मार्टफोन बारिश में भीग जाए, तो सबसे पहले उसे बंद कर दें और जितना जल्दी हो सके सुखाने के प्रयास करें। स्मार्टफोन को सुखाने के लिए कुछ प्रभावी और सुरक्षित तरीके निम्नलिखित हैं:

सिलिका जैल पैक्स का उपयोग: सिलिका जैल पैक्स नमी को सोखने में अत्यधिक प्रभावी होते हैं। आपको अपने स्मार्टफोन को एक एयरटाइट बैग में सिलिका जैल पैक्स के साथ रखना चाहिए। यह स्मार्टफोन की नमी को तेजी से सोखने में मदद करेगा और फोन के अंदर के संवेदनशील कंपोनेंट्स को क्षतिग्रस्त होने से बचाएगा।

चावल के डिब्बे में रखना: यदि सिलिका जैल पैक्स उपलब्ध नहीं

हैं, तो आप अपने स्मार्टफोन को चावल के डिब्बे में भी रख सकते हैं। चावल भी नमी को सोखने में सक्षम होता है। स्मार्टफोन को चावल में पूरी तरह से डुबो दें और कम से कम 24 से 48 घंटे के लिए छोड़ दें। यह तरीका भी आपके फोन को जल्दी सुखाने में मददगार साबित हो सकता है।

एयर ड्रायर का सही उपयोग: एयर ड्रायर का उपयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। इसे लो हीट सेटिंग पर रखें और स्मार्टफोन से लगभग 6 इंच दूर रखें। ध्यान रहे कि हीटिंग से फोन के कंपोनेंट्स पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

धूप में रखने से बचें: अक्सर लोग सोचते हैं कि फोन को धूप में रखने से वह जल्दी सूख जाएगा। लेकिन, यह एक गलत धारणा है। धूप में रखने से फोन के अंदर के कंपोनेंट्स पर अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पड़ सकता है, जिससे वे क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। इसलिए, फोन को धूप में रखने से बचें और उपरोक्त तरीकों का ही उपयोग करें।

प्रोफेशनल मदद कब लें

बारिश में भीग जाने के बाद स्मार्टफोन के सही तरीके से काम न करने की स्थिति में प्रोफेशनल मदद लेना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। अगर आपका फोन बार-बार रीस्टार्ट हो रहा है, स्क्रीन पर अजीब सी लाइन्स दिख रही हैं, टचस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही है, या स्पीकर और माइक्रोफोन में आवाज़ का मुद्दा है, तो यह हार्डवेयर समस्याओं के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में तुरंत किसी प्रोफेशनल टेक्नीशियन से संपर्क करना चाहिए जो इन समस्याओं का सही निदान कर सके।

स्मार्टफोन निर्माता कंपनियों के अधिकृत सर्विस सेंटर ऐसे मामलों में सबसे विश्वसनीय विकल्प होते हैं। अगर आपका स्मार्टफोन अभी भी वारंटी में है, तो प्रोफेशनल मदद लेने से पहले यह जांच लें कि वारंटी की शर्तें क्या हैं। कई बार वारंटी में पानी या बारिश से हुए नुकसान को कवर नहीं किया जाता है।

दाढ़ी बनाते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां, अपनाएं ये टिप्स

जिस तरह से महिलाएं अपनी खूबसूरती का ध्यान रखने के लिए तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं, ठीक उसी तरह से आजकल पुरुष भी अपनी त्वचा का खास ध्यान रखते हैं। पुरुषों के सबसे अहम ग्रूमिंग भाग की बात करें तो जिन लड़कों की दाढ़ी होती है वो सबसे ज्यादा अपनी दाढ़ी का ध्यान रखते हैं। इसके लिए वो समय-समय पर दाढ़ी सेट भी करते हैं।

कई बार न चाहते हुए भी पुरुष दाढ़ी बनाते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गलत तरह के दाढ़ी बनाने की वजह से चेहरे पर कट लगना, रेडनेस होना, दाने निकलना जैसी गंभीर परेशानियां आपको घेर सकती हैं। इन सभी परेशानियों से बचने के लिए दाढ़ी बनाते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए, ताकि शेविंग के बाद आपका लुक अच्छा दिखे, न कि

बिगड़ जाए।

चेहरे को तैयार न करना

अगर आप चेहरे को बिना तैयार किए शेविंग करेंगे तो इससे चेहरा कटने का डर रह सकता है। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को पानी से अच्छी तरह धोकर गीला करें। बिना त्वचा को गीला किए आपको रेजर बर्न का सामना करना पड़ सकता है।

गलत रेजर का इस्तेमाल

अक्सर लोग पुराने रेजर और ब्लेड का इस्तेमाल लंबे समय तक करते रहते हैं। इससे चेहरा कटने का डर बना रहता है। पुरानी या बेधार रेजर का उपयोग कभी नहीं करना चाहिए। ये त्वचा को डैमेज कर सकता है।

कम शेविंग क्रीम का इस्तेमाल

कई बार कंजूसी के चलते बेहद ही कम शेविंग क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। इससे दाढ़ी काटना थोड़ा कठिन हो जाता है। जबकि अगर आप सही मात्रा में शेविंग क्रीम या जेल का इस्तेमाल करेंगे तो इससे रेजर काफी आसानी से चलेगा और दाढ़ी आराम से कट जाएगी।

सही दिशा में करें शेव

अगर आप सही दिशा में रेजर नहीं चलाएंगे तो इसकी वजह से शेव सही से नहीं होगी। ऐसा करने से चेहरे पर जलन भी हो सकती है। ऐसे में हमेशा सही दिशा में ही शेव करें, ताकि आपको किसी तरह की परेशानी से न जूझना पड़े।

सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद

निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट; ऑटो, मीडिया और रियल्टी शेयर्स टूटे

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी 8 अक्टूबर को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट रही, ये 25,046 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी है।

टाइटन का शेयर 4% से ज्यादा चढ़ा है। इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा में भी 2% तक की तेजी रही। टाटा मोटर्स, एमएण्डएम और जियो फाइनेंस के शेयर्स गिरे हैं। निफ्टी के 50 में से 36 शेयर्स में गिरावट रही। एनएसई के ऑटो, मीडिया, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। अकेला आईटी इंडेक्स ऊपर रहा।

राहत का सिलसिला जारी : बजट में बदलेगी सस्ते घरों की परिभाषा

> 45 लाख की लिमिट या साइज बढ़ाने की तैयारी जारी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार आम लोगों को राहतों का सिलसिला देने का काम आगे भी चालू रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार फरवरी में पेश होने वाले बजट में आम लोगों के लिए सस्ते मकानों की परिभाषा बदलने की योजना बना रही है। इसके तहत वर्तमान सीमा को बढ़ाया जा सकता है। अभी 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले मकानों को अफोर्डेबल हाउसिंग यानी सस्ते घरों के वर्गीकरण के रूप में रखा गया है। लेकिन अब इसे महानगरों के लिए 55 लाख रुपये या फिर 60 वर्गमीटर किया जा सकता है।

गैर महानगरों के लिए इस सीमा को बढ़ाकर 90 वर्गमीटर किया जा सकता है। इसके पीछे तर्क यह है कि अब आम आदमी को भी कम से कम 800-1000 वर्गफुट का दो या तीन बेडरूम, किचन और हाल यानी बीएचके की जरूरत होती है। दरअसल, कई रियल्टी संस्थान लंबे समय से सरकार से इस परिभाषा को बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका इसके पीछे तर्क है कि 2017 में जब यह नियम बना था, तब से अब तक मकानों की कीमतें तो बढ़ी ही हैं, साथ ही महंगाई भी जमकर बढ़ी है। ऐसे में अब 45 लाख रुपये में दूसरे स्तर के शहरों यहां तक कि दिल्ली और मुंबई के आस-पास जो शहर हैं, वहां भी मकान नहीं मिल रहे हैं।

रियल्टी संस्थानों की सरकार के साथ कई चरण की हो चुकी चर्चा

सूत्रों ने बताया, इस संबंध में कई रियल्टी संस्थानों ने हाल में सरकार से बात की है और सरकार इस बार इस लंबी मांग को पूरा करने का विचार कर रही है। सरकार ने फरवरी में पेश बजट में आयकर में भारी राहत दी। फिर आरबीआई की रेपो दर में एक फीसदी की बड़ी कटौती और अब जीएसटी सुधार से लोगों को राहत तो मिली है, पर मकान खरीदारों को अब भी राहत नहीं मिली है।

रियल्टी संस्थानों का कहना है कि जीएसटी सुधार से उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ है। सीमेंट पर जीएसटी कटौती से उनका क्या लेना देना है? अगर सीमेंट कंपनियां या डीलर कीमतें घटाते हैं तो वे उतना फायदा तो दे देंगे, लेकिन यह घर खरीदारों के लिए कोई बहुत बडी.राहत नहीं है।

भारत-यूके व्यापार समझौता है 'विकास का लॉन्चपैड'

> बोले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत मौजूद अवसर बेमिसाल हैं। स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा की शुरुआत की है। स्टार्मर ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख व्यापारिक नेताओं, उद्यमियों, विश्वविद्यालय के कुलपतियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ, दो दिवसीय यात्रा पर आज सुबह मुंबई पहुंचे। रोल्स रॉयस, ब्रिटिश टेलीकॉम, डियाजियो, लंदन स्टॉक एक्सचेंज और ब्रिटिश एयरवेज जैसी प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारी स्टारमर के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को व्यापक वार्ता करेंगे। इस बैठक में दोनों नेता भारत-यूके के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत व विस्तारित करने के नए रास्तों पर चर्चा करेंगे।

यह व्यापार समझौता विकास का लॉन्चपैड है

स्टार्मर ने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे बेहतर समझौता है लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह महज एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह विकास का एक लॉन्चपैड है। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है, ऐसे में हमारे लिए उपलब्ध अवसर बेजोड़ हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विकास का मतलब ब्रिटिश लोगों के लिए घर पर अधिक विकल्प, स्थिरता और नौकरियां हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री की भारत यात्रा, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के ढाई महीने बाद हुई है। इससे बाजार पहुंच बढ़ेगी, टैरिफ में कटौती होगी और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना हो जाएगा। जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता तय हुआ था। स्टार्मर एफटीए की गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं स्टार्मर की भारत यात्रा पर ब्रिटिश वक्तव्य में कहा गया है कि वह ब्रिटेन-भारत व्यापार समझौते से प्राप्त गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं, क्योंकि इससे ब्रिटिश व्यवसायों के लिए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच खुल जाएगी। जुलाई में ऐतिहासिक ब्रिटेन-भारत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद, जिससे भारत में आयातित ब्रिटिश वस्तुओं पर टैरिफ कम हो जाएगा, ब्रिटिश व्यवसायों के लिए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के साथ अपने व्यापार को गति देने के लिए दरवाजे अब खुल गए हैं।

भारत के साथ किया गया समझौता सबसे अहम ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने कहा कि हमने दिखा दिया है कि भारत के साथ व्यापार बढ़ाने की हमारी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है। एक वर्ष से भी कम समय में हम एक समझौते पर बातचीत दोबारा शुरू करने से लेकर, 125 प्रतिभाशाली व्यापारिक नेताओं को उसकी वाणिज्यिक राजधानी में लाने तक पहुंच गए हैं। हमारा समझौता किसी भी देश द्वारा भारत के साथ किया गया अब तक का सबसे अच्छा समझौता है व यह ब्रिटिश व्यवसायों को एक विशाल और निरंतर बढ़ते बाजार तक पहुंच बनाने की कतार में सबसे आगे रखता है।

उन्होंने कहा कि अब हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और हर आवश्यक साधन का उपयोग कर रहे हैं ताकि व्यवसायों को इस बात के लिए तैयार किया जा सके कि वे इस समझौते के लागू होने के बाद हमें जो बड़ी सफलताएं प्राप्त हुई हैं, उनका पूरा लाभ उठा सकें, ताकि हम घरेलू स्तर पर विकास, रोजगार और समृद्धि ला सकें। बयान के अनुसार, ब्रिटिश उत्पादों पर भारत का औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत हो जाएगा, जिसका अर्थ यह है।

सितंबर में वेज थाली की कीमत 10% घटी नॉनवेज थाली भी 6% सस्ती हुई

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत सितंबर में (सालाना आधार पर) 10% घटकर 28.17 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में वेज थाली की कीमत 31.30 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी है। क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट (आरआरआर) रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत अगस्त की तुलना में सितंबर में 3% घटी है। अगस्त में वेज थाली की कीमत 29.1 रुपए थी। वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत सितंबर में सालाना आधार पर 6% घटकर 56 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 59.30 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी अगस्त की तुलना में सितंबर में नॉन-वेज थाली की कीमत 3% बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 54.60 रुपए थी।

आलू, प्याज और टमाटर सस्ते होने से वेज थाली के दाम घटे

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। प्याज की कीमत 46% घटी है। इसका कारण रबी की फसल की अच्छी आवक और बाजार में बढ़ती उपलब्धता रही। वहीं आलू के दाम 31% कम हुए हैं क्योंकि कोल्ड स्टोरेज यूनिट्स से बड़े पैमाने पर स्टॉक जारी किया गया है।

अब नहीं चलेगा फर्जी पैन और बेनामी सौदों का खेल

> *आयकर विभाग खंगालेगा रजिस्ट्री रिकॉर्ड*

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेहिसाब संपत्ति व बेनामी लेनदेन पर रोक लगेगी। आयकर विभाग संपत्ति रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की जांच करने की योजना बना रहा है।

हजारों संपत्ति सौदे आयकर अधिकारियों की नजरों से ओझल होने की आशंका है। रिपोर्टिंग में जानबूझकर की गई चूक और संपत्ति के दस्तावेजों में खरीदारों-विक्रेताओं के फर्जी या भ्रामक पैन के कारण कई लेन-देन विभाग की नजर से ऐसे सौदे बच रहे हैं। संपत्ति रजिस्ट्रार को 30 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य की संपत्तियों की खरीद और बिक्री का विवरण देना अनिवार्य है। ऐसे मामले भी हैं जिनमें शामिल पक्ष रजिस्ट्रार कार्यालयों के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके यह सुनिश्चित करते हैं कि सौदे की रिपोर्ट न की जाए या गलत पैन या नाम दर्ज कर दिए जाएं। इससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। उच्च मूल्य वाले रियल एस्टेट लेनदेन का उपयोग लंबे समय से काले धन को जमा करने के एक माध्यम के रूप में किया जाता रहा है। इसे अक्सर फर्जी संस्थाओं के माध्यम से छुपाया जाता है। इस प्रणाली को मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण से पहले सभी पक्षों के लिए पैन और आधार का अनिवार्य ई-सत्यापन एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह कदम नकली या गलत पैन या आधार विवरणों के उपयोग को समाप्त करने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि संपत्ति के रिकॉर्ड वास्तविक स्वामित्व को दर्शाते हैं। इस साल की शुरुआत में आयकर विभाग ने बिना जमीन के 50 लाख रुपये या उससे ज्यादा की कृषि आय दिखाने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं पर नजर रखने के लिए राष्ट्रव्यापी जांच की।

सोना 1.21 लाख रुपये पार, तीसरे दिन कीमत बढ़ी चांदी भी 1.50 लाख रुपये के ऑलटाइम हाई पर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज फिर (8 अक्टूबर) ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,858 रुपए बढ़कर 1,21,799 रुपए पर पहुंच गए हैं। इससे पहले मंगलवार को ये 1,19,941 रुपए पर था।

वहीं, चांदी 2,342 रुपए महंगी होकर 1,50,783 रुपए प्रति किलो के भाव पर पहुंच गई है। कल ये 1,48,441 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 45,637 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,21,799 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 64,766 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,50,783 रुपए प्रति किलो हो गई है। गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है।

कन्फर्म रेल टिकट में जर्नी डेट बदल सकेंगे

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कल की बड़ी खबर रेल टिकट और यूपीआई से जुड़ी रही। अब आप अपने कन्फर्म रेल टिकट में यात्रा तारीख बदलवा सकेंगे और इसके लिए आपको कोई कैंसिलेशन फीस या एक्स्ट्रा चार्ज भी नहीं देना पड़ेगा।

वहीं, यूपीआई यूजर्स अब फेस और फिंगरप्रिंट के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। यूपीआई ऑपरेट करने वाली एजेंसी एनपीसीआई के नए बायोमेट्रिक फीचर्स को केंद्र सरकार ने आज यानी 7 अक्टूबर को मंजूरी दे दी है।

मोटापा कम करने के लिए एक महीने में 80 करोड़ रुपये की दवा खा गए लोग

मोनजारो बना देश का नंबर 2 दवा ब्रांड

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के दवा बाजार में आने वाले दिनों में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। वजन घटाने वाली दवाओं की बढ़ती मांग से फार्मा मार्केट में ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) की एंटीबायोटिक दवा ऑगमेनटिन की बादशाहत खतरे में है। अमेरिकी कंपनी एली लिली की नई दवा 'मोनजारो' अब उसे पछाड़ने के बहुत करीब पहुंच गई है।

सितंबर मोनजारो की बिक्री 80 करोड़ रुपये रही जबकि ऑगमेनटिन की सेल 85 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

आमतौर पर देश के दवा बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाली दवाएं ऑगमेनटिन या एंटी-डायबिटिक (मधुमेह) की दवा 'मिक्सटर्ड' होती है। मिक्सटर्ड की मासिक बिक्री लगभग 75-80 करोड़ रुपये रहती है। लेकिन मार्च 2023 में लॉन्च हुई मोनजारो ने तेजी से बाजार में जगह बनाई है। सितंबर तक इसकी कुल 233 करोड़ रुपये पहुंच चुकी है। जानकारों का कहना है कि अगस्त में इसे 'क्विकपेन' नाम के एक प्री-फिल्ड डिवाइस में लॉन्च किया गया, जिसने इसकी बिक्री को और बढ़ाया है।

'इंटरनेशनल खिलाड़ी' बनने के लिए रुपये को करना होगा लंबा इंतजार

चीन जला चुका है अपने हाथ

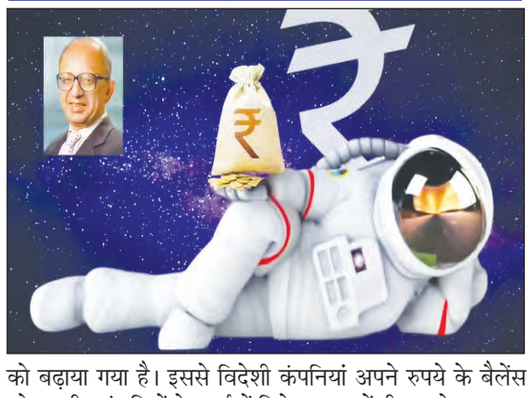

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत चाहता है कि उसके करेंसी रुपया दुनिया टॉप करेंसीज में शामिल हो। डॉलर, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग और चीनी युआन की जमात में शामिल होने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन अभी इसका समय नहीं आया है। इसके लिए रुपये को लंबा इंजतार करना पड़ सकता है। आरबीआई ने रुपये को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनाने के लिए हाल में कई कदम उठाए हैं। दुनिया के सभी देश अमेरिका की करेंसी डॉलर से ईर्ष्या रखते हैं। फाइनेंस और ट्रेड में डॉलर की धाक ऐसी है कि कोई भी देश इसे टक्कर नहीं दे पाता। ज्यादातर बड़े-बड़े व्यापार और निवेश के सौदे डॉलर में ही होते हैं, भले ही अमेरिका उस सौदे में शामिल न हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी चाहता है कि भारतीय रुपया भी डॉलर, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग और चीनी युआन (आरएमबी) की तरह एक 'रिजर्व करेंसी' बन जाए। आम जनता को भी यह बात अच्छी लगती है।

पिछले हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपया को दुनिया के नक्शे पर लाने के लिए कुछ कदम उठाए। मीडिया ने इन कदमों का स्वागत किया। हालांकि, ये कदम बहुत बड़े नहीं थे, बल्कि छोटे-छोटे थे। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि हमें सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए। हमें इसके फायदे और नुकसान दोनों का ध्यान रखना होगा। आरबीआई के नए उपायों के मुताबिक भारतीय बैंक अब पड़ोसी देशों जैसे नेपाल, भूटान और श्रीलंका को व्यापार के लिए रुपये में लोन दे सकते हैं। इससे व्यापार का हिसाब-किताब आसान हो जाएगा। साथ ही स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट (एसआरवीए) को बढ़ाया गया है। इससे विदेशी कंपनियां अपने रुपये के बैलेंस को भारतीय कंपनियों के कर्ज में निवेश कर सकेंगी। इसके अलावा, भारत के बड़े व्यापारिक साझेदारों की मुद्राओं के लिए पारदर्शी रेफरेंस रेट भी तय किए जाएंगे।

डॉलर पर निर्भरता

इसका सीधा मतलब यह है कि भारत डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। इससे निर्यातकों का खर्च कम होगा और धीरे-धीरे रुपया को व्यापार और निवेश के लिए एक भरोसेमंद मुद्रा के रूप में स्थापित किया जाएगा। यह कदम भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और दुनिया की एक बड़ी शक्ति बनने की चाहत के अनुरूप भी है। लेकिन इसमें बहुत बड़े खतरे भी हैं। जो भारतीय इस बारे में ज्यादा नहीं जानते, उन्हें यह समझना चाहिए कि अगर हम बहुत जल्दी अपने दरवाजे खोल दें तो यह कितना नुकसानदायक हो सकता है। 'रिजर्व करेंसी' का मतलब ऐसी करेंसी से है जिसे दूसरे देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार में रखें। इस तरह की करेंसी बनने के लिए उस देश की मुद्रा को पूरी तरह या लगभग पूरी तरह से पूंजी खाते पर परिवर्तनीय बनाना पड़ता है। इसका मतलब है कि भारत में कोई भी व्यक्ति किसी भी समय मनचाहे रुपये को डॉलर या किसी दूसरी मजबूत मुद्रा में बदल सकेगा। आज जो पूंजी नियंत्रण हैं, वे खत्म हो जाएंगे। सुनने में तो यह अच्छा लगता है लेकिन अगर कोई बुरी खबर आती है, तो लोग घबराकर अपने डॉलर बाहर निकालने लगेंगे। इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार कम हो जाएगा और रुपये की कीमत भी गिर जाएगी। केवल वही देश यह जोखिम उठा सकता है जिसकी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हो और जो बड़े पैमाने पर पैसे के आने-जाने को संभाल सके।

चीन का अनुभव

चीन का एक दशक पहले का अनुभव एक बड़ी चेतावनी है। चीन जैसी आर्थिक रूप से मजबूत और समझदार देश को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन जैसे देश को भी अपनी पूंजी खाते को पूरी तरह से खुला बनाने में दशकों लग गए और इस दौरान उसे कई गंभीर संकटों से गुजरना पड़ा। 2010 के दशक की शुरुआत में चीन बहुत आत्मविश्वास से भरा था। वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, उसका व्यापार घाटा बहुत कम था और उसके पास 4 ट्रिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-11**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-55**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण गुरुवार **09 October**
तिथि - तृतीया **22-54** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - भरणी **20-02** तक उपरान्त कृत्तिका
योग - वज्र **21-32** तक उप सिद्धी
तैतिल - वणिज **12-37** तक उप (विष्टी भद्रा)
व्रत त्योहार कन्या मे शुक्र **10-47** से

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - कन्या	मे	कन्या—	04-40 बजे
चंद्र - मेष	मे	तुला----	06-45 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...	08-55 बजे
बुध - तुला	मे	धनु.....	11-09 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	13-16 बजे
शुक्र -सिंह	मे	कुंभ....	15-06 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-44 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	18-19 बजे
केतु सिंह	मे	वृष.....	20-05 बजे
		मिथुन..	22-05 बजे
		कर्क....	00-18 बजे
		सिंह----	02-29 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल **13-32** से **15-00** तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-11 - 07-37 शुभ	अमृत	17-55 - 19-29 शुभ
रोग	07-37 - 09-06 अशुभ	चंचल	19-29 - 21-00 शुभ
उत्पात	09-06 - 10-35 अशुभ	रोग	21-00 - 22-32 अशुभ
चंचल	10-35 - 12-03 शुभ	काल	22-32 - 00-03 अशुभ
लाभ	12-03 - 13-32 शुभ	लाभ	00-03 - 01-35 शुभ
अमृत	13-32 - 15-00 शुभ	उत्पात	01-35 - 03-06 अशुभ
काल	15-00 - 16-29 अशुभ	शुभ.	03-06 - 04-38 शुभ
शुभ	16-29 - 17-55 शुभ	अमृत	04-38 - 06-11 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो

आपकी रचनात्मक ऊर्जा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में चमकने में मदद करती है। कलात्मक प्रतिभाएँ उजागर होती हैं, जिससे यह दृश्यात्मक रूप से आकर्षक कार्यों के लिए एक अच्छा समय है। दूसरों के साथ अप्रत्याशित तनाव के लिए तैयार रहें, लेकिन शांत रहें - जल्दी सफलता मिल सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आपका आत्मविश्वास और आकर्षण कार्यस्थल की गतिशीलता को बढ़ाता है, जबकि अनुशासन आपको उत्पादक बनाए रखता है। भावनात्मक तीव्रता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए बातचीत में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करें। व्यवहारिक संचार सहकर्मियों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपकी प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

सिंह मा, मी ,मू,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प मजबूत है, जो आपको अपने काम या पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। आप अवसरों का पीछा करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए प्रेरित हैं। यह तीव्र ध्यान आपको बेहतरीन परिणाम दे सकता है, लेकिन सावधान रहें कि बहुत जल्दी काम न करें या बहुत स्पष्ट रूप से न बोलें। सफलता के लिए केंद्रित और सावधान रहें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका करियर सार्थक बदलावों से गुज़र सकता है, जो दयालुता के कार्यों और प्रेरक महिलाओं के मार्गदर्शन द्वारा समर्थित है। एक पोषण करने वाला माहौल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ-साथ जमीन पर टिके रहने में मदद करता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे नई अंतर्दृष्टि की ओर ले जाएंगे और आपको भावनात्मक और पेशेवर चुनौतियों को शालीनता से संभालने में मदद करेंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए महसूस करेंगे, जिससे आपके काम में गहराई और संवेदनशीलता आएगी। नए, रचनात्मक विचार आसानी से आ सकते हैं, जिससे आपको चीजों को व्यापक दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलेगी। आपका तेज दिमाग और बढ़ी हुई जागरूकता आपको जल्दी सीखने वाला बनाती है।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अब तक 9 भारतीयों ने जीते हैं नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2025 के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा जारी है, चिकित्सा, भौतिकी और रसायन विज्ञान के पुरस्कारों की घोषणा पहले ही हो चुकी है। मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड राम्सडेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला, जबकि जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को क्वांटम यांत्रिक सुरंग निर्माण और ऊर्जा परिमाणीकरण पर उनके कार्य के लिए भौतिकी का पुरस्कार मिला।

रसायन विज्ञान का नोबेल सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास के लिए दिया गया। अब 13 अक्टूबर को साहित्य, शांति और अर्थशास्त्र पुरस्कारों का इंतजार कर रहा है, इसलिए अब तक नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीयों पर एक नजर डालते हैं।

ये हैं भारत के नोबेल विजेता

रवींद्रनाथ टैगोर (साहित्य, 1913) - गीतांजलि के लिए सम्मानित, जो भारतीय आध्यात्मिकता और गीतात्मकता को विश्व साहित्य में लाने वाली कविताओं का एक संग्रह है। इसके साथ ही, टैगोर पहले एशियाई नोबेल पुरस्कार विजेता बने थे।

सी.वी. रमन (भौतिकी, 1930) - रमन प्रभाव की खोज के लिए सम्मानित, जिसमें उन्होंने बताया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है तो उसकी तरंगदैर्ध्य कैसे बदलती है।

हर गोबिंद खुराना (शरीरक्रिया विज्ञान या चिकित्सा, 1968) - डीएनए में आनुवंशिक जानकारी प्रोटीन संश्लेषण को कैसे नियंत्रित करती है, इसकी व्याख्या करने के लिए संयुक्त पुरस्कार। उन्होंने दुनिया का पहला सिंथेटिक जीन भी बनाया।

मदर टेरेसा (शांति, 1979) - मिशनरीज ऑफ चैरिटी के माध्यम से कोलकाता में गरीबों और बीमारों की देखभाल करने के उनके मानवीय कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर (भौतिकी, 1983) - चंद्रशेखर सीमा सहित तारों की संरचना और विकास पर उनके सिद्धांत के लिए सम्मानित किया गया।

अमर्त्य सेन (आर्थिक विज्ञान, 1998) - कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके योगदान और गरीबी और विकास को मापने के लिए उनके क्षमता दृष्टिकोण के लिए सम्मानित किया गया।

वेंकटरमन रामकृष्णन (रसायन विज्ञान, 2009) - राइबोसोम की परमाणु संरचना का मानचित्रण करने के लिए पुरस्कार साझा किया गया, जो चिकित्सा विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण खोज है।

कैलाश सत्यार्थी (शांति, 2014) - बाल श्रम के खिलाफ दशकों से चल रही लड़ाई और बच्चों की शिक्षा की वकालत के लिए सम्मानित।

अभिजीत बनर्जी (आर्थिक विज्ञान, 2019) - वैश्विक गरीबी का अध्ययन करने और उसे कम करने के लिए क्षेत्रीय प्रयोगों के अग्रणी उपयोग के लिए पुरस्कार साझा किया गया।

1901 से, आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की इच्छा के अनुरूप, नोबेल पुरस्कार उन पुरुषों, महिलाओं और संगठनों को प्रदान किए जाते रहे हैं जिनके कार्यों से मानव जाति का कल्याण हुआ हो।

नोबेल पुरस्कार में वर्तमान में प्रति पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (SEK) की राशि दी जाती है।

नोबेल पुरस्कार में कितनी होती है प्राइज मनी, कैसे होता है विजेताओं का चयन?

साल 2025 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा जारी है। चिकित्सा का पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और डॉ. शिमोन साकागुची को परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता पर खोज के लिए मिलेगा। वहीं, भौतिकी का नोबेल जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को उप-परमाणु क्वांटम टनलिंग पर शोध के लिए दिया जाएगा।

साल 2025 के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा लगातार जारी है। इस साल जहां चिकित्सा का पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और डॉ. शिमोन साकागुची को परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता से संबंधित उनकी खोजों के लिए दिया जाएगा। वहीं, भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को उप-परमाणु क्वांटम टनलिंग की विचित्र दुनिया पर उनके शोध के लिए प्रदान किया जाएगा।

इसके अलावा रसायन का नोबेल सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को 1989 से धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास में उनके कार्यों के लिए दिया जाएगा। अब 9 अक्टूबर को साहित्य के नोबेल का ऐलान होगा और स्टॉकहोम से इसका ऐलान होगा। फिर 10 अक्टूबर को शांति के नोबल का ऐलान होगा।

नोबेल पुरस्कार की राशि

वर्तमान में हर नोबेल पुरस्कार के लिए 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (SEK) की पुरस्कार राशि दी गई। यह राशि लगभग 1.2 मिलियन अमरीकी डॉलर के बराबर थी। पुरस्कार राशि के अलावा, विजेताओं को एक खास डिप्लोमा और 18 कैरेट सोने का एक शानदार पदक भी मिलता है। एक नोबेल पुरस्कार अधिकतम तीन विजेताओं को दिया जा सकता है जो पुरस्कार राशि साझा करते हैं।

नोबेल पुरस्कार के विजेताओं का चयन कैसे होता है?

नोबेल समिति बहुमत से नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं का चयन करती है। यह निर्णय अंतिम होता है और इसमें कोई अपील नहीं होती। नोबेल शांति पुरस्कार को छोड़कर, नामांकन केवल आमंत्रण द्वारा होता है और नामांकनकर्ताओं को पुरस्कार देने वाली संस्थाओं द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करना होगा। यह पुरस्कार उन्हीं लोगों को दिया जाता है जिसके काम से बड़े पैमाने पर मानव जाति का कल्याण होता है।

नोबेल पुरस्कार की कैटेगिरी

नोबेल पुरस्कार की कैटेगरी में फिजिक्स, केमेस्ट्री, फिजियोलॉजी या मेडिसिन, अर्थशास्त्र, साहित्य और शांति हैं। अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार ही सभी पुरस्कार तय हुए थे। बाद में, 1968 में, स्वीडिश सेंट्रल बैंक ने अल्फ्रेड नोबेल की याद में अर्थशास्त्र में स्वीडिश रिक्स बैंक पुरस्कार शुरू किया।

इस बार लेट से शुरू होगी धान की खरीदी

सीएम ने की डेट की घोषणा, किसानों को 31 अक्टूबर तक करना होगा रजिस्ट्रेशन

रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के डेट की घोषणा कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को खुद इस बात की जानकारी दी है। हालांकि धान समर्थन मूल्य पर धान बेचने से पहले किसानों को एग्रिस्टैक पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ेगा। इस बार किसान इसी के माध्यम से अपनी धान बेच पाएंगे। एग्रिस्टैक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 31 अक्टूबर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान की खरीदी शुरू होगी। सीएम ने कहा कि किसानों से एक एक दाना धान खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा किसान नहीं होगा जिसकी धान नहीं खरीदी जाएगी।

31 अक्टूबर से पहले करना होगा रजिस्ट्रेशन

किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए एग्रिस्टैक पोर्टल में 31 अक्टूबर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद किसानों को एक यूनिक फॉर्मर आईडी मिलेगी। इस बार किसान उसी आईडी से अपनी धान बेच सकेंगे। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि एग्रिस्टैक पोर्टल पर 21 लाख 47 हज़ार किसानों ने पंजीयन कराया है। अधिकारियों ने बताया कि एग्रीस्टैक पोर्टल से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया है। किसान इस टोल फ्री नंबर 1800-233-1030 पर कॉल करके जानकारी ले सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले साल धान खरीदी की शुरुआत 14 नवंबर से हुई थी। इस बार एक दिन लेट 15 नवंबर से शुरू होगी। अधिकारियों ने बताया कि पिछली बार राज्य में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया था।

बता दें कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने धान खरीदी को लेकर सरकार से मांग की थी कि इस बार धान की खरीदी 1 नवंबर से होनी चाहिए। दीपक बैज ने कहा था कि किसानों के धान के समर्थन मूल्य में भी वृद्धि होनी चाहिए। बता दें कि धान खरीदी को लेकर पिछले वर्ष विपक्ष ने सरकार पर कई आरोप लगाए थे।

महादेव सट्टा ऐप के 12 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

ढाई साल से जेल में बंद थे, विधानसभा चुनाव का था सबसे बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली/रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के चर्चित महादेव सट्टा ऐप मामले में जेल में बंद आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने 12 आरोपियों की जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है। महादेव सट्टा ऐप केस के सभी 12 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है। वह पिछले ढाई साल से रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पहललूओं को देखने के बाद जमानत देना का फैसला किया है।

12 लोगों को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद सभी 12 लोगों को जमानत दी है। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में पुलिस ने रितेश यादव, भारत ज्योति, विश्वजीत राय, राहुल वकटे, नीतीश दीवान, निलंबित कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव, अर्जुन यादव, निलंबित एएसआइ चंद्रभूषण वर्मा और सतीश चंद्राकर समेत सभी 12 लोगों को आरोपी बनाया था। कोर्ट ने इन सभी को जमानत दे दी है।

याचिकाकर्ता के वकील गगन तिवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुदरैश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए जमानत दी है। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी ने कोर्ट में सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। अभी मामले की जांच चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट से जिन 12 आरोपी को जमानत मिली है उनकी गिरफ्तारी अलग-अलग समय में अलग-अलग जगहों से की गई थी। टीम ने कुछ लोगों को छत्तीसगढ़ से कुछ लोगों को बिहार से गिरफ्तार किया था। कई पुलिस अधिकारियों को भी महादेव सट्टा ऐप को संरक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को दी राहत

सारंडा वन के 31,468 .25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने की दी अनुमति

रांची, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सारंडा को वन्य जीव अभयारण्य घोषित करने पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सारंडा के 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने की अनुमति दे दी है।

हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया है कि SAIL और अन्य वैध माइनिंग लीज वाले इलाकों को अभयारण्य के प्रभाव क्षेत्र से बाहर रखा जाएगा। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने राज्य सरकार को एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। वन एवं पर्यावरण विभाग ने पूरे सारंडा वन क्षेत्र को वन्य जीव अभयारण्य घोषित करने को लेकर खान-भूतत्व और उद्योग विभाग से मंतव्य मांगा था। ये दोनों विभाग पूरे वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने के पक्ष में नहीं हैं। इन विभागों का कहना है कि पूरे वन क्षेत्र को अभयारण्य बनाना राज्य के लिए नुकसानदेह होगा। कैबिनेट के लिए तैयार प्रस्ताव में वित्त विभाग ने भी इन दोनों विभागों की राय पर सहमति जताई है। कहा है कि ऐसा होने से माइनिंग रॉयल्टी की संभावना भविष्य में और जटिल हो जाएगी। इन विभागों का कहना है कि सरकार राज्यहित में बीच का कोई रास्ता निकाले।नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने 12 जुलाई 2022 को सारंडा में वन्य जीव अभयारण्य बनाने का निर्देश दिया था। एनजीटी ने सारंडा के 400 वर्ग किमी क्षेत्र को ही अभयारण्य बनाने का निर्देश दिया था। जब राज्य सरकार की ओर से इस निर्देश का पालन नहीं किया गया तब मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को हलफनामा दायर करने को कहा। इसके बाद 29 अप्रैल को सरकार की ओर से हलफनामा दायर किया गया। वन विभाग की ओर से दायर हलफनामा में बताया गया कि राज्य सरकार 31468.25 हेक्टेयर के एनजीटी के मूल प्रस्ताव की जगह 57519.41 हेक्टेयर क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव किया है।

मजदूरों ने रोड जाम किया

जमशेदपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में बुधवार को ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक पिकअप वाहन को रोकने के बाद मजदूरों ने परडीह चेक पोस्ट पर सड़क जाम कर दिया। मजदूरों का आरोप है कि पुलिस ने वाहन चालक से मारपीट की और कागजात मांगे, जिससे उनका गुस्सा भड़क गया। यह घटना उस समय हुई जब चांडिल से बावनगोड़ा की ओर जा रहे मजदूर शहर में रोजगार के लिए आ रहे थे।

मजदूरों का कहना है कि पुलिस अक्सर ओवरलोडिंग का हवाला देकर उन्हें परेशान करती है और जुर्माना वसूलती है, जिससे उनका काम प्रभावित होता है। मजदूरों ने स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें उनकी दिहाड़ी नहीं मिलेगी, तब तक वे जाम नहीं हटाएंगे।

नक्सली दंपती का आत्मसमर्पण

मुख्यधारा से जुड़ने का लिया संकल्प, एक करोड़ के इनामी नक्सली के दस्ते के थे सदस्य

गिरिडीह, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में नक्सली दंपती ने बुधवार को आत्मसमर्पण किया। भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े एरिया कमेटी सदस्य शिवलाल हेम्ब्रम उर्फ शिवा और उसकी पत्नी दस्ता सदस्य सरिता हांसदा उर्फ उर्मिला ने सरेंडर किया।

दोनों ने एसपी डॉ. बिमल कुमार, उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव, अपर पुलिस अधीक्षक अभियान सुरजीत सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक सीआरपीएफ 154 बटालियन कमांडेंट अमित सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डूमरी तथा अन्य पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया।

शिवलाल हेम्ब्रम (25) टेसाफुली, थाना मधुबन निवासी है और संगठन में एरिया कमेटी सदस्य के रूप में सक्रिय था। वहीं, उसकी पत्नी सरिता हांसदा (19) निवासी चतरो थाना खुखरा, दस्ता सदस्य के रूप में काम कर रही थी।

पुलिस के अनुसार, शिवलाल वर्ष 2017 में नक्सली संगठन से जुड़ा था। शुरुआती वर्षों में उसने संतरी और रसोइए के रूप में कार्य किया। बाद में उसे माओवादी कमांडर करम दा उर्फ विवेक का अंगरक्षक बनाया गया। वर्ष 2022 में उन्हें एरिया कमेटी सदस्य का पद मिला। संगठन में रहकर उसने विस्फोटक और हथियार छिपाने, ग्रामीणों से लेवी वसूली और पुलिस बलों पर हमले जैसी कई नक्सली गतिविधियों में हिस्सा लिया। सरिता को वर्ष 2020 में जया दी द्वारा संगठन में शामिल किया गया था। शिवलाल और सरिता ने वर्ष 2024 में विवाह किया।

पुलिस ने बताया कि संगठन के शीर्ष कमांडरों द्वारा शोषण, ग्रामीणों पर अत्याचार और पुलिस कार्रवाई से भयभीत होकर दोनों ने संगठन छोड़ने का मन बनाया। गिरिडीह पुलिस लगातार इनके परिजनों के संपर्क में थी और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रही थी।

आत्मसमर्पण के बाद दोनों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत लाभ दिया जाएगा। शिवलाल के विरुद्ध गिरिडीह, डुमरी, खुखरा, मधुबन, चतरोचट्टी और जगेश्वर विहार थाना क्षेत्रों में दर्ज 11 मामले हैं, जिनमें हत्या, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, यूएपीए और आर्म्स एक्ट की धाराएं शामिल हैं।

कमरे में पति-पत्नी और बच्ची की मिली लाश

धनबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद में बीती रात एक ही परिवार के तीन सदस्यों का कमरे में शव पड़ा मिला। घटना जोगता थाना क्षेत्र के सिजुआ न्यू साइडिंग एक नंबर की है। घटना के समय कमरे में हीटर जल रहा था। आशंका जाहिर की जा रही है कि करंट लगने से तीनों की मौत हुई है।

मृतकों में राजा अंसारी (25), उसकी पत्नी अमीना खातून (20) और पुत्री मायरा (2) शामिल है। राजा दैनिक मजदूरी करता था। राजा कुछ दिन पूर्व ही सिजुआ साइडिंग स्थित रघुनंदन के मकान में किराए पर रहने के लिए आया था। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की शाम 7 बजे राजा कतरास से मजदूरी कर घर लौटा था। उसके कुछ देर बाद पड़ोस के किसी को व्यक्ति को पति-पत्नी व बच्ची के बेसुध पड़े रहने की जानकारी मिली।

छत्तीसगढ़ में गौ-सेवा आयोग में 934 नियुक्तियां

जिला-ब्लॉक स्तर पर बनी समिति, विजय शर्मा-विजय अग्रवाल अध्यक्ष, गौशाला प्रबंधन-तस्करों पर रखेंगे नजर

रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने गौ-सेवा आयोग नियम 2005 में संशोधन कर जिला और ब्लॉक स्तरीय समिति के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की है। राज्य बनने के बाद पहली बार इतने व्यापक स्तर पर गौशालाओं के निरीक्षण के लिए समितियों का गठन किया गया है। अध्यक्ष और सदस्य 3 साल के लिए जिम्मेदारी संभालेंगे।

राज्य में जिला और ब्लॉक स्तर पर कुल 934 अध्यक्ष और सदस्य बनाए गए हैं। कमेटी में अध्यक्ष और 5-5 सदस्यों की नियुक्ति की गई है। रायपुर में लोमस कुमार यदु, दुर्ग में विजय अग्रवाल और सूरजपुर में विजय शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है।

ये समितियां गौशालाओं के पंजीकरण, पर्यवेक्षण, जैविक खेती और गौशाला प्रबंधन की मॉनिटरिंग करेगी। तस्करों पर नजर रखेगी। इन समितियों की नई गौशाला शुरू कराने में अहम भूमिका होगी। आदेश के अनुसार जिला स्तरीय गौ सेवा समिति हर 2 महीने में और ब्लॉक स्तरीय समिति हर महीने बैठक करेगी। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष करेंगे। उनकी अनुपस्थिति में सदस्यों में से कोई एक अध्यक्षता कर सकता है। बैठक का आयोजन और व्यवस्थापन समिति के सचिव करेंगे। जिला और ब्लॉक स्तरीय समितियों के माध्यम से गौशालाओं के निरीक्षण, अनुदान वितरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थिति, पोषण और पशुधन स्वास्थ्य की जानकारी गो सेवा आयोग को प्रस्तुत की जाएगी। इसके अलावा गौशाला पंजीयन आवेदन विकासखंड समिति की अनुशंसा और जिला स्तरीय समिति की मंजूरी के बाद अनुमोदित होगा। इसका मतलब है कि नई गौशाला शुरू कराने में इन समितियों की अहम भूमिका होगी। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि, राज्य की पंजीकृत गौशालाओं का सुचारू संचालन, ग्रामीणों को जैविक खेती और पंचगव्य उत्पादन में प्रशिक्षित किया जा सके। नई समितियों की स्थापना से न केवल गौशालाओं का विकास होगा, बल्कि नई गौशालाओं की स्थापना और उनका पर्यवेक्षण भी प्रभावी तरीके से संभव होगा। सरकार का दावा है कि इस पहल से जिला और ब्लॉक स्तर पर व्यापक निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। जिससे छत्तीसगढ़ में गोसेवा और पशुपालन के क्षेत्र में गुणवत्ता, दक्षता और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

131 फीट ऊंचाई से गिरी लिफ्ट, 4 मजदूरों की मौत

सक्ती, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के डभरा स्थित आरकेएम पावर प्लांट में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। बॉयलर मेंटेनेंस के दौरान मजदूरों को ले जा रही एक लिफ्ट करीब 40 मीटर (131 फीट) की ऊंचाई से अचानक गिर गई। इस हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक और घायल मजदूर उत्तर प्रदेश और झारखंड के रहने वाले हैं। हादसे के वक्त लिफ्ट में कुल 10 मजदूर सवार थे। वे सभी प्लांट की पांचवीं मंजिल (करीब 75 मीटर ऊंची) तक जा रहे थे। लेकिन जब लिफ्ट 40 मीटर तक पहुंची, तो अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गई। गिरते ही प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

यह मामला डभरा थाना क्षेत्र का है। हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा। बाद में एक और मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। घायल मजदूरों को डभरा से रायगढ़ के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद बड़ी संख्या में मजदूरों के परिजन और अन्य मजदूर प्लांट गेट के बाहर जमा हो गए और हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही डभरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, लिफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई। हालांकि, प्लांट प्रबंधन और सुरक्षा विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सक्ती एडिशनल एसपी हरीश यादव ने बताया कि लिफ्ट गिरने से तीन मजदूरों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। सभी मजदूर बॉयलर की मरम्मत के कार्य में लगे थे। हादसे के बाद प्लांट में काम कर रहे मजदूरों में आक्रोश फैल गया। स्थिति को देखते हुए डभरा पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस मौके पर मौजूद है।

स्थानीय मजदूरों ने आरोप लगाया है कि पॉवर प्लांट प्रबंधन की गंभीर लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

गुवा डाकघर से फर्जी निकासी उप डाकपाल गिरफ्तार

चाईबासा, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा डाकघर से लगभग 50 लाख रुपए की फर्जी निकासी के आरोप में तत्कालीन उप डाकपाल विकास चंद्र कुलिला (46) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं के खाताधारकों की राशि का दुरुपयोग कर जुए में गंवाने का आरोप है। यह मामला 1 फरवरी 2023 से 19 जून 2025 के बीच का है। इस अवधि में आरोपी ने कुल 50,56,473 रुपए की फर्जी निकासी की थी। इस संबंध में डाक निरीक्षक सुमन कुमार सांमता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर गुवा थाना में कांड संख्या 34/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि विकास चंद्र कुलिला ने फर्जी तरीके से निकाली गई राशि को ऑनलाइन जुए के ऐप जैसे डेल्टा एक्सचेंज और धूम 999 कैसीनो पर गंवा दिया। इसके अलावा, उसने स्थानीय जुआ स्थलों पर भी भारी रकम हारी।

आरोपी के एसबीआई और डाकघर खातों की जांच में बड़े वित्तीय लेनदेन के प्रमाण मिले हैं। पश्चिम सिंहभूम पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने टुंगरी स्थित आरोपी के आवास पर छापेमारी कर उसे उसकी पत्नी और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में गिरफ्तार किया।

शराब घोटाला: भूपेश के बेटे चैतन्य की जमानत याचिका खारिज

13 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर है बघेल, 90 दिनों में जांच पूरी करेगी ईडी-ईओडब्ल्यू

रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका खारिज हो गई है। बुधवार को रायपुर एसीबी-ईओडब्ल्यू स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके अलावा कोल लेवी घोटाला केस में आरोपी जयचंद कोसले की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई है।

इससे पहले सोमवार को चैतन्य बघेल को एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया था। कोर्ट ने चैतन्य को 13 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है। इससे पहले भी ईओडब्ल्यू की ओर से 14 दिन की कस्टोडियल रिमांड लेकर पूछताछ की जा चुकी है।

ईडी-ईओडब्ल्यू 90 दिनों में जांच पूरी करेगी। बता दें कि चैतन्य बघेल को ईडी ने 18 जुलाई 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, तब से चैतन्य जेल में हैं। शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले से प्राप्त कुल राशि में से 16.70 करोड़ रुपए चैतन्य के हिस्से में आए। इस अवैध धन को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में निवेश कर कानूनी रूप देने का प्रयास किया गया।

ईडी ने बताया कि चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को सफेद दिखाने के लिए फर्जी निवेश रिकॉर्ड प्रस्तुत किए। इसके अलावा, उन्होंने सिंडिकेट के सहयोग से करीब 1000 करोड़ रुपए की धनराशि की हेराफेरी में भाग लिया।

ईडी की जांच में सामने आया है कि चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में शराब घोटाले की धनराशि निवेश की गई थी। प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट्स के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने आवश्यक रिकॉर्ड जब्त किया था।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ रुपए था, जबकि रिकॉर्ड में केवल 7.14 करोड़ रुपए दर्शाए गए।

ट्रम्प बोले- कनाडा-यूएस का विलय हो सकता है

कनाडाई पीएम ने कहा- ट्रम्प स्पेशल राष्ट्रपति, भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने का क्रेडिट दिया

वॉशिंगटन, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी मंगलवार को अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान ओवल ऑफिस में कार्नी के साथ प्रेस से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मजाक में कहा कि कनाडा और अमेरिका मर्ज हो सकते हैं।

कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। इसके अलावा कार्नी ने ट्रम्प की तारीफ की और भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया।

व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, 'आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की।'

कार्नी इस साल दूसरी बार अमेरिका गए हैं। पीएम कार्नी के साथ कनाडा के व्यापार मंत्री

डोमिनिक ले ब्लैंक, विदेश मंत्री अनीता आनंद और उद्योग मंत्री मेलानी जोली भी अमेरिका पहुंची हैं।

इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को एक भाषण में दावा किया कि उनके टैरिफ की ताकत ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका। उन्होंने कहा था, 'अगर मेरे पास टैरिफ की ताकत नहीं होती, तो सात में से चार युद्ध चल रहे होते। भारत और पाकिस्तान में तनाव था, सात विमान मार गिराए गए थे। मेरी बात बहुत प्रभावी थी।'

ट्रम्प ने मई से अब तक करीब 50 बार दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से भारत-पाक में शांति हुई। हालांकि, भारत ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत से 10 मई को युद्धविराम हुआ।

ट्रम्प ने कार्नी की तारीफ की और मजाक में कहा कि कनाडाई पीएम ने उन्हें काफी मशहूर कर दिया। उन्होंने कहा कि हम दोनों का रिश्ता शुरू से अच्छा है, लेकिन कुछ छोटी-मोटी असहमतियां हैं, जिन्हें सुलझा लेंगे। ट्रम्प ने बताया कि आज की बातचीत में टैरिफ पर भी चर्चा होगी, लेकिन यह नहीं बताया कि कनाडा पर लगा टैरिफ हटाएगा या नहीं।

ट्रम्प ने गाजा युद्ध का जिक्र किया और कहा कि वहां शांति हो सकती है। उनकी टीम वहां काम कर रही है और दुनिया के कई देश उनकी शांति योजना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बड़ा हो सकता है, लेकिन तब तक अमेरिका और कनाडा कुछ व्यापारिक समझौते करेंगे।

शटडाउन पर कहा- अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे

अमेरिकी में जारी शटडाउन पर सवाल पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे, लेकिन कुछ लोग जो सही नहीं हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था होगी।

ट्रम्प ने कनाडा के साथ व्यापार को मुश्किल बताया, क्योंकि दोनों देशों के बीच कुछ असहमतियां हैं। फिर भी, उन्होंने कहा कि वे कनाडा और उसके लोगों से प्यार करते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता काफी बेहतर हुआ है और वे इन असहमतियों को सुलझा लेंगे। स्टील टैरिफ पर उन्होंने कहा कि वह अपना स्टील खुद बनाना चाहते हैं, लेकिन कनाडा को भी फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी

यशराज स्टूडियो का दौरा किया, आज 100 मेंबर का डेलिगेशन लेकर मुंबई पहुंचे

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी। उन्होंने यशराज स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ अक्षय विधानी से भी मुलाकात की। उन्होंने कौन सी फिल्म देखी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

स्टार्मर आज ही मुंबई पहुंचे हैं। 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। उनके साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर आज कूपरेज ग्राउंड में एक फुटबॉल कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा शाम में विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात कर सकते हैं।

यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने आज यह पुष्टि की है कि वह अपनी तीन बड़ी फिल्मों की शूटिंग 2026 की

शुरुआत से यूनाइटेड किंगडम (यूके) में करेगी। ब्रिटिश पीएम ने कहा कि इस कदम से ब्रिटेन में 3,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी।

प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, "बॉलीवुड ब्रिटेन में वापसी कर रहा है। यह पार्टनरशिप भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील के असली मकसद को पूरा करती है।"

यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा —"यूके हमेशा हमारे लिए बेहद खास रहा है। हमारी सबसे बड़ी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) वहीं फिल्माई गई थीं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का हमारे स्टूडियो आना और इस साझेदारी पर हस्ताक्षर करना हमारे लिए सम्मान की बात है।"

स्टार्मर और पीएम मोदी के

बीच कल मुंबई में एक कार्यक्रम में मुलाकात होगी और 'विजन 2030' के तहत साझेदारी के डेवलपमेंट पर चर्चा करेंगे।

इसी साल जुलाई में भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर दस्तखत हुआ था। यह समझौता का मकसद आपसी व्यापार को 2030 तक दोगुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

एफटीए से भारतीय प्रोडक्ट्स जैसे- कपड़े, चमड़ा और एग्री प्रोडक्ट को ब्रिटेन में बेचना आसान हो जाएगा। अब स्टार्मर का दौरा दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्टार्मर बोले- ट्रेड डील में वीजा का रोल नहीं

स्टारमर ने कहा है कि उनका देश भारत के लिए वीजा नियमों में कोई ढील नहीं देगा। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार और सांस्कृतिक रिश्ते बढ़ाने के बड़े मौके हैं, लेकिन भारतीय कामगारों या छात्रों के लिए नए वीजा रास्ते खोलने की कोई योजना नहीं है।

लेबर सरकार इस समय ब्रिटेन में आने वाले प्रवासियों की संख्या घटाने की कोशिश कर रही है। भारत की ओर उड़ान भरते समय पत्रकारों से बात करते हुए स्टार्मर ने दोहराया कि भारत के साथ हुए व्यापार समझौते में वीजा का कोई रोल नहीं था और इस मामले में स्थिति जस की तस है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या ट्रम्प के अमेरिका में एच-1बी वीजा नियम बदलने के बाद ब्रिटेन तकनीकी प्रतिभाओं को आकर्षित करने पर विचार करेगा, तो उन्होंने कहा कि ब्रिटेन दुनिया भर से बेहतरीन प्रतिभाओं को लाना चाहता है ताकि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले, लेकिन उन्होंने फिर से साफ कहा कि भारत के लिए नए वीजा रास्तों की कोई योजना नहीं है।

रोहिंग्या मुस्लिमों की सेना का बड़ा हमला नाकाम

ढाका/नेपीडॉ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यांमार में रोहिंग्या लड़ाकों का बड़ा हमला नाकाम हो गया है। सितंबर महीने के अंत में रिपोर्ट आई थी कि म्यांमार के रखाइन राज्य में रोहिंग्या लड़ाके दाखिल हो गये हैं। अब पता चला है कि 25 और 29 सितंबर को रोहिंग्या लड़ाके कुटुपालोंग शरणार्थी शिविर-7 से निकलकर माउंगदॉ में अराकान आर्मी के पोस्ट्स पर हमला करने के लिए गए थे। शुरुआती रिपोर्टों में दावा किया गया कि रोहिंग्या समूह ने सीमा के पार तीन पोस्ट कब्जा कर लिए थे, लेकिन अब विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक रोहिंग्या के चौकियों पर कब्जा करने के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 100 से ज्यादा रोहिंग्या लड़ाकों ने ये हमला किया था और उन्होंने इस दौरान कई स्थानीय लोगों को हत्या कर दी है, जिनमें एक बौद्ध भिक्षु भी शामिल था और उन्होंने खुद को अराकान आर्मी का हिस्सा दिखाने की कोशिश की। अराकान आर्मी ने 1 अक्टूबर को प्रेस बयान जारी कर कहा कि एआरएसए और आरएसओ के लड़ाके सीमा पोस्टों को कब्जा करने का प्रयास जरूर कर रहे थे, लेकिन 28 सितंबर को माउंगदॉ टाउनशिप सीमा क्षेत्र में उनका हमला नाकाम हो गया।

अराकान आर्मी का आरोप है कि इस हमले में एआरएसएआतंकवादी समूह की भूमिका थी और बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश ने उन्हें म्यांमार में दाखिल होने में मदद की थी। 29 सितंबर को करीब 100 एआरएसएऔर आरएसओ लड़ाके तीन ट्रकों में कुटुपालोंग शिविर से निकलकर नैखोंगछरी के अमतोइलछोरा पहुंचे, जहां से सीमा ज्यादा दूर नहीं थी। इन लड़ाकों ने नाफ नदी मार्ग के बजाय जमीन से होकर सीमा पार किया। गूगल अर्थ स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि डोन न्यो और इन चांग गांव, पोस्ट 56 और 57 नैखोंगछरी के ठीक सामने हैं।

पाकिस्तानी तालिबान के हमले में 11 पाक सैनिकों की मौत

मुठभेड़ में 19 लड़ाके भी मारे गए, भारत पर हमलावरों की मदद का आरोप

इस्लामाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमले में मंगलवार रात को 11 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। इसमें 2 अधिकारी और 9 सैनिक शामिल हैं।

अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तानी सेना टीटीपी के खिलाफ ऑपरेशन चला रही थी। इस दौरान दोनों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें टीटीपी के 19 लड़ाके भी मारे गए हैं।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (ISPR) ने आरोप लगाया कि हमलावरों को भारत का समर्थन मिल रहा है। सेना ने दावा किया कि वह इन्हें खत्म करने में जुटी है। पिछले कुछ महीनों से टीटीपी ने पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सैनिक टीटीपी के खिलाफ कुर्रम जिले में ऑपरेशन को अंजाम देने पहुंचे थे। इसी दौरान हमलावरों ने

उनकी गाड़ी पर बम से हमला किया और फिर फायरिंग की।

रॉयटर्स को भेजे गए एक बयान में पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि उनके लड़ाकों ने काफिले को निशाना बनाया।

पाकिस्तानी सेना ने अपने बयान में कहा कि उन्हें कुर्रम में इंडियन प्रॉक्सी संगठन फितना अल-ख्वारिज से जुड़े आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद ऑपरेशन चलाया गया। पाकिस्तानी सेना टीटीपी को फितना अल-ख्वारिज बुलाती है। यह एक अरबी शब्द है। फितना का मतलब 'उपद्रवी' और अल-ख्वारिज का मतलब 'चरमपंथ के रास्ते पर चले जाने वाले लोग' होते हैं।

2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ रखा है। टीटीपी को पिछले बारह साल में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा आतंकवादी खतरा माना जा रहा है।पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके सीमा पार अफगानिस्तान से ट्रेनिंग लेकर पाकिस्तान लौटते और हमला करते हैं।

हालांकि तालिबान दावा करता है कि वह टीटीपी का समर्थन नहीं करता। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, देश में आतंकवादी हमले 2015 के बाद सबसे ज्यादा हो गए हैं, और टीटीपी इसकी मुख्य वजह है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक के इन हमलों की वजह से ही पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें

सीआईए की फाइलों से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को 'दोहरा मापदंड' बताया था, लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है।

दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार 'कैंसर' की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता।

सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन काह्न के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ में शामिल नहीं किया गया।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला

500 लोगों ने काफिले को घेरा, पत्थर फेंके, गोलियां चलाई, 5 गिरफ्तार

क्विटो, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ पर बुधवार को कैनार प्रांत में 500 से ज्यादा लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। उनके काफिले पर पत्थर फेंके और गाड़ी पर गोलियां चलाईं। इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति की कार पर गोली लगने के निशान दिखाई दिए, लेकिन नोबोआ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पर्यावरण और ऊर्जा मंत्री इनेस मंजानो ने मीडिया को बताया कि घटना के बाद पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति की कार पर गोली चलाना और पत्थर फेंकना अपराध है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

राष्ट्रपति कार्यालय ने सभी संदिग्धों पर आतंकवाद और हत्या

के प्रयास के आरोप लगाने और मुकदमा चलाने की घोषणा की है।

फ्यूल सब्सिडी खत्म करने पर प्रदर्शन

इक्वाडोर में प्रदर्शन ईंधन (डीजल) सब्सिडी खत्म करने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने सितंबर में डीजल सब्सिडी हटाने का आदेश जारी किया था।

सरकार का कहना है कि इससे हर साल करीब 1.1 अरब डॉलर (लगभग 9,000 करोड़) की बचत होगी, जिसे छोटे किसानों और ट्रांसपोर्ट कर्मियों को मुआवजा देने में इस्तेमाल किया जाएगा।

लेकिन, आदिवासी संगठनों और छोटे किसानों का कहना है:

डीजल महंगा होने से खेती की लागत और ट्रांसपोर्ट किराया बढ़ जाएगा।

गरीब और ग्रामीण समुदायों पर सबसे ज्यादा बोझ पड़ेगा।

जबकि अमीर और बड़े उद्योग इसका असर आसानी से झेल लेंगे।

सरकार ने हिंसा रोकने के लिए आपातकाल लगाया

सब्सिडी खत्म करने के विरोध में शुरू हुए हिंसक प्रदर्शन को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने कई क्षेत्रों में आपातकाल लगा रखा है।

इक्वाडोर की राष्ट्रीय आदिवासी महासंघ (CONAIE) ने पुलिस कार्रवाई को क्रूर बताया और कहा कि पांच प्रदर्शनकारियों को मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया गया है।

CONAIE पिछले दो हफ्तों से डीजल सब्सिडी हटाने के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल चला रहा है। उनका कहना है कि यह कदम छोटे किसानों और आदिवासी समुदायों पर सबसे ज्यादा असर डालेगा। राष्ट्रपति के ऐलान के बाद ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी हुई है।

राष्ट्रपति बोले- कानून सबके लिए बराबर

हमले के कुछ घंटे बाद नोबोआ ने कुएंका शहर में छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा,'जो लोग हमें रोकना चाहते थे, उन्होंने हमला किया, लेकिन हमें डरना नहीं चाहिए। नए इक्वाडोर में ऐसे हमले बर्दाश्त नहीं होंगे, कानून सब पर लागू होगा।'

पाक रक्षामंत्री बोले-हमारे मिलिट्री एक्शन से मोदी की लोकप्रियता घटी

बिहार में चुनाव के कारण भारत भड़काऊ कार्रवाई कर रहा

इस्लामाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बिहार चुनाव की वजह से भारत भड़काऊ कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने यह बयान पाकिस्तानी न्यूज चैनल समा टीवी पर बुधवार को दिया।

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि मई में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई से मोदी की लोकप्रियता घटी है। उनके समर्थक भी अब उनकी आलोचना कर रहे हैं। हमने संघर्ष के दौरान 6 भारतीय फाइटर जेट्स मार गिराए थे।

आसिफ ने दावा किया कि पहले जो देश भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान न्यूट्रल रहते थे, वे अब हमारे खेमे में शामिल हो गए हैं और जो भारत का समर्थन कर रहे थे, वे अब चुप हैं। यह बात भारत को सालों तक परेशान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि

भारत सिर्फ औरंगजेब के समय ही एकजुट था।

इतिहास बताता है कि औरंगजेब की हुकूमत के अलावा भारत कभी पूरी तरह एकजुट नहीं रहा। पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बना है। हम घर में आपस में लड़ते हैं, लेकिन भारत से लड़ाई होने पर एक हो जाते हैं।

ख्वाजा आसिफ ने तीन दिन पहले भारत को धमकी देते हुए कहा था कि अबकी बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया X पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है।

आसिफ ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली जानबूझकर तनाव बढ़ा रही है ताकि नागरिकों का ध्यान घरेलू चुनौतियों से भटकाया जा सके।

'चीनी हथियारों ने भारत के खिलाफ बेहतरीन काम किया'

पाकिस्तान की तरफ से बीते कुछ दिनों से लगातार भड़काऊ बयानबाजी की जा रही है। दो दिन पहले पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता जनरल अहमद चौधरी ने कहा था कि भारत के खिलाफ संघर्ष में चीनी हथियारों ने मई में बेहतरीन काम किया था।

उन्होंने कहा था कि हम हर तरह की तकनीक के लिए खुले हैं। चीनी तकनीक ने बहुत अच्छा काम किया। पाकिस्तान ने 7 भारतीय फाइटर जेट्स मार गिराए थे, जबकि भारत ने एक भी पाकिस्तानी विमान नहीं गिराया।

पाकिस्तान के 81% हथियार चीन से आते हैं

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) के मुताबिक, 2020 से 2024 तक पाकिस्तान के हथियारों का 81% चीन से आया। पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा हथियार ग्राहक है। पाकिस्तानी सेना अमेरिका के एफ-16 फाइटर जेट्स भी इस्तेमाल करती है।

एसआईपीआरआई के मुताबिक, 2024 में पाकिस्तान का रक्षा बजट 10.2 बिलियन डॉलर था, जबकि भारत का 86.1 बिलियन डॉलर।

अमेरिकी एफ-35 मिला नहीं

अब सेकेंड हैंड यूरोफाइटर टाइफून खरीदेंगे तुर्की के एर्दोगन, यह मुस्लिम देश बेचने को तैयार

अंकारा, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्की अपने हवाई ताकत को बढ़ाने की लगातार कोशिशें कर रहा है। इसके लिए तुर्की ने पहले अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने की कोशिशें की। लेकिन, जब राष्ट्रपति रेसेप तैयर एर्दोगन की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मनाने की कोशिशें नाकाम हो गईं, तब उन्होंने सेकेंड हैंड यूरोफाइटर टाइफून की ओर देखना शुरू कर दिया है। यूरोफाइटर टाइफून की गिनती दुनिया के बेहतरीन लड़ाकू विमानों में की जाती है। एर्दोगन ने इससे पहले नए-नवेले यूरोफाइटर टाइफून को खरीदने की भी कोशिशें की थी, लेकिन जर्मनी के विरोध के कारण वो भी कामयाब न हो सकीं। ऐसे में एर्दोगन अब सेकेंड हैंड यूरोफाइटर टाअफून पर दांव लगाने जा रहे हैं। मिडिल ईस्ट आई (एमईई) की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की कतर के साथ सेकेंड हैंड यूरोफाइटर टाइफून जेट खरीदने के लिए एक समझौते पर चर्चा कर रहा है। यह देश तेजी से पुराने होते एफ-16 बेड़े को अपग्रेड करने के लिए बेचैन है। तुर्की ने स्वदेशी स्तर पर पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान केएएएन को भी विकसित किया है, लेकिन यह 2030 से पहले वायुसेना में शामिल नहीं हो सकेगा।

रसायन विज्ञान के लिए साल 2025 के नोबेल पुरस्कार का ऐलान

सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और ओमर यागी को मिला सम्मान

स्टॉकहोम, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2025 का रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जापान के सुसुमु कितागावा, ऑस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के ओमर एम. यागी को दिया गया है। स्वीडिश रॉयल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने यह सम्मान उन्हें मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) के विकास के लिए दिया है।

यह ऐसे क्रिस्टलीय पदार्थ हैं जो धातुओं और ऑर्गेनिक अणुओं से मिलकर बनते हैं और गैसों, दवाओं और रसायनों के भंडारण और शुद्धिकरण में अहम भूमिका निभाते हैं। इनकी खोज

जापान के सुसुमु कितागावा, ऑस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के ओमर एम . यागी

ने सामग्री विज्ञान और रसायन शास्त्र दोनों में नई संभावनाएं खोली हैं।

साल 1901 से 2024 के बीच 195 व्यक्तियों को 116 रसायन विज्ञान पुरस्कार दिए गए हैं। वर्ष 2024 का पुरस्कार सिएटल स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय के जैव रसायन शास्त्री डेविड बेकर और लंदन स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान प्रयोगशाला, गूगल डीपमाइंड के कंप्यूटर वैज्ञानिक डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर को दिया गया था।

साल 2025 के पहले नोबेल पुरस्कार की घोषणा सोमवार को की गई। चिकित्सा का पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और डॉ. शिमोन सकागुची को परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता से संबंधित उनकी खोजों के लिए दिया गया।

आपको बता दें कि मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स ऐसे क्रिस्टलीय पदार्थ हैं जो धातु आयनों और ऑर्गेनिक अणुओं के संयोजन से बनते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनका ढांचा बेहद छिद्रयुक्त होता है, जिससे ये गैसों, तरल पदार्थों या अणुओं को अवशोषित और संग्रहीत कर सकते हैं।

यूएन ने श्रीलंका की आलोचना की

गायब किए गए लोगों के मामलों में धीमी प्रगति से नाराज

न्यूयॉर्क, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के एक पैनल ने श्रीलंका में जबरन गायब किए गए लोगों के मामलों की धीमी प्रगति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। यूएन ने श्रीलंका सरकार के लापता व्यक्तियों के कार्यालय (ओएमपी) के प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की, जिसने गायब किए गए करीब 17 हजार मामलों में से कुछ ही मामलों का खुलासा किया है। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र की जांच एजेंसियों द्वारा गायब किए गए लोगों (यूएनसीईडी) पर रिपोर्ट जारी हुई।

यूएनसीईडी की यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) द्वारा सोमवार को एक प्रस्ताव पारित किए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें श्रीलंका पर मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के कार्यकाल को दो और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि श्रीलंका सरकार के विभाग ओएमपी को लोगों के गायब होने के 16,966 मामलों मिले, जिनमें से अब तक केवल 23 का ही पता लगाया जा सका है।

इससे लापता लोगों के परिवारों की दीर्घकालिक मांगों को पूरा करने के लिए बनी इस संस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

सिलेंडर विस्फोटः जयपुर-अजमेर हाईवे पर भीषण धमाके, आग की लपटों में घिरा हाईवे, एक की मौत

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर हाईवे पर कल देर रात हुए हादसे में केमिकल से भरा टैंकर एलपीजी सिलेंडरों से लदे ट्रक टकराने बाद पूरा हाईवे आग की लपटों में घिरा दिखाई दिया।

जयपुर-अजमेर हाईवे मंगलवार देर रात धमाकों से गूंज उठा। दूदू क्षेत्र के मौखमपुरा के पास एक केमिकल टैंकर ने सड़क किनारे खड़े एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रक को टक्कर मार दी, जिसके बाद भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग सिलेंडरों तक पहुंच गई और लगातार दो घंटे तक करीब 200 सिलेंडर फटते रहे। धमाकों की आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जबकि कुछ सिलेंडर 500 मीटर दूर खेतों में जा गिरे।

हादसे में टैंकर ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि ट्रक चालक बाल-बाल बचा। प्रत्यक्षदर्शियों के

अनुसार आरटीओ की गाड़ी देखकर घबराए टैंकर ड्राइवर ने वाहन को सड़क किनारे ढाबे में घुसाने की कोशिश की लेकिन सामने खड़े एलपीजी सिलेंडर से लदे ट्रक से टकरा गया। टक्कर के साथ हुई स्पार्किंग के कारण आग लग गई और दोनों वाहन उसकी चपेट में आ गए।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास खड़े चार-पांच अन्य ट्रक भी जलकर खाक हो गए। मौके पर पहुंची दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक और टैंकर पूरी तरह नष्ट हो चुके थे।

हादसे के बाद दोनों ओर 20 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक को किशनगढ़ और टोंक रोड की ओर डायवर्ट किया गया। हाईवे को सुबह करीब 4:30 बजे दोबारा खोला गया।

घटना की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शव के अवशेष थैले में भरकर अस्पताल भेजने पड़े। हादसे के बाद एसएमएस अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया, आईसीयू बेड रिजर्व किए गए और प्लास्टिक सर्जरी सहित सभी मेडिकल टीमें तैनात की गईं।

डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा और जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी घटना पर दुख जताते हुए अधिकारियों को जांच और सतर्कता के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के शुरुआती दो घंटे तक न तो दमकल पहुंची, न सुरक्षा इंतजाम, जिससे नुकसान बढ़ गया। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि क्या हमारे हाईवे पर खतरनाक रसायनों और गैस सिलेंडरों के परिवहन में सुरक्षा के पर्याप्त मानक लागू हैं?

सांसद राजकुमार रोत को मिली जान से मारने की धमकी
आरोपी ने की 1 करोड़ के इनाम की घोषणा

डूंगरपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा-डूंगरपुर संसदीय क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जान से मारने की धमकी मिली है। इस धमकी में सांसद को गोली मारने वाले व्यक्ति को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की बात कही गई है। इस सनसनीखेज मामले के बाद सांसद के समर्थकों में आक्रोश देखा जा रहा है।

बता दें, सांसद राजकुमार रोत ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक को शिकायत दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार को उदयपुर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान सामने आई। सांसद राजकुमार रोत ने इस वार्ता में उदयपुर जिले के नाई थाना पुलिस

की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस एक हत्या के मामले में आदिवासियों को झूठे आरोपों में फंसाकर उनकी जमीनें हड़पने का प्रयास कर रही है।

बताते चलें कि यह पत्रकार वार्ता फेसबुक पर लाइव प्रसारित हो रही थी। इसी दौरान चंद्रवीर सिंह नाम के एक सोशल मीडिया यूजर ने लाइव कमेंट में सांसद को गोली मारने की धमकी दी और इसके लिए एक करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की।

धमकी के साथ गंभीर आरोप

दरअस, चंद्रवीर सिंह ने अपने कमेंट में सांसद को धमकी देने के साथ-साथ उन पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। उसने सांसद राजकुमार रोत को ईसाई होने और सर्व समाज में माहौल खराब करने का दोषी ठहराया। यह कमेंट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। धमकी देने वाले यूजर ने बाद में अपना फेसबुक अकाउंट डीलीट कर दिया है।

सांसद ने जताई सुरक्षा को लेकर चिंता

इस खुलेआम धमकी के बाद सांसद राजकुमार रोत ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की धमकियां न केवल उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव के लिए भी चुनौती हैं। सांसद ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है और डीजीपी व आईजी को पत्र लिखकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस वायरल धमकी के बाद डूंगरपुर और बांसवाड़ा क्षेत्र में तनाव का माहौल है। सांसद के समर्थकों और स्थानीय लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर चर्चा तेज है। पुलिस प्रशासन ने अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

सचिन पायलट का भाजपा पर तीखा प्रहार
बोले- जनता का सरकार पर से विश्वास टूटा, बिहार में बदलाव तय

अजमेर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट अजमेर पहुंचे, जहां शहर भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने जगह-जगह पायलट के स्वागत में नारे लगाए और फूल मालाएं पहनाईं। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि एसएमएस अस्पताल में हुई घटना सरकार की कार्यशैली और उसकी संवेदनहीनता का स्पष्ट उदाहरण है। यह सरकार पूरी तरह प्रशासनिक विफलता का शिकार है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पौने दो साल पूरे होने को हैं लेकिन इस दौरान जनता का भरोसा पूरी तरह टूट चुका है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बीच खिंचाव, टकराव और समन्वय की कमी साफ नजर आती है। अफसरशाही सरकार पर हावी है, जिससे जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा। कैबिनेट विस्तार तक नहीं हो पा रहा है, जो इस सरकार की कमजोरी को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की बात करने वाले आज खुद जनता को डबल निराशा दे रहे हैं।

पायलट ने कहा कि प्रदेश के हालात इतने बिगड़ गए हैं कि जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। विकास ठप है, भ्रष्टाचार चरम पर है और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यह सरकार चुनाव टालने का प्रयास इसलिए कर रही है, क्योंकि उसे जनता के गुस्से का डर है। भाजपा जानती है कि चुनाव हुए तो जनता उसे जवाब देगी।

पायलट ने मुख्य न्यायाधीश पर

हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हम सब देशवासियों के लिए अत्यंत दुखद और शर्मनाक घटना है। हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं में इस तरह की हिंसा या असहिष्णुता की कोई जगह नहीं है। असहमति का मतलब टकराव नहीं होता। विचारों के मतभेद लोकतंत्र की ताकत हैं, कमजोरी नहीं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने देश में कड़वाहट पैदा की है और जो लोग ऐसी हरकत करते हैं, वे लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं।

बिहार में चल रही सियासत पर बोलते हुए पायलट ने कहा कि वहां की जनता बदलाव के मूड में है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने सत्ता के लालच में जनता को अंधकार में धकेला है। हमारा गठबंधन बिहार में एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आएगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हम बिहार को एक मजबूत और पारदर्शी सरकार देने में कामयाब होंगे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने तथ्यों और प्रमाणों के साथ वोट चोरी का मुद्दा देश के सामने रखा है। यदि निर्वाचन आयोग वास्तव में निष्पक्ष है, तो उसे तत्काल जांच बैठानी चाहिए। लोकतंत्र में पारदर्शिता सबसे बड़ी ताकत है और यदि मतदान प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें तो जनता का भरोसा डगमगा जाता है।

देश के युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि नौजवान राजनीति से दूर न रहें, बल्कि साफ छवि और ईमानदार सोच के साथ राजनीति में आएं। देश की नई पीढ़ी में बदलाव की ताकत है। वह भ्रष्टाचार, नफरत और झूठ की राजनीति नहीं चाहती। उसे स्वच्छ, पारदर्शी और जवाबदेह शासन चाहिए। नेताओं को जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा।

सरकार अपनी विफलताओं का ठीकरा आज भी नेहरू और राजीव गांधी जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों पर फोड़ती है। अब यह पुराना खेल बंद होना चाहिए। जनता अब सवाल पूछ रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम पूरी दुनिया में घट रहे हैं लेकिन भारत में क्यों नहीं? बेरोजगारी और महंगाई के सवालों से बचना अब संभव नहीं है।

'दूसरों पर आरोप लगाने से पहले कांग्रेस अपने गिरेबान में झांके'
बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का जूली पर पलटवार

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान मेडिकल क्षेत्र में

भारी कमीशनखोरी हुई और घटिया क्वालिटी की सामग्री खरीदी गई, जिसके परिणामस्वरूप आमजन को परेशानी उठानी पड़ी। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में फंगसयुक्त और मानकहीन चिकित्सा सामग्री खरीदी गई थी। इसका खुलासा कई जांचों में भी हो चुका है। इसके विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार ने व्यवस्थागत सुधारों के जरिए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में जनता का धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा, जबकि भाजपा सरकार ने सभी स्तरों पर सुधार कर जनता का विश्वास अर्जित किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कोविड काल का उदाहरण देते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई कई मशीनें कांग्रेस शासन में या तो किराए पर दे दी गईं या उपयोग में नहीं ली गईं। कई ऑक्सीजन मशीनें धूल फांकती रहीं, जिससे कांग्रेस की कार्यकुशलता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अब कांग्रेस के कार्यकाल में किए गए उन पापों को सुधार रही है और चिकित्सा सेवाओं में विश्वसनीय सुधार कर रही है। राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं की व्यक्तिगत टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब धरातल पर काम करने की बात आती है, तो कांग्रेस केवल आरोप लगाने तक सीमित रह जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति हमेशा नकारात्मक और विरोध की रही है। हादसों और दुर्घटनाओं पर राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत बन चुकी है।

उन्होंने तंज कसा कि कांग्रेस के भीतर ही घुटन और असंतोष का माहौल है। हाल ही में वरिष्ठ नेता शांति धारीवाल और प्रहलाद गुंजल के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प कांग्रेस की आंतरिक कलह का प्रमाण है। राठौड़ ने कहा कि भाजपा जनसेवा और जवाबदेही की नीति पर काम कर रही है और जनता के हित में हर मोर्चे पर मजबूती से खड़ी है।

सांसद राहुल कस्वां बोले- सरकार की नाकामी से ध्वस्त हो रहा हेल्थ सेक्टर, बताया कैसे होगा बदलाव

बीकानेर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांसद राहुल कस्वां ने मंगलवार को बीकानेर प्रवास के दौरान राज्य सरकार पर हेल्थ सेक्टर में विफलता को लेकर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हुई आग की घटना ने सरकार की गंभीर लापरवाही और प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर किया है। कस्वां ने कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक बदलाव संभव नहीं है।

बीकानेर पहुंचने पर राहुल कस्वां ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय रामेश्वर डूडी के निवास पर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डूडी जी का जाना न केवल कांग्रेस बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है। मेरे पिता जी से उनके घरेलू रिश्ते थे। आज प्रदेश ने एक सच्चा, जमीन से जुड़ा नेता खो दिया है।

इसके बाद सांसद कस्वां पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के निवास पर भी पहुंचे। जहां उन्होंने डॉ. कल्ला के भाई की पत्नी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।

मीडिया से बातचीत में सांसद कस्वां ने कहा कि एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में हुई घटना सरकार की बड़ी नाकामी और लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मंत्री एक-दूसरे पर इल्जाम लगा रहे हैं, लेकिन किसी की जवाबदेही तय नहीं की जा रही। सरकार को पूरे राज्य से माफी मांगनी चाहिए। कस्वां ने आगे कहा कि इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या होगा कि सूबे के चिकित्सा मंत्री करीब दस घंटे बाद मौके पर पहुंचे। यह सरकार की संवेदनहीनता और लचर व्यवस्था को दर्शाता है। राहुल कस्वां ने कहा कि हाल के दिनों में झालावाड़ और जयपुर जैसी घटनाएं बताती हैं कि राज्य का हेल्थ सेक्टर चरमराकर गिर चुका है। उन्होंने कहा कि सिर्फ किसी अधिकारी पर कार्रवाई करने से कुछ नहीं होगा। जब तक प्रशासनिक जवाबदेही तय नहीं होगी और सिस्टम में सुधार नहीं लाया जाएगा, तब तक हालात नहीं सुधरेंगे।

बीकानेर प्रवास के दौरान सांसद कस्वां ने आम नागरिकों से भी मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रशासन को पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा।

अवैध शराब बेचने वालों ने की फायरिंग
पेट और कोहनी में छर्रे लगने से घायल हुआ युवक, आरोपी फरार

अलवर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के कठूमर थाना क्षेत्र के इसरोदा गांव में एक व्यक्ति पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना में घायल हुए व्यक्ति का नाम श्रीराम बताया जा रहा है। घायल के परिजनों ने गांव में अवैध शराब बेचने वालों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। श्रीराम के पेट, कोहनी और घुटने पर देसी पिस्तौल के छर्रे लगे हैं।

घटना के बाद आरोपी ही श्रीराम को अस्पताल लेकर पहुंचे और डॉक्टरों से कहा कि वह पटाखों से घायल हुआ है लेकिन जब अस्पताल प्रशासन ने पुलिस रिपोर्ट मांगी और बिना रिपोर्ट इलाज से इंकार किया तो आरोपी श्रीराम को अस्पताल के बाहर छोड़कर फरार हो गए।

इसके बाद परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। परिजन राजाराम ने आरोप लगाया कि गांव के विश्राम पुत्र कजोड़ी, लोकेश पुत्र विश्राम और बन्नी ने फायरिंग की है। बताया जा रहा है कि विश्राम ने शराब के नशे में गोली चलाई, जिससे श्रीराम घायल हो गया।

घायल श्रीराम को कठूमर से जिला अस्पताल रैफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है, जो घटना के बाद से फरार हैं।

सुधांशु त्रिवेदी बोले- जो खुद को पीएम इन वेटिंग बताते हैं
वे अब तक अपने नेता का नाम भी तय न कर पाए

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए देश के प्रधानसेवक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुशासन के 24 वर्षों की पूर्णता पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना का प्रतीक है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि 7 अक्तूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और तब से लेकर अब तक वे लगातार 24 वर्षों से बिना अवकाश के राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

यह भारतीय राजनीति के इतिहास में अद्वितीय उपलब्धि है। उन्होंने गुजरात को विकास का मॉडल बनाकर प्रस्तुत किया और पिछले 11 वर्षों में भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री और तीन बार

प्रधानमंत्री रहकर भी सदैव 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करते रहे हैं। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है। यह प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक परिश्रम का परिणाम है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि मोदी का जीवन एक प्रेरणा है- तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन राष्ट्र को समर्पित। उन्होंने कहा कि मोदी का हर क्षण देश के उत्थान और नागरिकों के कल्याण को समर्पित रहा है।

बिहार चुनाव को लेकर डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि जनमत सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और वास्तविक परिणामों में भी यही झलक दिखेगी। एनडीए गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सामंजस्य और स्थिरता से कार्य कर रहा है, जबकि विपक्षी दलों में पारिवारिक कलह और नेतृत्व का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि जो खुद को सीएम समझते हैं, उनमें सीएम बनने की क्षमता नहीं और जो खुद को पीएम इन वेटिंग बताते हैं, वे अब तक अपने नेता का नाम भी तय नहीं कर पाए। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्वी भारत का विकास आवश्यक है और यह कार्य केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व में ही संभव है।

चरित्र शक में खौफनाक वारदातः पत्नी की हत्या कर शव को दुकान के तहखाने में दफनाया, ऊपर से नमक और मिट्टी डाला

डूंगरपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले में चौरासी थाना क्षेत्र के सुराता गांव में कुछ दिन पहले अपनी पत्नी की हत्या कर शव को दुकान के तहखाने में दफनाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी राकेश कटारा ने बताया कि सुराता बीचका फला निवासी आरोपी पति अरविंद पुत्र कारीलाल रोत ने अपनी पत्नी चेतना की हत्या कर उसके शव को दुकान के नीचे बने तहखाने में दफना दिया था।

मृतका के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर छानबीन की गई और मंगलवार को आरोपी पति अरविंद रोत को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने झगड़े के बाद पत्नी की हत्या करना कबूला है। कार्रवाई में एसआई मणीलाल, एएसआई छत्तर सिंह, हेड कांस्टेबल ईश्वरलाल, खुशपाल सिंह, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, अनिल कुमार, कालूराम, पप्पू कुमार और विपुल कुमार की टीम शामिल थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 27 सितंबर की रात पत्नी से झगड़ा हुआ था। इसी दौरान रात लगभग 10:30 बजे चेतना के गले में रस्सी का फंदा डालकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को दुकान के तहखाने में रख दिया। 29 सितंबर की रात लगभग एक बजे आरोपी ने दुकान के नीचे तहखाने में गड्ढा खोदा और शव को गड्ढे में डालकर, उसके ऊपर नमक और मिट्टी डालकर दफना दिया। उल्लेखनीय है कि आरोपी अरविंद रोत खुद एक अक्टूबर को चौरासी थाने पहुंचा था और अपनी पत्नी चेतना की हत्या कर शव को दुकान के बाहर (तहखाने में) दफनाने की बात कबूल की थी। इसके बाद, पुलिस ने आरोपी पति को डिटेन किया और उपखंड अधिकारी की मौजूदगी में दुकान के तहखाने की खुदाई कर शव को बाहर निकलवाया था।

आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी अर्टिगा कार
तीन युवकों की मौके पर ही हुई मौत, दो घायल

श्रीगंगानगर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में आज सवेरे सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाईवे-94 पर एक भयावह सड़क हादसा हो गया। गांव 5 जीबी पुलिया के पास, अनूपगढ़ की ओर जा रहे ट्रक में पीछे से आ रही अर्टिगा कार जा टकराई। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को तुरंत एम्बुलेंस से श्री गंगानगर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और मृतक युवकों के शव को मोर्चरी में रखवाया गया।

पुलिस के अनुसार हादसा उस मोड़ पर हुआ, जहां ट्रक अपनी गति धीमी कर रहा था और पीछे से आ रही कार अपनी रफ्तार कम नहीं कर पाई और सीधे ट्रक में जा घुसी।

मृतकों की पहचान सुरेंद्र (24), नरेश (18) और कालूराम (18) के रूप में हुई है। ये सभी 2पीजीएमबी, अनूपगढ़ के निवासी थे। गंभीर रूप से घायल हुए सुरेंद्र सिंह (18) और जगदीश कुमार को रैफर कर श्री गंगानगर जिला अस्पताल भेजा गया है।

जैतसर थाने की जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि साक्ष्यों और गवाहों के बयान लेकर हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मालगाड़ी के 38 डिब्बे पटरी से उतरे
रींगस और श्रीमाधोपुर के बीच हुआ हादसा, रेल यातायात प्रभावित

सीकर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में आज सुबह हुए हादसे में रींगस और श्रीमाधोपुर के बीच चावल के कट्टों से भरी मालगाड़ी के 38 डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। जानकारी के अनुसार सामने से आ रहे नंदी को बचाने के चक्कर में यह पूरा हादसा हो गया। इस हादसे की वजह से अब रेल यातायात भी बाधित हुआ है।

इस घटना में कोई जनहानि तो नहीं हुई लेकिन क्षतिग्रस्त डिब्बों को देखने पर ऐसा लगता है मानो कोई बड़ा हादसा हुआ हो। यह मालगाड़ी रेवाड़ी से फुलेरा की तरफ जा रही थी इसी दौरान यह पूरा हादसा हो गया। सुबह जब ट्रेन के डिब्बे पटरी से नीचे उतरे तब एक से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में लोगों को तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे डिपार्टमेंट में भी हड़कंप मच गया। रेलवे के कई अधिकारी, जीआरपी के जवान भी मौके पर पहुंचे। अब मौके पर क्रेन की मदद से डिब्बों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। हालांकि अभी इसमें 10 से 12 घंटे का समय लग सकता है। इस रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों का रूट भी बदला जा सकता है।

मंगलवार को भी बीकानेर के कोलायत और चानी स्टेशन के बीच हुए रेल हादसे में मालगाड़ी के 37 डिब्बे पटरी से उतर गए थे, जिन्हें ट्रैक से हटाने में कई घंटों का समय लग गया था और रेल यातायात डायवर्ट किया गया था।

हाईकोर्ट में पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर सुनवाई स्थगित

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सुनवाई गुरुवार दोपहर 2.15 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। चूँकि न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है, इसलिए राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) गुरुवार को चुनावों की आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा।

राज्य सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला शासनादेश संख्या 9 जारी किया था। इस कदम को बुटेम्बरी माधव रेड्डी और समुद्रला रमेश ने चुनौती दी थी, जिन्होंने शासनादेश की वैधता पर सवाल उठाते हुए याचिकाएँ दायर की थीं। इस बीच, पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के नेता आर. कृष्णैया, कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव और कई अन्य पिछड़ा वर्ग नेताओं ने आरक्षण के समर्थन में पक्षकार याचिकाएँ दायर की हैं।

मामले में मुख्य न्यायाधीश ए.के. सिंह को याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने तर्क दिया कि यदि सरकार आरक्षण बढ़ाने का इरादा रखती भी है, तो भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कुल सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि यह सीमा एजेंसी क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को छोड़कर सभी श्रेणियों पर लागू होती है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य ने पिछड़ी जातियों की जनगणना तो करवाई थी, लेकिन उसके आँकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए थे। उन्होंने सवाल किया कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों की जनसंख्या पर विचार किए बिना 42 प्रतिशत पिछड़ी जातियों के आरक्षण को कैसे उचित ठहराया जा सकता है, और पीठ को याद दिलाया कि इसी न्यायालय ने 2018 में 34 प्रतिशत पिछड़ी जातियों के आरक्षण को पहले ही रद्द कर दिया था। राज्य सरकार की ओर से पेश होते हुए, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि राज्यपाल निर्वाचित विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों को रोक रहे हैं, जिससे शासन व्यवस्था ठप हो रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के राज्यपाल ने पिछले कई महीनों से पिछड़ी जातियों के आरक्षण विधेयक पर कोई कार्रवाई नहीं की है और न ही उसे विधानसभा को वापस भेजा है।

उन्होंने तमिलनाडु के एक ऐसे ही मामले का हवाला देते हुए कहा, "निर्वाचित विधानसभाओं द्वारा बनाए गए कानून कैसे अस्वीकृत रह सकते हैं?" जहाँ एक विधेयक राज्यपाल के पास पाँच साल से लंबित था। सिंघवी ने पीठ को सूचित किया कि चुनाव कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है और स्थापित कानूनी परंपराओं के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद अदालतों को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उन्होंने राज्यपालों पर संविधान के 'अनुच्छेद 200' का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि यह देरी सरकारों को जन आकांक्षाओं को पूरा करने से रोक रही है। उन्होंने अदालत से सरकारी आदेश पर रोक न लगाने का आग्रह किया और कहा कि यह एक व्यापक अध्ययन के बाद जारी किया गया था।

उन्होंने अनुरोध किया कि अदालत दोनों पक्षों की पूरी दलीलें सुनने के बाद ही सरकारी आदेश संख्या 9 पर फैसला करे। प्रतिवेदन सुनने के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने चुनाव अधिसूचना जारी करने पर रोक लगाने की याचिकाकर्ताओं की याचिका पर विचार नहीं किया।

कोत्तागुडेम में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी

भद्राचलम और पिनापाका में 11 वर्षों बाद चुनाव होंगे

कोत्तागुडेम, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के बीच कोत्तागुडेम जिले के भद्राचलम और पिनापाका विधानसभा क्षेत्रों में कुछ स्थानीय निकायों में चुनाव होंगे। ये चुनाव पृथक तेलंगाना के गठन के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे हैं और 11 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहे हैं।

भद्राचलम और बर्गमपाड़ मंडल प्रजा परिषद (एमपीपी) तथा भद्राचलम और सरपका ग्राम पंचायत के चुनाव महत्वपूर्ण हैं। भद्राचलम एमपीपी में अब 14 एमपीटीसी सीटें हैं, जिसमें अध्यक्ष पद एसटी (महिला) के लिए आरक्षित है। पहले चुनाव 2014 में हुए थे, लेकिन बाद में कई गाँवों के आंध्र प्रदेश में विलय और नगरपालिका में अपग्रेड करने के सरकारी फैसले के कारण चुनाव नहीं हो पाए।

भद्राचलम प्रमुख ग्राम पंचायत में भी चुनाव 2013 के बाद नहीं हुए थे। इसे तीन छोटी ग्राम पंचायतों में विभाजित किया गया और बाद में स्थानीय विरोध को देखते हुए एक ही ग्राम पंचायत बना दी गई। सरपंच का पद एसटी (सामान्य) के लिए आरक्षित है।

बर्गमपाड़ एमपीपी के चुनाव भी लंबे समय बाद हो रहे हैं। पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में हुए 2014 के चुनावों के बाद स्थानीय निकाय का प्रबंधन एक विशेष अधिकारी द्वारा किया जा रहा था। सरपाका मेजर ग्राम पंचायत के चुनाव 2014 के बाद नहीं हुए थे। सरकार ने इसे 2019 में चुनावों से मुक्त किया था, लेकिन आदिवासी विरोध के कारण इसे ग्राम पंचायत के रूप में बनाए रखने का निर्णय लिया गया।

लंबे अंतराल के बाद हो रहे इन चुनावों में उम्मीदवार जीत हासिल करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

खम्मम में पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप का उद्घाटन

एचपीसीएल के स्तम्भाद्री स्टेशन से पुलिस कर्मियों के कल्याण में योगदान

खम्मम, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने बुधवार को खम्मम जिले के कोनिजेरला पुलिस स्टेशन के पास एचपीसीएल के स्तम्भाद्री पुलिस कल्याण फिलिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि इस पेट्रोल पंप से न केवल गुणवत्तापूर्ण पेट्रोल और डीजल उपलब्ध होंगे, बल्कि पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए आय भी उत्पन्न होगी।

दत्त ने उम्मीद जताई कि पुलिस कल्याण समिति द्वारा संचालित इस पंप को जनता का अच्छा समर्थन मिलेगा और आम लोगों से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर पुलिस कल्याणकारी पहलों का समर्थन करें।

एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता

अमरावती, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी, हैदराबाद में 14 सितंबर से 14 अक्टूबर तक मनाए जा रहे "राजभाषा माह के एक भाग के रूप में 8 अक्टूबर को अनुसंधान एवं विकास केंद्र के कार्मिकों के लिए "हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कार्मिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि के रूप में एस.के. चौरसिया, महाप्रबंधक, अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतियोगिता के निर्णायक कमालुद्दीन, हिंदी प्राध्यापक (सेवानिवृत्त), हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद का परिचय कराया। प्रतियोगिता बहुत रूचिकर रहीं। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर संदीप कुमार तिवारी, ए. सूरीबाबू और के.के. नागराजू; द्वितीय स्थान पर राहुल कनोजिया, आर. परणीधरन और के. एस. मुरली कृष्णा तथा तृतीय स्थान पर भरत मंजूनाथ, जगदीश शिंदे और एल.पी. रमेश की टीम विजेता रहीं।

मिधानि में निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) की नियुक्ति

अमरावती, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पडविट्टान बाबू ने मिधानि में निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) का पदभार ग्रहण किया। श्री बाबू एक अनुभवी धातुकर्म अभियंता हैं, जिन्हें विशेष धातुओं और मिश्रधातुओं जैसे विशेष इस्पात, सुपर-अलॉय तथा टाइटेनियम मिश्रधातु के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का गहन अनुभव है।

उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई से धातुकर्म अभियंत्रण में स्नातक उपाधि तथा डॉ. बी. आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद से एम.बी.ए. की उपाधि अर्जित की है।

उन्होंने वर्ष 1997 में मिधानि में अपने करियर की शुरुआत की और विपणन, उत्पादन, तथा रणनीतिक योजना जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। विपणन क्षेत्र में उन्होंने नए बाज़ार विकसित करने, निर्यात को पुनर्जीवित करने, ग्राहक संबंधों को सुदृढ़ बनाने तथा एयरोस्पेस, रक्षा, ऊर्जा और औद्योगिक अनुप्रयोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अग्रणी ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्पादन प्रबंधन, प्रक्रिया आश्वासन और व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उनकी दक्षता ने विशेष धातुओं और मिश्रधातुओं के क्षेत्र में मिधानि की प्रगति एवं विस्तार में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

ताड़बन्द हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद 26 को

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बन्द स्थित श्री हनुमान मंदिर मे बारहवां अन्नकूट प्रसाद का आयोजन श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स महाकाली मंदिर सिकंदराबाद एवं कोहिनूर डेयरी प्रोडक्ट्स घटकेसर, बाकलियाँ, सेवड़ राजपुरोहित परिवार के तत्वावधान मे रविवार 26 अक्टुबर सायं 5.15 बजे से पूजा-अर्चनाकर, श्री खेतेश्वर महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व महाआरती के पश्चात् बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि हर वर्ष की भांति अन्नकूट महाप्रसादी का भक्तों के लिए भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसमे हजारों की संख्या में भक्तगण सपरिवार सम्मलित होकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेंगे। अन्नकूट प्रसाद के वितरण के लिए कार्यकर्ताओं की विशेष टीमों का गठन किया गया। जो पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेगे। कार्यक्रम के आयोजन मे रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, भगवानसिंह,

हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पियुषसिंह, धर्मेन्द्रसिंह बाकलिया परिवार निम्बोल, पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह, हर्षसिंह, कुंजसिंह सेवड़ परिवार तालकिया व आनन्दपुर कालू परिवार एवं बहुत से कार्यकर्ता प्रमुख रुप से अपनी सेवाएँ देंगें। आयोजक गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि दिवाली के बाद मनाये जाने वाले अन्नकूट प्रसाद उत्सव कार्यक्रम में अन्नकूट प्रसाद का सेवन करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है एवं परिवार मे सुख समृद्धि बनी रहती है, वैसे तो तेलंगाना में बहुत से स्थानों पर अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाता है लेकिन ताड़बन्द हनुमान मंदिर मे अन्नकूट प्रसाद का अलग ही महत्व है। जिसमे हजारों की संख्या मे भक्त सपरिवार पधारकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेते है। उन्होंने सभी भक्तों एवं राजपुरोहित समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि गौसेवार्थ दान-पुण्यकर अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में सपरिवार, ईष्ट मित्रों सहित पधारकर लाभ लेवे।

सिद्दीपेट की झील में मछली पकड़ते सांपों का वीडियो वायरल

बारिश से भरी झील में कीलबैक मछलियों के शिकार का नजारा

सिद्दीपेट, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धूलमिट्टा मंडल मुख्यालय की एक झील में मछली पकड़ने के लिए धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे सांपों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लगातार बारिश के बाद झील लबालब भर गई थी और पानी वेंट से बाहर निकलने लगा। वीडियो में लगभग एक दर्जन चेकर्ड कीलबैक मछलियाँ बहते पानी से ऊपर एक चट्टान पर टिकी हुई दिखाई दीं, जहाँ सांप उनकी ओर छलांग लगाकर शिकार करने के लिए इंतजार कर रहे थे। वेंट के दूसरी तरफ पानी में और कीलबैक भी देखे गए। स्थानीय व्यक्ति ने यह नजारा रिकॉर्ड कर ऑनलाइन साझा किया, जिससे वीडियो तेजी से वायरल हो गया।

पनुगल्लू में नायक पत्थर स्मारक की पहचान कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंदम ने की

शिलाखंड पर 10वीं शताब्दी का अभिलेख और युद्ध में वीरता का चित्रण

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के पनुगल्लू में तेलंगाना हेरिटेज विभाग संग्रहालय में संरक्षित, युद्ध में बहादुरी से शहीद हुए व्यक्तियों के सम्मान में स्थापित नायक पत्थर की पहचान कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंदम द्वारा की गई है। एलेश्वरम से लाए गए नायक शिलाखंड की पहचान ब्रुंदम के सदस्य वोरुगंती वेंकटेश ने की। शिला पर नायक को दाहिने हाथ में भाला और बाएं हाथ में ढाल लिए युद्धघोष करते हुए दिखाया गया है। उसके चरणों में एक मरा हुआ शत्रु योद्धा पड़ा है, जबकि दूसरा युद्धरत खड़ा है। नायक के दाहिने भाग में शिखा, कुण्डलियां, हार, जनेऊ, कमरबंद, बाजूबंद, कंगन, पायल और अंगूठियां सुशोभित हैं।

इस वीर शिला पर 10वीं शताब्दी का अभिलेख भी है, जिसमें 996 ई. में तेलुगु-कन्नड़ लिपि और तेलुगु भाषा में 21 पंक्तियों में उल्लेख है कि अरियारिम्मा कुमार के राज्य में दावालंदी के मल्लया कोमांडीवराडिया के नेतृत्व में काकैय्या नामक नायक ने युद्ध में अथक संघर्ष किया और वीर स्वर्ग प्राप्त किया। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल के अनुसार, शिलालेख पावाकोजू के पुत्र सारस्वत्ता द्वारा खुदवाया गया था।

आईसीएमआर-एनआईएन ने पोषण और खाद्य में नवाचार के लिए आमंत्रित किया विचार

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) ने 4 और 5 दिसंबर को होने वाले अपने राष्ट्रीय नवाचार शिखर सम्मेलन, 'एकीकृत समाधान और सशक्तिकरण के लिए पोषण और खाद्य में नवाचार' (इन्फ्यूज़) के लिए नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स से विचार और समाधान आमंत्रित किए हैं।

संस्था के अनुसार, स्वस्थ आहार, वास्तविक समय पोषक तत्व आकलन, व्यक्तिगत पोषण ऐप और पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक उपकरणों से जुड़े समाधान प्रस्तुत किए जा सकते हैं। यह पहल खाद्य सुरक्षा, आहार संबंधी रोग और सुलभ पोषण जैसी चुनौतियों का समाधान करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने पर केंद्रित है। एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णि ने कहा कि चयनित नवाचारों को मान्यता के साथ-साथ विशेषज्ञ मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग के अवसर भी मिलेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सेना मुंबई हमले ...

इन परिवारों को सुविधा-सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजे सस्ती हुई उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। मार्केट के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्र में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी है, स्वदेशी को अपनाए। हर घर बाजार का यही मंत्र होना चाहिए। आज मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हुआ: यहां दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। ये एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। आज मुंबई को पूरी तरह से अंडरग्राउंड मेट्रों मिली। इससे सफर आसान होगा। ये विकसित होते भारत का प्रतीक है। मुंबई जैसे शहर में जमीन के नीचे सभी इमारतों को सुरक्षित रखते हुए शानदार मेट्रो बनाई गई है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में विकसित भारत की झलक है। कमल के फूल जैसा आकार है। यानी संस्कृति का प्रतीक है। महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जाएंगे। जिससे उनके उपज इंटरनेशनल मार्केट में पहुंचेंगे। निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग और कारखाने लगेंगे। जब सपने को सिद्ध करने का संकल्प और इच्छा शक्ति हो तो नतीजे भी मिलते हैं।

भारत ने 1000 से ज्यादा नए उड़ानों का ऑर्डर दिया है। इसके लिए मेंटिनेंस की सुविधा भी डेवलप होगी। 230 तक भारत एमआरओ हब बनेगा। जिससे रोजगार मिलेगा युवाओं को। हम सबसे युवा देश हैं। हमारा फोकस युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने का है। सरकार इसी और गतिमान है। इन्फ्रास्ट्रक्चर पोर्ट, एयरपोर्ट पर निवेश से रोजगार बढ़ रहा है। हमारे संस्कार में राष्ट्रनीति ही राजनीति का आधार है। दूसरी तक ऐसी धारा है जो जनता नहीं सत्ता की सुविधा को ऊपर रखते हैं। जनता के विकास पर बाधा डालते हैं। ये लोग घोटाले करते हैं।

आज सभी जिलों ...

शिकायत निवारण तंत्र में भी सुधार किया गया है। इंडस्ट्री और कंज्यूमर दोनों को इसका बहुत फायदा मिल रहा है।

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में चिप सेट्स, बैटरियों से लेकर डिस्प्ले और सेंसर्स तक के काम देश के भीतर और ज्यादा काम होने की जरूरत है। दुनिया पहले से कही ज्यादा डेटा जनरेट कर रही है। इसलिए स्टोरेज,सिक्योरिटी और संप्रभुता जैसे सवाल बहुत अहम हो जाएंगे। भारत डेटा सेंटर और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करके एक ग्लोबल डेटा हब बन सकता है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा-आज हमारी दूरसंचार क्रांति चार 'डी' पर आधारित है-डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल फर्स्ट और डिलीवरी। 2014 में 1जीबी डेटा की कीमत 287 रुपये हुआ करती थी। आज उसी 1जीबी डेटा की कीमत केवल 9.11 रुपये है। सिंधिया ने कहा-यह सिर्फ दूरसंचार क्रांति नहीं है। यह विकसित भारत की क्रांति है। कौशल हमें शक्ति देता है, सुरक्षा हमें आत्मविश्वास देती है और संप्रभुता हमें आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया पर निर्भर देश से आत्मनिर्भर भारत में बदल रहा है।

केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा-आज दुनियाभर के बीस देश भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) मॉडल को अपनाने के लिए चर्चा कर रहे हैं। दूसरे देशों से टेक्नोलॉजी लेने और फॉलो करने वाला भारत आज विश्व का डिजिटल ध्वजवाहक बन गया है।

इंडियन मोबाइल कांग्रेस 8 से 11 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें देश-विदेश की कंपनियां, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञ नई तकनीकों को पेश करेंगे। इसमें भारत, कनाडा, जापान, ब्रिटेन, रूस सहित 150 से ज्यादा देशों से 1.5 लाख से ज्यादा स्पीकर्स, 7000 से ज्यादा ग्लोबल डेलिगेट्स और 400 से ज्यादा कंपनियां भाग लेंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि इस कार्यक्रम को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (डीओटी) और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है। इस साल कार्यक्रम का थीम इनोवेट टू ट्रांसफॉर्म है।

इस बार इंडिया मोबाइल कांग्रेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, सेमीकंडक्टर्स इन टेलीकॉम, क्वांटम कम्युनिकेशन, 6जी और फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर्स पर केंद्रित होगा, जो अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी, डिजिटल संप्रभुता, साइबर फ्रॉड की रोकथाम और ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडरशिप में भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/31/टीएम/ओटी/2025-26, दि.06-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.27-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

ई-निविदा सं. ईटेंडर नं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/31/टीएम/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं.इ-एम-एससी-31-ओटी-2025-26, कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली रखरखाव विभाग-शेड्यूल ए-एससी डिवीजन के ट्रैक मशीन साइडिंग्स पर बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। शेड्यूल बी- शार्ट टर्म सेफ्टी मीजर्स के रूप में ट्रैक मशीनों के कैम्पिंग कोचेस हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.5,44,60,751.74, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,22,300.00, सीटीएफ:रु. शून्य, पूरा करने की अवधि: 6 महिने

आईआरइपीएस वेबसाइट:www.ireps.gov.in के निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई भी परिवर्तनों के होने पर उसे देखा जा सकता है। निविदा सूचना को, एसआर.डीइइ(रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद के कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेलवे के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, (एम), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/ई.इजीएस/12/2025-26, दि.06-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु अधोलिखित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा संख्या: बी/ई.29/इजीएस/19/25-26, दि.06-10-2025, कार्य विवरण: 1) बीजेडए डिवीजन: गुंटूर-न्यु आरपीएफ पोस्ट पर लाक अप, शौचालयों सहित न्यू टाइप डिजाइन आफिस बिल्डिंग का निर्माण कार्य। [illegible]

2. निविदा संख्या: बी/ई.29/1/इजीएस/20/25-26, दि.06-10-2025, कार्य विवरण: 1) बीजेडए डिवीजन: [illegible]

वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यो के तत्समान कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि उपलब्ध है। भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दियों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें। निविदा सूचना को, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, रखरखाव, दम रेलवे, विजयवाड़ा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है। रेलवे के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in को अवलोकन करें। विभागीय रेल प्रबंधक, (बिजली), विजयवाड़ा

खुली ई-निविदा सूचना सं.डीआरएम/कार्य/बीजेडए/28/2025 दि.06-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथिनुसार, 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या:ई-17-पुल या ब्रिजेस-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन-वर्ष 2025-26 के दौरान [illegible] पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,17,800.00, बंद करने की तिथि: 28-10-2025

निविदा संख्या:ई-34-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: गोदावरी पुष्करम्स-2027 [illegible] निविदा मूल्य रु.11,43,94,965.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.7,22,000.00, बंद करने की तिथि: 29-10-2025

निविदा सं. ई-35-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: [illegible] निविदा मूल्य रु.7,72,33,776.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.7,22,000.00, बंद करने की तिथि: 29-10-2025

निविदा सं. ई-36-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: [illegible] निविदा मूल्य रु.1,11,95,754.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,06,00.00, बंद करने की तिथि: 30-10-2025

निविदा सं. ई-37-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: [illegible] निविदा मूल्य रु.4,40,62,301.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,70,300.00, बंद करने की तिथि: 30-10-2025

वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्यो का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि दर्शाया गया है। भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुध्दियों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं। निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), दमरे, विजयवाड़ा के कार्यालय एवं विजयवाड़ा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों में स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखा जा सकता है। रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं। विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाड़ा

संख्या- ई29सीटीआरडीएससी_09-2025-26, दि.7-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदा की एकल पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित हैं।

एनआयटी सं. ई29सीटीआरडीएससी_09-2025-26, दि.06-10-2025, कार्य विवरण: ई29सीटीआरडीएससी_09-2025-26, दि.06-10-2025, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के हैदराबाद डिवीजन में निजामाबाद-सिकंदराबाद तथा निजामाबाद-पेध्दापल्ली मेन लाइन्स से संबंधित प्रस्तावित निजामाबाद यार्ड एवं निजामाबाद बायपास लाइन में मौजूदा ओएचइ के परिवर्तनों सहित डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवं 65 एसके.एमएम केटेनरी सहित 2X25केवी, 50एचजेड सिंगल फेज ए.सी. ट्रैक्शन ओवरहेड इक्विपमेंट की कमीशनिंग तथा 107/150 एसके.एमएम एडीजी कापर कान्टेक्ट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य रु.8,65,67,751.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा/बोली सुरक्षा रु.5,82,800.00, दस्तावेज मूल्य रु. - निविदा दस्तावेज को आनलाइन में नि:शुल्क रूप में डाउनलोड किया जा सकता है। पूरा करने की अवधि: 09 महिने, बंद करने की तिथि: 28-10-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: https://ireps.gov.in पर लागिन करें। बोलीदाता या बिड्डर द्वारा बोली सुरक्षा राशि को ireps.gov.in के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा अथवा भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से गारण्टी बाण्ड के रूप में प्रस्तुत करना होगा। [illegible] निविदाकारों द्वारा अपने आफर को आनलाइन में निविदा प्रस्तुत अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना होगा। निविदाकार, किसी भी शुद्धियों (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति की अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

वैभव सूर्यवंशी ने 9 छक्के उड़ाते हुए ठोके 133 रन

भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में क्लीन-स्वीप

मेलबोर्न, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की अंडर 19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैचों की अंडर-19 टेस्ट सीरीज जीत ली है. ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मल्टी डे मैच में भारत के सामने जीत के लिए 81 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया. भारत की अंडर 19 टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जिताने में पूरी टीम ने अपना योगदान दिया. 14 साल के स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की भी इस सीरीज जीत में बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने 133 रन ठोके. भारत की अंडर 19 टीम का सीरीज में क्लीन स्वीप इसलिए भी खास है क्योंकि वैभव सूर्यवंशी समेत ज्यादातर खिलाड़ियों का ये पहला ऑस्ट्रेलिया दौरा था.

वैभव सूर्यवंशी ने 9 छक्के उड़ाते हुए ठोके 133 रन

वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ खेली 2 मल्टी डे मैचों की सीरीज में 9 छक्के और 11 चौके के साथ 133 रन ठोके. ये रन उन्होंने 2 मैचों की सीरीज में खेली 3 पारियों में बनाए. वैभव सूर्यवंशी ने पहले मल्टी डे मैच की पहली पारी में 86 गेंदों का सामना करते हुए 113 रन बनाए थे, जिसमें 8 छक्के और 9 चौके शामिल रहे थे. ये रेड बॉल क्रिकेट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है.

वहीं दूसरे मल्टी डे मैच की दोनों पारियों को मिलाकर वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से सिर्फ 20 रन निकले, जिसमें 1 छक्का और 2 चौके शामिल रहे. इस तरह ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पूरी सीरीज में उन्होंने 9 छक्के के साथ 133 रन जड़े हैं.

भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप

भारत की अंडर 19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहला मल्टी डे मैच पारी और 58 रन के बड़े अंतर से जीता था. वहीं दूसरे मल्टी डे मैच में भारत की अंडर 19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया. इस तरह भारत ने 2 मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का क्लीन स्वीप किया. आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारत की अंडर 19 टीम की रेड बॉल क्रिकेट में ये पहली सीरीज जीत है. इससे पहले इंग्लैंड में खेली टेस्ट सीरीज ड्रॉ रहा था.

सीरीज के आखिरी मैच का हाल

दूसरे मल्टी डे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाए. जवाब में भारत की अंडर 19 टीम ने पहली पारी में 171 रन बनाकर 36 रन की बढ़त ली. ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम दूसरी पारी में 116 रन पर सिमट गई और इस तरह भारत को 81 रन का लक्ष्य मिला था, जो कि उसने आसानी से हासिल करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की.

रेसलर अमन सहरावत एक साल के लिए बैन

वर्ल्ड चैंपियनशिप में वजन ज्यादा निकला था; पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले अमन सहरावत पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ओवरवेट होने के कारण उन्हें मुकाबले से डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद की गई है।

22 साल के अमन सहरावत क्रोएशिया में 13 से 21 सितंबर के बीच हुई सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में भारत की ओर से उतरने वाले थे। लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। इस कारण उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया।

डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर को अमन को कारण बताओ

नोटिस जारी किया था और 29 सितंबर तक जवाब मांगा था। अमन ने अपना जवाब दिया, लेकिन फेडरेशन की अनुशासन समिति ने उसे असंतोषजनक माना। इसके बाद फेडरेशन ने एक साल का प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

इसके अलावा, अमन के मुख्य कोच जगमंदर सिंह और उनके कोचिंग स्टाफ के अन्य तीन सदस्यों - विनोद, वीरेंद्र और नरेंद्र - से भी वजन प्रबंधन की निगरानी में विफलता के लिए स्पष्टीकरण मांगा गया है। फेडरेशन का कहना है कि कोचिंग स्टाफ ने भी खिलाड़ी के वजन की निगरानी में लापरवाही बरती।

डब्ल्यूएफआई ने कहा कि अमन जैसे ओलिंपिक मेडल विजेता से उच्च स्तर की प्रोफेशनलिज्म और अनुशासन की उम्मीद की जाती है। वजन नाप में असफल होना खेल के अनुशासन और तैयारी की कमी को दिखाता है।

इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की ओर से सिर्फ अंतिम पंघाल को पदक मिला। उन्होंने महिलाओं की 53 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज जीता।

ओवरवेट का नियम

2023 में जारी वर्ल्ड यूनाइडेट रेसलिंग के नियमानुसार वर्ल्ड कप, रैंकिंग सीरीज और अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट में 2 kg तक ओवरवेट अलाऊ है, लेकिन ओलिंपिक गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए ऐसा कोई प्रोविजन नहीं है। अगर 1 ग्राम भी वजन ज्यादा हो तो डिस्क्वालिफाई कर दिया जाता है।

अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में सेमीफाइनल के बाद 10 घंटे में 4.6 किलो वजन घटाया था। मैच के बाद अमन का वजन 61.5 किलो हो गया था, जो उनकी वेट कैटेगरी 57 किलोग्राम से 4.5 किलो ज्यादा था, जिसे भारतीय दल ने सुबह से पहले कम किया था। भारतीय कोच वीरेंद्र दहिया ने उनके वजन घटाने का प्रक्रिया बताई थी।

पृथ्वी शॉ ने गेंदबाज को बल्ले से मारने की कोशिश की : एक खिलाड़ी से बहस भी हुई; महाराष्ट्र-मुंबई का प्रैक्टिस मैच, आउट होने पर शॉ भड़के

पुणे, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी के आगामी सीजन की शुरुआत होने वाली है। इस सीजन के शुरू होने से पहले मुंबई और महाराष्ट्र के बीच तीन दिनों का प्रैक्टिस मैच पुणे में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के स्टेडियम में खेला जा रहा है।

पृथ्वी शॉ मुंबई को छोड़ कर महाराष्ट्र से खेल रहे हैं। शॉ का इस मैच में अपनी पुरानी टीम मुंबई के खिलाड़ियों के साथ नोकझोंक हुई। यह घटना तब हुई जब शॉ ने मुंबई के खिलाफ शानदार शतक (181 रन) जड़ा और इसके बाद मुंबई के स्पिनर मुशीर खान के साथ उनकी तीखी बहस हो गई।

महाराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। शॉ ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 220 गेंदों में 181 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 21 चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनके साथी सलामी

बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी ने भी 140 गेंदों में 186 रन बनाए, जिसमें 33 चौके और चार छक्के शामिल थे। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रनों की विशाल साझेदारी की।

हालांकि, विवाद तब शुरू हुआ जब शॉ 74वें ओवर में मुशीर खान की गेंद पर स्क्वायर लेग बाउंड्री पर इरफान उमैर के हाथों कैच आउट होकर पवेलियन लौटे। उस समय महाराष्ट्र का स्कोर तीन विकेट पर 430 रन था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शॉ के आउट होने के बाद मुशीर ने कथित तौर पर थैंक यू कहकर उनका मजाक उड़ाया। इस बात से नाराज शॉ ने गुस्से में मुशीर की ओर बढ़े और बल्ले से मारने की कोशिश की, हालांकि मुशीर आगे निकल चुके थे, ऐसे में उन्हें बल्ला नहीं लगा। उसके बाद शॉ ने मुशीर का कॉलर पकड़ने की कोशिश की। अंपायर और बाकी खिलाड़ियों ने शॉ को रोका।

इसके बाद जब पृथ्वी शॉ ड्रेसिंग रूम की तरफ वापस आ रहे थे तब उनकी सिद्धेश लाड से भी बहस हो गई थी। फिर अंपायर को बीच बचाव के लिए बीच में आना पड़ा।

महाराष्ट्र के कप्तान अंकित भवने ने इस घटना को हल्के में लेते हुए कहा, 'यह एक अभ्यास मैच है। सभी खिलाड़ी पहले एक साथ खेल चुके हैं। ऐसी चीजें हो जाती हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए दो चरणों में 15 अक्टूबर रवाना होगी टीम, रोहित-विराट भी करेंगे दिल्ली से यात्रा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम 15 अक्तूबर को दो चरणों में दिल्ली से रवाना होगी। यात्रा की अंतिम रूपरेखा लॉजिस्टिक्स और टिकटों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। भारत को इस दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। 'खिलाड़ियों का एक दल सुबह रवाना होगा, जबकि दूसरा समूह बिजनेस क्लास टिकटों की उपलब्धता के आधार पर शाम की उड़ान से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ेगा।' पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली, साथ ही नवनियुक्त उपकप्तान श्रेयस अय्यर, टीम के बाकी सदस्यों के साथ रवाना होने से पहले नई दिल्ली में टीम से जुड़ेंगे।

सूत्र ने बताया, 'विराट और रोहित या तो रवाना होने वाले दिन या उससे एक दिन पहले दिल्ली पहुंच जाएंगे।' वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 19 अक्तूबर को पर्थ में खेला जाएगा। फिलहाल भारतीय टीम शुभमन गिल के नेतृत्व में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेल रही है। पहला मुकाबला जीतकर भारतीय टीम ने 1-0 से बढ़त बना ली है जबकि दूसरा मैच 10 अक्तूबर से दिल्ली में ही खेला जाएगा। अगर यह मैच समय से पहले समाप्त हो जाता है तो वनडे टीम में शामिल खिलाड़ियों को घर जाकर छोटा सा ब्रेक लेने की अनुमति दी जा सकती है, जिसके बाद वे दिल्ली में फिर से एकत्र होंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने रोहित शर्मा की जगह ली है। हालांकि रोहित और कोहली के वनडे भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं, लेकिन दोनों ने 2027 वनडे विश्व कप तक खेलने की इच्छा जताई है। इस बीच, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पूरी टीम को अपने राजेंद्र नगर स्थित आवास पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है। इसका उद्देश्य टीम के बीच आपसी तालमेल और सौहार्द बढ़ाना है, ताकि ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत सकारात्मक माहौल में हो।

रोहित शर्मा ने वनडे कप्तानी छिनने के बाद दिया बड़ा बयान

वरुण चक्रवर्ती ने गौतम गंभीर को लेकर कहा ऐसा

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान हुआ और उसी के साथ इस बात पर भी मुहर लगा दी गई कि अब रोहित शर्मा टीम इंडिया के वनडे कप्तान नहीं होंगे. सेलेक्टर्स ने रोहित को हटाकर शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया दौरे से वनडे कप्तानी सौंप दी है. गिल भारत के 28वें वनडे कप्तान होंगे. मगर उन्हें मिली इस उपलब्धि के बाद अब रोहित शर्मा ने पहला बोल्ड स्टेटमेंट दिया है. रोहित का ये बयान ऑस्ट्रेलिया के दौरे और उस टीम को लेकर है.

ँभारतीय सेलेक्टर्स ने रोहित शर्मा को भले ही वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया. मगर विराट कोहली के साथ उन्हें टीम में जगह दी है. ऐसा भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फेयरवेल सीरीज खेलते दिखें. बहरहाल, ये तो बाद की बातें हैं, उससे पहले जो रोहित शर्मा ने कहा है, उसके बारे में जानकर आपकी बांछें खिल सकती है.

रोहित शर्मा ने मुंबई में हुए सिएट अवॉर्ड समारोह के दौरान अपना बयान दिया. उन्होंने कहा कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना पसंद है. मुझे ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने में मजा आता है. हिटमैन ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया के लोग क्रिकेट को काफी पसंद करते हैं. और, इसी वजह से मुझे वहां खेलना काफी पंसद है. रोहित के इस बोल्ड स्टेटमेंट से साफ है कि मौजूदा दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ने वाली है. कप्तानी का ताज सिर पर हो या ना हो, बतौर बल्लेबाज उन्हें जो करना है, वो करने की पूरी कोशिश करेंगे. सोशल मीडिया पर छाई तैयारी की तमाम तस्वीरों और वीडियो से भी पता चलता है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कितनीड जी-जान से जुटे हैं.

सीएट अवॉर्ड में रोहित शर्मा को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए स्पेशल अवॉर्ड मिला था. वहीं उस समारोह में टी20 इंटरनेशनल बॉलर ऑफ द ईयर चुने गए वरुण चक्रवर्ती ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि गंभीर ने टीम के अंदर हार ना मानने वाली स्पार्टन वाली सोच विकसित कर दी है. आपको अपना बेस्ट देना ही है. टीम को जिताने के लिए मैदान पर सबकुछ झोंक देना है. वरुण ने कहा कि गंभीर आस-पास हैं तो आप साधारण प्रदर्शन करने की सोच नहीं सकते .

कमिंस-हेड को 88 करोड़ ऑफर हुए थे: ताकि वे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से दूर रहें और दुनियाभर में फुलटाइम टी-20 लीग खेलें

मेलबोर्न, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के स्टार पैट कमिंस और ट्रेविस को दुनिया भर की टी-20 फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने के लिए लगभग $10 मिलियन (लगभग 88 करोड़ रूपए) का ऑफर मिला, लेकिन दोनों ने इसे ठुकरा दिया। यह ऑफर आईपीएल की एक टीम ग्रुप की तरफ से अनौपचारिक रूप से दिया था। इस साल आईपीएल में, कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 18 करोड़ में खरीदा था, जबकि हेड को 14 करोड़ रूपए में शामिल किया था।

इसके बावजूद, ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रिकेटरों को राष्ट्रीय अनुबंधों से सालाना लगभग 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 12.5 करोड़ रूपए) मिलते हैं। कमिंस, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान हैं, को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कुल मिलाकर लगभग 3 मिलियन डॉलर (लगभग 25 करोड़ रूपए) की आय होती है।

आईपीएल फ्रेंचाइजी अब ग्लोबल स्तर पर क्रिकेट में दबदबा बना रही हैं। ये फ्रेंचाइजी न केवल भारत में, बल्कि दक्षिण अफ्रीका कैरेबियन प्रीमियर लीग, अमेरिका (मेजर लीग क्रिकेट), और संयुक्त अरब अमीरात (इंटरनेशनल लीग टी20) में भी टी20 टीमें संचालित करती हैं।

पहले भी खिलाड़ियों को ऑफर मिलते रहे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 2023 में मुंबई इंडियंस की ओर से 7.5 मिलियन डॉलर (लगभग 62 करोड़ रुपये) की पेशकश को ठुकरा दिया था।

ट्रैविस हेड भारत के खिलाफ आगामी टी-20 और वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। दूसरी ओर, पैट कमिंस, जो 32 साल के हैं, पीठ की चोट से जूझ रहे हैं। वे 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। कमिंस ने बताया कि उनकी चोट की स्थिति का आकलन करने के लिए उन्हें एशेज शुरू होने से पहले तीन और स्कैन कराने पड़ सकते हैं।

कमिंस ने कहा,'चोट को ठीक करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता। आपको धीरे-धीरे गेंदबाजी की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ती है। अभी मैं जिम में काम कर रहा हूं, साइकिलिंग कर रहा हूं, और पीठ को आराम देने पर ध्यान दे रहा हूं। इसके बाद गेंदबाजी को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा।'

अनवय द्रविड़ बने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक टीम के नए कप्तान

बेंगलुरु, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ किसी पहचान के पहचान के मोहताज नहीं है. उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत को कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं. वहीं, बतौर कोच भी उन्होंने भारतीय टीम में अपना योगदान दिया. अब उनके बेटे भी क्रिकेट की दुनिया में लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं. राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अनवय द्रविड़ को हाल ही में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने एनुअल अवॉर्ड समारोह में सम्मानित किया था. वहीं, अब अनवय द्रविड़ को एक और बड़ी खुशखबरी मिली है.

अनवय द्रविड़ का हालिया प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. जिसके चलते कर्नाटक राज्य क्रिकेट

संघ ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है. अनवय द्रविड़ 9 से 17 अक्टूबर तक देहरादून में होने वाली वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करेंगे. बता दें, वह टूर्नामेंट के पिछले सीजन में राज्य के लिए टॉप स्कोरर रहे थे. अनवय द्रविड़ अपने पिता की तरह विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. अपने पिता राहुल द्रविड़ की तरह, अनवय का स्वभाव भी शांत है और उनकी बल्लेबाजी शैली भी वैसी ही है.

अनवय द्रविड़ को 5 अक्टूबर को हुए केएससीए के एनुअल अवॉर्ड समारोह में सम्मानित किया गया था. उन्होंने अंडर 16 विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी ने कर्नाटक की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने थे. इस टूर्नामेंट के 6 मैचों में अनवय ने 91.80 की शानदार औसत से 459 रन बनाए थे. जिसमें 2 तूफानी शतक शामिल थे. जिसके चलते उन्हें एनुअल अवॉर्ड समारोह में KSCA की ओर से सम्मानित किया गया. ये लगातार दूसरी बार है जब KSCA ने अनवय के सम्मानित किया और वह कप्तान भी बना दिए गए हैं. यानी अनवय ने 24 घंटे में दो बड़ी खुशखबरी मिली हैं.

वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए कर्नाटक टीमः

अनवय द्रविड़ (कप्तान, विकेटकीपर), नितीश आर्य, आदर्श डी उर्स, एस मणिकांत (उप-कप्तान), प्रणीत शेट्टी, वासव वेंकटेश, अक्षत प्रभाकर, सी वैभव, कुलदीप सिंह पुरोहित, रतन बीआर, वैभव शर्मा, केए तेजस, अथर्व मालविया, सनी कांची, रेहान मोहम्मद (विकेटकीपर).

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने फुटबॉल के पहले अरबपति, मेसी को पछाड़ा

लंदन, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया। रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है।

उन्होंने अपने सीआर-7 ब्रांड के तहत होटल, जिम, और फैशन में भी अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा रोनाल्डो के पास कई लग्जरी प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें लिस्बन के पास स्थित क्विंटा दा मरिन्हा हाई-एंड गोल्फ रिसॉर्ट की संपत्ति शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 20 मिलियन यूरो बताई गई है।

रोनाल्डो के लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी ने अपने करियर में कुल लगभग 600 मिलियन यूएस डॉलर प्री-टैक्स वेतन कमाया है। 2023 में जब मेसी ने इंटर मियामी जॉइन किया, तो उन्हें 20 मिलियन यूएस डॉलर वार्षिक वेतन की गारंटी दी गई। हालांकि, रोनाल्डो की कुल कमाई में उनके ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यवसायिक निवेशों का बड़ा योगदान है, जो उन्हें मेसी से आगे ले गया। संपत्ति के अलावा, रोनाल्डो की सोशल मीडिया पहुंच भी उनकी वैश्विक लोकप्रियता को दिखाती है। उनके इंस्टाग्राम पर 660 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं, जिससे वह सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति बन गए हैं।

तमिल थलाइवाज की बड़ी जीत, टाईब्रेकर में दिल्ली ने हरियाणा को हराया

चेन्नई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में मेजबान तमिल थलाइवाज ने तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 56-37 के भारी अंतर से धूल चटा दी. 'रेड मशीन' के नाम से मशहूर 26 साल के अर्जुन देसवाल ने इस मैच में अपने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए सुपर-10 हासिल किया, जिसके दम पर थलाइवाज ने घरेलू सीजन का अपना आखिरी मुकाबला यादगार बनाया. उन्होंने कुल 26 अंक हासिल किए. देसवाल के अलावा नरेंदर कंडोला की रेडिंग और आशीष-नितेश की मजबूत डिफेंस ने टीम को जीत दिलाई.

तमिल थलाइवाज की बड़ी जीत

मैच की शुरुआत पटना पाइरेट्स के पक्ष में रही. पहले 10 मिनटों में उन्होंने 13-10 की लीड बना ली, जहां युवा रेडर अयान ने 9 अंक जोड़कर थलाइवाज को एक बार ऑलआउट करने का कमाल दिखाया. लेकिन

थलाइवाज ने हार नहीं मानी. देसवाल ने शुरुआती पांच अंक बटोरकर टीम को बरकरार रखा, और दो महत्वपूर्ण मल्टी-पॉइंट रेड्स से बड़े अंतर से पिछड़ने से बच गए. अयान का एकमात्र आउट होने के बावजूद पटना ने दबाव बनाए रखा, लेकिन थलाइवाज की रणनीति ने खेल को संतुलित कर दिया. हाफटाइम ब्रेक के बाद थलाइवाज ने आक्रमण तेज कर दिया. डिफेंस ने तीसरा शिकार किया, और देसवाल ने तीन टच पॉइंट्स के साथ स्कोर को 15-14 कर टीम को आगे कर दिया. अगले ही रेड में पटना को दूसरी बार ऑलआउट कर थलाइवाज ने चार अंकों की बढ़त ले ली. दबदबा कायम रखते हुए लीड को छह तक पहुंचाया, हालांकि पटना के अंकित ने दो अंक जोड़कर कुछ राहत दी.

इस दौरान देसवाल ने सीजन का अपना आठवां सुपर-10 पूरा किया. थलाइवाज ने पटना को तीसरी बार ऑलआउट कर हाफटाइम तक 30-19 की मजबूत स्थिति हासिल कर ली. दूसरी हाफ की शुरुआत में पटना ने पहली बार देसवाल को शिकार बनाया, और अंकित ने लगातार तीन अंक जोड़कर स्कोर को 23-32 तक कम किया. लेकिन थलाइवाज ने सुपर सबस्ट्यूट नरेंदर कंडोला के 'डू ऑर डाई' रेड से देसवाल को रिवाइव करवाकर लीड को 12 अंकों तक बढ़ा दिया. अयान ने पटना के लिए सुपर-10 पूरा किया, लेकिन थलाइवाज की डिफेंस ने उन्हें तुरंत लपक लिया. 30 मिनट बाद थलाइवाज 37-24 से आगे थे और फिर तीसरी बार ऑलआउट होने के बाद पटना 26-43 से पीछे छूट गया. अंत में तमिल थलाइवाज ने 56-37 से मैच अपने नाम किया.

टाईब्रेकर में दिल्ली ने हरियाणा को हराया

दिन का दूसरा मुकाबला काफी रोमांचक रहा और मैच का नतीजा टाईब्रेकर में निकला. ये मैच अंत तक सांस रोक देने वाला रहा. निर्धारित समय में स्कोर 33-33 की बराबरी पर रुकने के बाद टाईब्रेकर में दिल्ली ने 9-3 की आसान जीत दर्ज की. दिल्ली के दिग्गज सुरजीत सिंह ने दो महत्वपूर्ण टैकल किए, जबकि 200वें मैच में खेल रहे फजल अत्राचली ने सुपर रेड के साथ जीत की मुहर लगाई. इस जीत ने दिल्ली को अंक तालिका में 22 अंकों के साथ टॉप पर और मजबूत कर दिया, जहां उनकी 12 मैचों में 11वीं सफलता रही. वहीं, हरियाणा को 12 मैचों में छठी हार मिली, जो लगातार चौथी असफलता साबित हुई.

टाईब्रेकर की शुरुआत हरियाणा के विशाल की रेड से हुई, लेकिन सुरजीत ने उन्हें तुरंत शिकार बनाकर दिल्ली को बढ़त दिलाई. नीरज ने अगली रेड में दो अंक जोड़कर स्कोर 2-0 कर दिया. हरियाणा के आशीष ने एक अंक कम किया, लेकिन अजिंक्य ने दो अंक लेकर 3-1 की लीड मजबूत की. जयदीप की रेड पर सुरजीत ने फिर कमाल दिखाया और स्कोर 4-1 कर दिया. लेकिन आखिरी पल फजल अत्राचली का था, जिनकी सुपर रेड ने हरियाणा को पूरी तरह तोड़ दिया और दिल्ली की जीत पक्की कर दी.

स्क्रीनिंग कमेटी ने प्रदेश भाजपा प्रमुख को उम्मीदवारों के नाम सौंपे

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे जुबली हिल्स उपचुनाव नज़दीक आ रहा है, सभी दलों में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज़ हो गई हैं और उम्मीदवार और नेता अपनी कोशिशें तेज़ कर रहे हैं। इसी संदर्भ में, भाजपा की तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी, जिसे उम्मीदवार चयन के संबंध में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया लेने के लिए नियुक्त किया गया था, ने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस समिति में पूर्व विधायक एम. धर्मा राव, पूर्व सांसद पोथुगंती रामुलु और वरिष्ठ पार्टी नेता एवं अधिवक्ता कोमला अंजनेयुलु शामिल हैं। व्यापक विचार-विमर्श के बाद, पैनल ने अपनी रिपोर्ट एक सीलबंद लिफ़ाफ़े में पार्टी प्रमुख को सौंप दी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जुबली हिल्स सीट के लिए जुतुरू कीर्ति रेड्डी, वीरपनेनी पद्मा और लंकाला दीपक रेड्डी प्रमुख दावेदारों के रूप में उभरे हैं। इनमें से, 2023 के विधानसभा चुनाव में इसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके दीपक रेड्डी के दोबारा चुनाव लड़ने की प्रबल संभावना है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के करीबी सहयोगी दीपक रेड्डी वर्तमान में भाजपा मध्य जिला अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इस बीच, अटकलें लगाई जा रही हैं कि तेलंगाना टीडीपी भी चुनाव मैदान में उतर सकती है। हालाँकि, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, जिन्होंने मंगलवार को विजयवाड़ा में तेलंगाना टीडीपी नेताओं के साथ बैठक की, ने कथित तौर पर फैसला किया कि पार्टी जुबली हिल्स उपचुनाव से दूर रहेगी। फिर भी, ऐसी चर्चा है कि अगर आखिरी समय में कोई बदलाव होता है, तो टीडीपी नेता नंदमुरी सुहासिनी को अभी भी मैदान में उतारा जा सकता है, क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में टीडीपी समर्थकों और प्रवासी मतदाताओं की अच्छी-खासी संख्या है। सभी की निगाहें भाजपा खेमे पर टिकी हैं, और यह देखना बाकी है कि जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए आखिरकार किसका नाम तय होगा - यह एक ऐसा मुकाबला है जो सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठित हो गया है।

टीपीसीसी प्रमुख के हस्तक्षेप से पोन्नम-अदलुरी विवाद सुलझा

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ द्वारा बुधवार को हैदराबाद स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सुलह बैठक के बाद मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अदलुरी लक्ष्मण कुमार के बीच मतभेद सुलझ गया। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अपने कैबिनेट समकक्ष लक्ष्मण कुमार से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए सशर्त माफ़ी मांगी। यह बैठक उस घटना के बाद बढ़ते तनाव के कारण बुलाई गई थी जिसमें प्रभाकर ने कथित तौर पर लक्ष्मण को "भैंस" कहा था, जिससे विवाद छिड़ गया था। हाल ही में एक पार्टी बैठक के दौरान, प्रभाकर ने यह टिप्पणी इस बात से अनजान होकर की कि उनका माइक्रोफ़ोन चालू था। जवाब में, लक्ष्मण ने माफ़ी मांगने की बात कही, जबकि प्रभाकर ने उनके सामने यह टिप्पणी करने से इनकार किया। संयोगवश, यह विवाद जुबली हिल्स उपचुनाव की घोषणा के साथ ही उत्पन्न हुआ, जिसके कारण अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने राज्य के नेताओं को इस मुद्दे को शीघ्रता से सुलझाने का निर्देश दिया। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि "लक्ष्मण को जो कष्ट सहना पड़ा है, उसके लिए मैं क्षमा याचना करता हूँ। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय के लिए अग्रणी है। कांग्रेस पार्टी में पला-बढ़ा होने के कारण, मेरा कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है। हालाँकि मैंने पहले यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा था, लेकिन मीडिया में आई खबरों के अनुसार, मुझे उनके द्वारा अनुभव की गई पीड़ा के लिए सचमुच खेद है। ये विचार मेरे विश्वासों से मेल नहीं खाते, क्योंकि मैं उस मानसिकता में पला-बढ़ा नहीं हूँ। कांग्रेस पार्टी ने मुझमें उस तरह की संस्कृति नहीं डाली है," पोन्नम प्रभाकर ने मंत्री लक्ष्मण कुमार, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अन्य पार्टी नेताओं के साथ मीडिया को बताया। पोन्नम प्रभाकर ने ज़ोर देकर कहा कि "सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित करते हुए और व्यक्तिगत मतभेदों को दरकिनार करते हुए, कांग्रेस पार्टी, जो हाशिए पर पड़े समुदायों की चिंताओं में गहरी रुचि रखती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ के मार्गदर्शन में, राहुल गांधी की सिफारिशों के आधार पर 42 प्रतिशत आरक्षण की वकालत करेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ आगे बढ़ते हुए, हम सब मिलकर सामाजिक न्याय के लिए प्रयास करेंगे," मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने कहा, "कांग्रेस पार्टी निम्न सामाजिक वर्गों का समर्थन करती है। प्रतिनिधि के रूप में, मुझे मंत्री के रूप में सेवा करने का सौभाग्य मिला। मैं अपनी पार्टी के प्रति वफ़ादार हूँ और पोन्नम प्रभाकर का बहुत सम्मान करता हूँ। हालाँकि, पोन्नम की टिप्पणी से मेरा मदिगा समुदाय प्रभावित हुआ है। इस मुद्दे को उनके माफ़ीनामे के साथ सुलझा लिया गया है।"

इसके बाद, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने टिप्पणी की, "पोन्नम प्रभाकर की टिप्पणियों से पूरे तेलंगाना समुदाय में निराशा व्याप्त है। मंत्रियों के बीच विवाद को पारिवारिक मामले के रूप में देखा जाना चाहिए। पोन्नम ने इस घटना के लिए खेद व्यक्त किया और माफ़ी मांगी। पोन्नम और अदलुरी दोनों ही समर्पित नेता हैं। मैं मडिगा समुदाय से आग्रह करता हूँ कि वे इस स्थिति को और न बढ़ाएँ। मैं यह भी अनुरोध करता हूँ कि साथी मंत्री भविष्य में ज़िम्मेदारी से बोलें। कांग्रेस पार्टी सभी समूहों को शामिल करती है।"

जागृति ने अनियमितताओं को लेकर ग्रुप-1 परीक्षा रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने कहा कि बेरोज़गारों ने राहुल गांधी की बातों में आकर तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को सत्ता सौंपी, लेकिन बाद में उन्हें पार्टी द्वारा धोखा दिया गया। तेलंगाना जागृति ने बुधवार को गन पार्क में बेरोज़गार युवाओं के लिए न्याय की वकालत करते हुए और ग्रुप-1 परीक्षाओं में विसंगतियों की जाँच की माँग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में जागृति कार्यकर्ता और ग्रुप-1 के अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान, विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाली कविता ने कहा कि जागृति ने ग्रुप-1 के अभ्यर्थियों के समर्थन में यह प्रदर्शन आयोजित किया था। उन्होंने दावा किया, "राहुल गांधी दिल्ली से हैदराबाद आए, बेरोज़गारों से अपील करते हुए वोट मांगे और बाद में उन्हें धोखा दिया। नौकरी का कैलेंडर अभी तक जारी नहीं किया गया है और ग्रुप-1 परीक्षा में गड़बड़ी की गई है। जागृति तब तक सरकार पर दबाव बनाती रहेगी जब तक यह परीक्षा रद्द नहीं हो जाती।" उन्होंने कहा, "हम जल्द ही गोलमेज चर्चा का आयोजन करेंगे। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह ग्रुप-1 की नियुक्तियों को तुरंत रद्द करे और परीक्षा दोबारा आयोजित करे। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करना ज़रूरी है, क्योंकि आंध्र प्रदेश के आठ लोगों की नियुक्ति राष्ट्रपति के आदेश के ज़रिए हुई थी।" कविता ने आगाह किया कि जागृति इस राष्ट्रपति के आदेश के ख़िलाफ़ एक अभियान शुरू करेगी।

देसी पिस्टल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, बिहार-झारखंड कनेक्शन का हुआ खुलासा

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फलकनुमा इलाके में पुलिस और स्पेशल जोनल क्राइम टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इस मामले में झारखंड के मूल निवासी फल विक्रेता विजय यादव(25 वर्ष) और बंटी कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी झारखंड से हैदराबाद आए थे और फलकनुमा तथा चंद्रायंगुट्टा क्षेत्र में काम कर रहे थे। तीन महीने पहले विजय यादव ने बिहार निवासी सोनू कुमार

से 58 हजार में अवैध देसी पिस्टल खरीदी थी। उन्होंने इस हथियार को मुनाफे के लिए अपराधियों को बेचने की योजना बनाई थी, और सोशल मीडिया के ज़रिए इसकी तस्वीरें दिखा कर सौदा करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के पास से देशी पिस्टल बरामद कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम एवं एसआईटी), हैदराबाद सिटी पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी सोनू कुमार फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। इस कार्रवाई को एसीपी जी. वेंकटेश्वर रेड्डी , इंस्पेक्टर, स्पेशल जोनल क्राइम टीम, डी. भिक्षापति, के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। पुलिस की सख्त चेतावनी देते हुए नागरिकों को आगाह किया है कि जो भी व्यक्ति अवैध हथियारों की तस्करी या कब्जे में पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी को साइबर धोखाधड़ी में 12.99 लाख रुपये का नुकसान

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बरकतपुरा इलाके का एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के जीवन प्रमाण पत्र के फर्जी आवेदन से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के एक घोटाले का शिकार हो गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके बचत खाते से 12.99 लाख रुपये की हानि हुई। सूत्रों के अनुसार, पीड़ित को फेसबुक पर एक लिंक मिला, जिसमें पीएनबी जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन जमा करने की सुविधा देने का दावा किया गया था। अपने खाते का विवरण दर्ज करने के बाद, उसे एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को पीएनबी प्रतिनिधि बताया। धोखेबाज ने पीएनबी के आधिकारिक लोगो वाले व्हाट्सएप्प प्रोफाइल का इस्तेमाल करते हुए पीड़ित को एक एपीके फाइल भेजी और जीवन प्रमाण पत्र प्रक्रिया पूरी करने के लिए उसे इंस्टॉल करने का निर्देश दिया। इस संदेश को असली मानकर, सेवानिवृत्त कर्मचारी ने एप्लिकेशन डाउनलोड और इंस्टॉल कर लिया। उसी शाम लगभग 5:30 बजे, उन्हें कई डेबिट संदेश मिले और पता चला कि उनके तीन पीएनबी बचत खातों से धोखाधड़ी से 12,99,300 रुपये निकाल लिए गए हैं। पीड़ित ने साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और अपराधियों का पता लगाने और चोरी की गई धनराशि की वसूली के लिए जाँच जारी है। अधिकारियों ने एक बार फिर जनता को एपीके फ़ाइलें डाउनलोड करने या सोशल मीडिया या मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से साझा किए गए संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के प्रति आगाह किया है।

एआईवाईएफ ने निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों द्वारा उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय युवा महासंघ (एआईवाईएफ) की राज्य समिति ने आज राज्य सरकार से तेलंगाना में कथित तौर पर स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। एआईवाईएफ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सैयद वली उल्लाह खादरी और प्रदेश सचिव कल्लूरु धर्मेंद्र के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोटि में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक आर. पुष्पा को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें नैदानिक प्रतिष्ठान अधिनियम को लागू करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सभी डायग्नोस्टिक परीक्षणों की दरों को प्रत्येक केंद्र पर स्पष्ट सूचना पट्टों पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने की मांग की।

इस अवसर पर, डॉ. खादरी और धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि कई डायग्नोस्टिक केंद्र मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं - कुछ बिना वैध लाइसेंस के, तो कुछ बुनियादी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किए बिना नमूने एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई केंद्र अनुमोदित मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं कर रहे हैं और मरीजों से अधिक शुल्क ले रहे हैं। क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत, रक्त, मूत्र और मल विश्लेषण जैसी जाँच रिपोर्टों का सत्यापन और जारी करना केवल योग्य पैथोलॉजिस्ट या माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा ही किया जाना चाहिए। हालाँकि, कई प्रयोगशालाएँ इन मानदंडों का उल्लंघन कर रही हैं।, एआईवाईएफ नेताओं ने आगे आरोप लगाया कि डायग्नोस्टिक सेंटर और अस्पताल अनैतिक कमीशन-आधारित व्यवस्थाओं में लिप्त हैं, और लाभ के लिए मरीजों का शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हैदराबाद में, कई प्रसिद्ध डायग्नोस्टिक ब्रांडों के पास केवल एक शाखा की अनुमति है, लेकिन वे अवैध रूप से एक ही नाम से कई सेंटर चला रहे हैं।" उन्होंने सभी सेंटरों में एक जैसी रिपोर्ट जारी होने के बावजूद जाँच शुल्क में विसंगति पर सवाल उठाया। अयोग्य डॉक्टरों द्वारा सर्जरी और मरीजों के इलाज में शामिल होने की निंदा करते हुए, उन्होंने कुछ अस्पतालों पर बिलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने और मरीजों को गैर-मौजूद बीमारियों के लिए अनावश्यक प्रक्रियाओं से गुजरने का आरोप लगाया, जिससे जनता को मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की परेशानी हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर स्वास्थ्य विभाग पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में विफल रहता है, तो संगठन डायग्नोस्टिक सेंटरों के सामने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगा। उपस्थित लोगों में एआईवाईएफ के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष नेरलकांति श्रीकांत और राज्य समिति के सदस्य आर. बालकृष्ण, कम्पल्ली कल्याण और अन्य शामिल थे।

45 किलोग्राम गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदनगर पुलिस ने बुधवार को लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर 45 किलोग्राम गांजा ले जाने के आरोप में दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर प्लेटफार्म नंबर 1 पर तीनों को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध लोग विशाखापत्तनम से मुंबई जा रहे थे। ज़ब्त किए गए गांजे का कुल वजन लगभग 45 किलोग्राम है। तीनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है। उन्हें अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

फर्जी गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए धोखाधड़ी करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने साइबराबाद के विशेष पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर एक साइबर गिरोह को बैंक खाते और सिम कार्ड मुहैया कराकर ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरोह ने फर्जी गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए निर्दोष पीड़ितों को ठगा और उन्हें अवास्तविक लाभ दिखाकर बड़ी रकम वसूली। गिरफ्तार आरोपियों में डोप्पलापुडी नवीन कुमार, वंकाद्री संदीप कुमार, चिंतालपति प्रुथ्वी रामाराजू, चिंतालपति पवन वेंकट

नागा भारद्वाज, और ममिदिसेट्टी रामंजनेयुलु शामिल है। डीसीपी साइबर अपराध, साइबराबाद बी. साई श्री ने बताया कि आरोपी टेलीग्राम और व्हाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से धोखाधड़ी वाले लेनदेन के लिए 120 से अधिक बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। वे सत्यनारायण वर्मा नामक व्यक्ति के यहाँ काम करते थे और सुपागो वेबसाइट पर उपलब्ध गेमिंग पोर्टल डॉज बुक777 के माध्यम से धन का प्रबंधन करते थे। कुल लेनदेन की पहचान अभी बाकी है और अब तक इन खातों में लगभग 14 लाख रुपए की राशि जमा है, जिसे जब्त किया जा रहा है।

आरोपियों के पास से 2 लैपटॉप, 30 मोबाइल, 32 चेक बुक, 23 एटीएम कार्ड और 48 सिम कार्ड बरामद हुए है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ओटीपी, पिन या बैंक विवरण साझा न करें और ऑनलाइन सट्टेबाजी व गेमिंग ऐप्स से बचें। मामले की जाँच साइबर अपराध पुलिस स्टेशन, साइबराबाद के पुलिस निरीक्षक जी. विजय कुमार द्वारा साइबर अपराध, साइबराबाद के सहायक पुलिस आयुक्त ए. रवींद्र रेड्डी की निगरानी में की जा रही है।

उत्तराधिमठ के मुख्य पुजारी ने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की

तिरुमला , 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तराधि मठ के मुख्य पुजारी जगद्गुरु श्री श्री श्री 1008 श्री सत्यात्मा तीर्थ स्वामीजी ने बुधवार सुबह तिरुमला स्थित श्रीवारी मंदिर में दर्शन किए। श्रीवारी मंदिर के सामने उनके आगमन पर, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल और मंदिर के पुजारियों ने मंदिर के सम्मान के साथ उनका स्वागत किया और उन्हें गर्भगृह तक ले गए। उप ईओ हरिद्रनाथ, पेशकार रामकृष्ण, बोक्कासम प्रभारी गुरुराज राव और अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद में मौसम अनिश्चित, कई इलाकों में हो रही छिटपुट बारिश

आईएमडी ने हल्की बारिश और तेज़ हवाओं की संभावना जताई

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले लगभग एक हफ़्ते से हैदराबाद में मौसम अनिश्चित और अप्रत्याशित बना हुआ है। शहर के कई हिस्सों में छिटपुट और स्थानीय स्तर पर भारी बारिश हो रही है। मंगलवार को पुराने शहर जैसे कुछ इलाकों में थोड़े समय के लिए तेज बारिश हुई, जबकि अन्य इलाके पूरी तरह सूखे रहे। इसी दौरान कई मुख्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के कारण यातायात जाम की स्थिति बनी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने बुधवार को कहा कि आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश या गरज के साथ तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञों ने भी संकेत दिया है कि शहर के कुछ हिस्सों में दोपहर से रात तक छिटपुट लेकिन तेज़ तूफान देखने को मिल सकते हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अनियमित मौसम का कारण उच्च आर्द्रता है, जो पिछले कुछ दिनों से 80 से 85 प्रतिशत तक दर्ज की जा रही है। बुधवार के पूर्वानुमान के अनुसार, आर्द्रता 80 प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी, जिससे भारी और तीव्र बारिश होने की संभावना है।

केटीआर ने रेवंत सरकार पर गुरुकुलों को कमजोर करने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार जानबूझकर तेलंगाना के गुरुकुलों को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गुरुकुल भवनों का किराया लंबे समय से बकाया रखा है और कई छात्रावासों को बंद कर दिया गया है, जिससे छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। उन्होंने इसे शर्मनाक और मुख्यमंत्री की अक्षमता का प्रतीक बताया।

रामाराव ने सरकार से बकाया राशि तुरंत जारी करने और बंद छात्रावासों को दोबारा खोलने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि

अगर सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो बीआरएस छात्रों और अभिभावकों के साथ मिलकर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार कल्याणकारी आवासीय विद्यालय व्यवस्था को बर्बाद कर रही है, जिसने तेलंगाना को देशभर में पहचान दिलाई थी।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री गरीब छात्रों को सशक्त बनाने वाली व्यवस्था को खत्म कर रहे हैं ताकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की विरासत मिटाई जा सके। रामाराव ने पूछा कि जब सरकार ने 22 महीनों में 2.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, तो फिर किराया बकाया चुकाने में क्यों विफल रही। उन्होंने चेतावनी दी कि पिछड़े, दलित, जनजातीय, अल्पसंख्यक और गरीब वर्गों के हित में चल रहे गुरुकुल विद्यालयों को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

ज़िला बस किराए में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं : टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद में बस किराया बढ़ा, लेकिन ग्रामीण सेवाओं पर असर नहीं

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने हाल ही में हैदराबाद में सिटी बस किराए में वृद्धि की है, लेकिन राज्य भर में ज़िला बस सेवाओं के लिए टिकट की कीमतों में किसी संभावित वृद्धि की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ज़िला मार्गों के लिए किराए में तुरंत कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

टीजीएसआरटीसी ने कहा कि हैदराबाद में किराया वृद्धि शहरी परिवहन ढांचे को मजबूत करने, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े के विस्तार के लिए आवश्यक थी। निगम ने बताया कि राज्य सरकार के पास ज़िला बस किराया बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है और वर्तमान में जिला बुनियादी ढांचे का विकास पहले से ही जारी है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि हैदराबाद में नई किराया संरचना अगले दो से तीन वर्षों तक अपरिवर्तित रहेगी, जब तक कि सरकार द्वारा कोई समान संशोधन लागू नहीं किया जाता।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.